ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग,

उत्तराखण्ड, पौड़ी गढ़वाल

जनपद ऊधमसिंह नगर के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन को कम करने हेतु सिफारिशें

अगस्त, 2023

प्रस्तावना

ऊधमसिंह नगर जनपद की चौड़ाई लगभग 30 किमी व लम्बाई लगभग 170 किमी है तथा जनपद का कुल क्षेत्रफल 2542 वर्ग किमी में फैला है। ऊधमसिंह नगर अपनी संस्कृति एवं विरासत के लिए मशहूर है। जनपद में प्रति व्यक्ति आय लगभग रू. 2,69,070 है जिसमें सबसे अधिक योगदान खेती का है । जनपद में जहाँ एक ओर विकासखण्ड काशीपुर और रूद्रपुर में दशकीय जनगणना वर्ष 2001 से 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धिदर क्रमशः 49.28% व 46.22% नगरीय क्षेत्र से अधिक है क्योंकि इन विकासखण्डों में अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा, खेती अधिक उपजाऊ है वहीं दूसरी ओर विकासखण्ड खटीमा में जनसंख्या वृद्धिदर 6.43% है क्योंकि इस विकासखण्ड का अधिकांश भाग पर्वतमाला से घिरा हुआ है, जिस कारण इस विकासखण्ड में पलायन के प्रभाव की अधिक स्पष्टता होती है।

आंकड़ें दर्शाते हैं कि राज्य के सभी जनपदों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन का प्रभाव अधिक है। राज्य में स्थायी पलायन का सबसे कम प्रभाव जनपद ऊधमसिंह नगर में हुआ है जबकि अस्थायी पलायन में जनपद आठवें स्थान पर है। जनपद ऊधमसिंह नगर की कुल 191 ग्राम पंचायतों में 19,583 व्यक्तियों द्वारा विगत 4.5 सालों में अस्थायी पलायन किया गया, जिसमें सबसे अधिक विकास खण्ड खटीमा की 49 ग्राम पंचायतों में 5,192 व्यक्तियों तथा सबसे कम जसपुर विकासखण्ड के मात्र 18 ग्राम पंचायतों में 419 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी पलायन किया गया, जोकि ग्रामीण क्षेत्रों से नजदीकी कस्बों/शहरों की ओर रोजगार एवं मजदूरी हेतु अस्थायी पलायन का द्योतक है। जनपद ऊधमसिंह नगर में मात्र 02 ग्राम पंचायतों में 82 व्यक्तियों द्वारा विगत 4.5 सालों में स्थायी पलायन किया गया, जिसमें सबसे अधिक विकास खण्ड रूद्रपुर की 01 ग्राम पंचायत में 70 व्यक्तियों तथा सबसे कम विकास खण्ड काशीपुर के मात्र 01 ग्राम पंचायत में 12 व्यक्तियों द्वारा स्थायी पलायन किया गया। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से नजदीकी कस्बों/शहरों में शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था में अभाव के कारण स्थायी पलायन किया जा रहा है।

यह रिपोर्ट जिले के सामाजिक–आर्थिक मानकों का विस्तार से जांच करती है, विशेषतः उन कारणों के संदर्भ में जो पलायन पर असर डालती है। माध्यमिक जानकारी, जिले के रेखीय विभागों के जनपदस्तरीय अधिकारियों की प्रकाशित और अप्रकाशित सूचनाओं से ली गई है। प्राथमिक जानकारी, आयोग की टीम, खण्ड विकास अधिकारियों और ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र भ्रमण से संग्रहित की गयी सूचनाओं पर आधारित है। प्रत्येक विकासखण्ड से आंकडे एकत्र कर विश्लेषण किया गया है। इस रिपोर्ट में जनपद की ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं, जिस से पलायन को कम किया जा सके। इससे स्थानीय सामाजिक–अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिल सकता है।

आयोग अपने अध्यक्ष श्री पुष्कर सिंह धामी, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन; श्री गणेश जोशी, मा0मंत्री, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड, सचिव, ग्राम्य विकास, जिलाधिकारी, ऊधमसिंह नगर एवं उनके अधिकारियों की टीम; विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारी और कर्मचारी; जनपद के सभी जनप्रतिनिधि; जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी; एन.जी.ओ. और ग्रामीणों, सदस्य सचिव, ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, श्री गजपाल चन्दानी, शोध अधिकारी, ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग तथा श्री भूपाल सिंह रावत, वैयक्तिक सहायक द्वारा इस रिपोर्ट को तैयार करने के अथक प्रयासों को विनम्रता के साथ स्वीकार करता है।

अगस्त, 2023

डॉ शरद सिंह नेगी
उपाध्यक्ष

अन्तर्वस्तु

अध्याय I	:	परिचय	1
अध्याय II	:	जनपद के सामाजिक–आर्थिक आंकड़ों का विश्लेषण	21
अध्याय III	:	पलायन की स्थिति	38
अध्याय IV	:	ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु जनपद ऊधमसिंह नगर में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण	42
अध्याय V	:	विश्लेषण एवं सिफारिशें	72

अध्याय- I

परिचय

उत्तराखण्ड राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में पलायन एक बड़ी चुनौती है। शहरी क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आय स्तर में भी असमानता है। इसी परिपेक्ष में ऊधमसिंह नगर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में हो रहे पलायन पर अंकुश लगाने एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक आर्थिकी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा यह विश्लेषण किया गया।

ऊधमसिंह नगर जनपद की चौड़ाई लगभग 30 किमी व लम्बाई लगभग 170 किमी है तथा जनपद का कुल क्षेत्रफल 2542 वर्ग किमी है, जो समुद्र तल से मात्र 550 मीटर की ऊँचाई पर अवस्थित है। ऊधमसिंह नगर अपनी संस्कृति एवं विरासत के लिए मशहूर है।

भौगोलिक पृष्ठभूमिः– ऊधमसिंह नगर भारत की राजधानी दिल्ली के उत्तर पूर्व व उत्तराखण्ड राज्य के दक्षिण पूर्व भाग में और भारत के पड़ोसी देश नेपाल तथा उत्तर प्रदेश के किनारे पर बसा, राज्य का एक खूबसूरत एवं अपनी कुदरती सुन्दरता के लिए जाना जाने वाला जिला है। जिले के उत्तर में नैनीताल, पूर्व भाग में चम्पावत, दक्षिण भाग में पीलीभीत, बरेली तथा पश्चिम भाग में बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर जिले हैं जबकि इसके पूर्व भाग में नेपाल देश स्थित है अर्थात जिले की सीमाएं पूर्व में नेपाल, पश्चिम में उत्तर प्रदेश, उत्तर में नैनीताल व चम्पावत तथा दक्षिण में उत्तर प्रदेश से लगी हुई हैं। कोसी, गोला व शारदा जनपद की मुख्य नदियां हैं। क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से ऊधमसिंह नगर राज्य तराई क्षेत्र में अवस्थित पांचवा सबसे छोटा जनपद है।

राज्य क्षेत्रफल में जनपद योगदान का तुलनात्मक अवरोही विवरण		
क्र0स0	जनपद	योगदान प्रतिशत
1	चम्पावत	3.30%
2	रूद्रप्रयाग	3.50%
3	बागेश्वर	4.30%
4	हरिद्वार	4.40%
5	ऊधमसिंहनगर	**5.40%**
6	अल्मोड़ा	5.80%
7	देहरादून	5.80%
8	नैनीताल	7.20%
9	टिहरी गढवाल	7.60%
10	पौड़ी गढ़वाल	10.20%
11	पिथौरागढ़	13.30%
12	चमोली	14.40%
13	उत्तरकाशी	14.80%

प्रशासनिक पृष्ठभूमि :– ऊधम सिंह नगर की स्थापना 29 सितम्बर 1995 को की गयी इससे पहले यह जनपद नैनीताल का हिस्सा हुआ करता था। जनपद का नाम देश के महान स्वतत्रंता सेनानी शहीद ऊधम सिंह के नाम पर रखा गया है।

भारत की राजधानी दिल्ली से लगभग 265 किमी व राज्य की राजधानी देहरादून से लगभग 260 किमी की दूरी पर स्थित ऊधमसिंह नगर 09 तहसील, 09 उप तहसील, 07 सब डिवीजन, 07 विकासखण्ड, 309 ग्राम सभायें और 658 ग्रामों में बंटा है। वर्ष 2011 की जनगणनानुसार जनपद में लगभग 3 लाख 9 हजार परिवार निवास करते हैं जिनकी बोली–भाषा अधिकांशतया हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला, भोजपुरी, पंजाबी, कुमाऊँनी और पूर्वांचली है।

कृषि संरचना :– जनपद में प्रति व्यक्ति आय लगभग रू. 2,69,070 है जिसमें सबसे अधिक योगदान खेती का है। जनपद के 1780 वर्ग किमी के हिस्से में मुख्य रूप से धान, गेहूँ, मक्का, मसूर, मटर, सरसों, गन्ना, आलू, प्याज, अदरक, लहसुन, मूली, टमाटर, फूलगोभी के साथ–साथ आम, लीची, अमरूद, नीबू आदि की पैदावार की जाती है। जनपद को राज्य का सर्वाधिक कृषि उत्पादक जिला माना जाता है क्योंकि भूगर्भीय जल 15 से 20 मीटर की गहराई पर आसानी से उपलब्ध हो जाता है इसलिए यहाँ की भूमि में हर समय नमी बनी रहती है। देश का ''प्रथम कृषि विश्वविद्यालय पंतनगर'' को 17 नवम्बर 1960 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व0 जवाहर लाल नेहरू द्वारा स्थापित किया गया है, जिसका नाम 1972 में बदलकर गोविन्द बल्लभ पंत जी के नाम पर रखा गया है।

परिवहन संरचना :– ऊधमसिंह नगर उत्तराखण्ड के अलावा भारत के अन्य जिलों के साथ परिवहन सेवा से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है, क्योंकि जनपद में NH74, NH87, NH121, गुजरती हैं। बस, टैक्सी सेवा और आटो के माध्यम से यात्रियों को पड़ोसी जिलों के साथ–साथ शहर के छोटे–बडे गांव तक टैक्सी, आटो और बस सेवा उपलब्ध कराने के साथ–साथ जनपद में काशीपुर, रूद्रपुर और किच्छा जैसे मुख्य रेलवे स्टेशन/जक्शन मौजूद हैं।

रोजगार संरचना :– जनपद में छोटे–छोटे व्यवसाय में मॉल, शॉरूम, होटल एवं कई छोटे–छोटे शॉप मौजूद हैं। इनके माध्यम से आसपास के लोगों एवं ऊधम सिंह नगर जिला वासियों को रोजगार उपलब्ध होता है।

आर्थिक संरचना :– ऊधम सिंह नगर की अर्थव्यवस्था में जीडीपी के वर्तमान मूल्यों हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2021–22 में विकास दर 7.65% थी। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

Share of Different Economic Activity to the Gross District Domestic Product at current prices

(%)

S.No.	Year	Primary	Secondary	Tertiary
1	2011-12	10.40	57.80	25.74
2	2012-13	9.67	57.83	26.53
3	2013-14	9.09	56.39	28.10
4	2014-15	8.53	54.73	29.95
5	2015-16	7.75	53.31	31.28
6	2016-17	8.21	53.49	30.47
7	2017-18	8.63	52.98	29.38
8	2018-19	8.65	52.87	31.11
9	2019-20	9.49	50.50	33.40
10	2020-21	10.49	50.00	33.52
11	2021-22	9.39	52.04	33.23

(Others include Product Tax and Product Subsidies)

(Source DES, Govt. of Uttarakhand)

Gross District Domestic Product at current prices

(In Rs. Lakhs)

S.No.	Year	Primary	Secondary	Tertiary	Gross District Domestic Product
1	2011-12	253798	1410245	627938	2439968
2	2012-13	271703	162548	745218	2809330
3	2013-14	285521	1771595	882948	3141763
4	2014-15	297166	1906166	1043225	3482831
5	2015-16	298602	2054450	1205379	3853556
6	2016-17	346911	2260169	1287555	4225677
7	2017-18	400032	2457094	1362728	4638003
8	2018-19	415394	2538561	1493555	4801141
9	2019-20	473119	2517623	1665408	4985628
10	2020-21	528589	2519579	1688774	5038698
11	2021-22	540782	2996151	1913587	5757923

(Source DES, Govt. of Uttarakhand)

Growth Rate of Gross District Domestic Product at current prices

(%)

S.No.	Year	Primary	Secondary	Tertiary	Gross District Domestic Product
1	2011-12	--	--	--	--
2	2012-13	7.05	15.20	18.68	15.14
3	2013-14	5.09	9.05	18.48	11.83
4	2014-15	4.08	7.60	18.15	10.86
5	2015-16	0.48	7.78	15.54	10.64
6	2016-17	16.18	10.01	6.82	9.66
7	2017-18	15.31	8.71	5.84	9.76
8	2018-19	3.84	3.32	9.60	3.52
9	2019-20	13.90	-0.82	11.51	3.84
10	2020-21	11.72	0.08	1.40	1.06
11	2021-22	2.31	18.91	13.31	14.27

(Source DES, Govt. of Uttarakhand)

ऊधम सिंह नगर में प्रति व्यक्ति आय का वर्षवार बदलाव विवरण	
वर्ष	प्रति व्यक्ति आय (रूपये में)
2011-12	1,19,936
2012-13	1,36,169
2013-14	1,46,971
2014-15	1,59,860
2015-16	1,73,117
2016-17	1,87,313
2021-22	2,69,070

राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) हेतु ऊधमसिंहनगर द्वारा प्राथमिक सेक्टर में 16.35**%**, द्वितीयक सेक्टर में 13.44**%** और तृतीयक सेक्टर में 16.35**%** के माध्यम से तीसरे स्थान पर योगदान दिया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार में प्राथमिक सेक्टर का वर्ष 2021–22 हेतु जनपदवार योगदान विवरण		
क्र0स0	जनपद	वर्तमान मूल्य (रू. करोड में)
1	ऊधम सिंह नगर	5408
2	हरिद्वार	5338
3	देहरादून	3805

4	नैनीताल	2772
5	अल्मोडा	2185
6	पौड़ी गढ़वाल	1699
7	पिथौरागढ़	1560
8	टिहरी गढ़वाल	1554
9	चमोली	1524
10	उत्तरकाशी	1233
11	बागेश्वर	769
12	चम्पावत	741
13	रूद्रप्रयाग	500

राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार में द्वितीयक सेक्टर का वर्ष 2021–22 हेतु जनपदवार योगदान विवरण		
क्र0स0	जनपद	जीडीपी का वर्तमान मूल्य (रू. करोड में)
1	हरिद्वार	57925
2	ऊधम सिंह नगर	29382
3	देहरादून	17847
4	नैनीताल	6591
5	पौड़ी गढ़वाल	2446
6	टिहरी गढ़वाल	2231
7	अल्मोडा	1383
8	चमोली	1233
9	पिथौरागढ़	1217
10	चम्पावत	690
11	उत्तरकाशी	562
12	रूद्रप्रयाग	487
13	बागेश्वर	393

राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार में तृतीयक सेक्टर का वर्ष 2021–22 हेतु जनपदवार योगदान विवरण		
क्र0स0	जनपद	जीडीपी का वर्तमान मूल्य (रू. करोड में)
1	देहरादून	26328
2	ऊधम सिंह नगर	191326
3	हरिद्वार	17802
4	नैनीताल	12848
5	पौड़ी गढ़वाल	5018
6	अल्मोडा	4579
7	पिथौरागढ़	4107
8	टिहरी गढ़वाल	4020
9	चमोली	3179

10	उत्तरकाशी	2453
11	चम्पावत	2171
12	बागेश्वर	1892
13	रूद्रप्रयाग	1700

जनपदान्तर्गत वर्ष 2011 में जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण करने से स्पष्ट होता है कि सीमान्त कर्मकरों की अपेक्षा मुख्य कर्मकरों की संख्या अधिक है क्योंकि जनसंख्या के आर्थिक वर्गीकरण में मुख्य कर्मकरों द्वारा 76% का योगदान दिया जाता है। मुख्य कर्मकरों के योगदान में सबसे अधिक योगदान कृषि श्रमिकों द्वारा लगभग 24% दिया जाता है। विकासखण्ड स्तर पर सबसे अधिक कृषक कर्मकर विकासखण्ड खटीमा के अन्तर्गत लगभग 49%, सबसे अधिक कृषि श्रमिक कर्मकर विकासखण्ड गदरपुर में 49% तथा पारिवारिक उद्योग हेतु सबसे अधिक 6% कर्मकर विकासखण्ड जसपुर में मुख्य कर्मकर के रूप में कार्य करते पाये गये। अर्थात मुख्य कर्मकर एवं सीमान्त कर्मकर हेतु ठोस नीति तैयार करते हुए कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित हैं–

जनपद में विकास खण्डवार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण							
वर्ष / विकासखण्ड	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1991	37%	27%	1%	35%	82%	18%	100%
2001	32%	19%	2%	47%	77%	23%	100%
2011	21%	24%	4%	51%	76%	24%	100%
विकासखण्डवार 2011							
जसपुर	32%	36%	6%	26%	69%	31%	100%
काशीपुर	24%	32%	5%	39%	75%	25%	100%
बाजपुर	30%	48%	2%	20%	79%	21%	100%
गदरपुर	24%	49%	2%	24%	74%	26%	100%
रूद्रपुर	19%	31%	3%	48%	80%	20%	100%
सितारगंज	42%	34%	3%	21%	75%	25%	100%
खटीमा	49%	19%	4%	28%	58%	42%	100%
योग ग्रामीण	33%	35%	3%	29%	72%	28%	100%
वन	35%	28%	9%	27%	51%	49%	100%
ग्रामीण योग	33%	35%	4%	29%	71%	29%	100%
नगरीय	5%	8%	4%	83%	85%	15%	100%
योग जनपद	21%	24%	4%	51%	76%	24%	100%

जनशक्ति डिमाण्ड :– वर्ष 2011 की जनगणना के लिए जनपद ऊधमसिंह नगर की जनसंख्या 16.48 लाख थी जो 2017 तक बढ़कर 19.59 लाख है। शोध कर्ताओं के अनुसार जनपद में 2017 के लिए जनशक्ति डिमाण्ड 1.95 लाख

थी। अर्थात ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर होने वाले पलायन पर अंकुश लगाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधन उपलब्ध किये जाने की ओर ध्यान देने की अति आवश्यकता है। सम्भावित क्षेत्र निम्नवत हैं :–

1. निर्माण सामाग्री, भवन हार्डवेयर और मशीनों को संचालित करने के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति के साथ–साथ IT क्षेत्र में भी अत्यधिक मांग।
2. प्लबंर, चित्रकार, मैकेनिक, कारपेन्टर, पेन्टर, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट सेवा क्षेत्र में मांग।
3. जड़ी–बूटी की खेती, जैव उर्वरक औषधि और सुगंधित पौधे, नर्सरी संचालन, कटाई के बाद भंडारण।
4. कृषि–व्यवसाय प्रक्रिया पर ज्ञान रखने वाले प्रशिक्षित जनशक्ति का अभाव।
5. परिरक्षकों के उपयोग में वृद्धि।
6. फल, दूध, बीज, फूल प्रसंस्करण के साथ–साथ जैविक उत्पाद हेतु अत्यधिक मांग।
7. दूध और मांस क्षेत्र में अत्यधिक मांग।

जनसांख्यिकी :– ऊधमसिंह नगर जनपदान्तर्गत दशकीय जनगणना वर्ष 1901 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि हेतु आंकड़ों के अध्ययन से निम्नवत तथ्य स्पष्ट होते है :–

1. जनपद ऊधमसिंह नगर में 12 दशकीय जनगणनाओं के अन्तर्गत दशकीय वर्ष 1951 से वर्ष 1961 के मध्य सबसे अधिक 121.10% जनसंख्या वृद्धिदर देखने को मिलती है।

   दशकीय जनगणना वर्ष 2011 हेतु दशकीय वर्ष दर वर्ष जनसंख्या में बदलाव 0.2% ऋणात्मक रहती है जो कि समृद्ध अर्थव्यवस्था की वजह से जनपद में पलायन की न्यूनतम दर को दर्शाता है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

वर्ष 1901 की स्थिति से वर्ष 2011 के मध्य जनपद ऊधमसिंह नगर की जनसंख्या में दशकीय बदलाव						
जनपद	जनगणना वर्ष	जनसंख्या			पूर्ववर्ती जनगणना के बाद से बदलाव	
		पुरूष	महिला	योग	शुद्ध बदलाव	प्रतिशत
ऊधमसिंह नगर	1901	73390	58421	131811	NA	NA
	1911	74391	57217	131608	-203	-0.15%
	1921	65409	47225	112634	-18974	-14.42%
	1931	66037	46767	112804	170	0.15%
	1941	69652	49081	118733	5929	5.26%
	1951	80132	56314	136446	17713	14.92%
	1961	179223	122458	301681	165235	121.10%
	1971	254668	197049	451717	150036	49.73%
	1981	363623	305128	668751	217034	48.05%
	1991	496587	428269	924856	256105	38.30%
	2001	649484	586130	1235614	310758	33.60%
	2011	858783	790119	1648902	413288	33.45%

1. ऊधम सिंह नगर में दशकीय जनगणना वर्ष 2001 से 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि दर 33.45% थी। उल्लिखित आंकड़ें में अधिक योगदान 45.59% के माध्यम से नगरीय क्षेत्र का रहता है जबकि ग्रामीण क्षेत्र का 27.57% ही रहता है अर्थात जनपदान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में पलायन होने की पुष्ठि होती है।

ऊधम सिंह नगर जनपद में जहाँ एक ओर विकासखण्ड काशीपुर और रूद्रपुर में दशकीय जनगणना वर्ष 2001 से 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धिदर क्रमशः 49.28% व 46.22% नगरीय क्षेत्र से अधिक है क्योंकि इन विकासखण्डों में अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा, खेती अधिक उपजाऊ है वहीं दूसरी ओर विकासखण्ड खटीमा में जनसंख्या वृद्धिदर 6.43% है क्योंकि इस विकासखण्ड का अधिकांश भाग पर्वतमाला से घिरा हुआ है, जिस कारण इस विकासखण्ड में पलायन के प्रभाव की अधिक स्पष्टता होती है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

जनपदान्तर्गत ग्रामीण, वन एवं नगरीय क्षेत्रों में दशकीय जनगणना हेतु जनसंख्या वृद्धि दर का तुलनात्मक विवरण				
विकासखण्ड	कुल जनसंख्या			
	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	बदलाव प्रतिशत
काशीपुर	86831	129621	42790	49.28%
रूद्रपुर	109730	160448	50718	46.22%
बाजपुर	102143	137387	35244	34.50%
गदरपुर	104201	134238	30037	28.83%
जसपुर	98279	126397	28118	28.61%
सितारगंज	146584	176446	29862	20.37%
खटीमा	161291	171662	10371	6.43%
योग विकासखण्ड	809059	1036199	227140	28.07%
वन क्षेत्र	23541	25943	2402	10.20%
ग्रामीण क्षेत्र	**832600**	**1062142**	**229542**	**27.57%**
नगरीय क्षेत्र	**403014**	**586760**	**183746**	**45.59%**
योग जनपद	**1235614**	**1648902**	**413288**	**33.45%**

जनसंख्या में दशकीय बदलाव :– विगत दशकीय जनगणनाओं में आबाद ग्रामों की संख्या तथा ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में विचलन का होना प्रवासियों के अस्थायी पलायन को दर्शाता है साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धिदर का नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धिदर से बहुत कम होना, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में हो रहे पलायन को प्रकट करता है अर्थात ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहे पलायन पर अंकुश लगाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संविधाओं (सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा) के साथ–साथ रोजगार–स्वरोजगार के साधन उपलब्ध कराने होगें।

वर्ष 1901 से वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार प्रतिदशक आबाद ग्रामों की संख्या, जनसंख्या तथा प्रतिदशक प्रतिशत अन्तर का ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रवार विवरण							
जनगणना वर्ष	आबाद ग्रामों की संख्या	जनसंख्या			प्रतिदशक प्रतिशत अन्तर		
		कुल	ग्रामीण	नगरीय	कुल	ग्रामीण	नगरीय
1901	1513	320511	281445	39066	0	0	0
1911	1831	320019	278836	41183	-0.15%	-0.93%	5.42%
1921	1336	273881	229105	44776	-14.42%	-17.84%	8.72%
1931	1442	274294	226830	47464	0.15%	-0.99%	6.00%
1941	1136	288710	221909	66801	5.26%	-2.17%	40.74%
1951	589	139551	115198	24353	-51.66%	-48.09%	-63.54%
1961	684	314884	271249	43635	125.64%	135.46%	79.18%
1971	692	515419	420105	95314	63.69%	54.88%	118.43%
1981	724	721770	255010	466760	40.04%	-39.30%	389.71%
1991	671	914569	622276	292293	26.71%	144.02%	-37.38%
2001	674	1235614	832600	403014	35.10%	33.80%	37.88%
2011	673	1648902	945378	703524	33.45%	13.55%	74.57%

जनसंख्या का ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में आयुवर्गवार विवरण :– जनपद में आयुवर्ग वार जनसंख्या के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में सबसे अधिक जनसंख्या 0 से 19 तथा 20 से 34 वर्ष आयुवर्ग की है अर्थात 0 से 19 वर्ष आयुवर्ग को आधारभूत सुविधाएं तथा 20 से 34 वर्ष आयुवर्ग को आधारभूत सुविधाओं के साथ–साथ रोजगार–स्वरोजगार उपलब्धता की कार्ययोजना तैयार करना जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन पर अंकुश लगाना होगा अर्थात पलायन के मूल आयुवर्ग को पलायन की परिधि में आने से रोकना होगा क्योंकि जनपद की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण आंचलों में लगभग 64% आज भी निवासरत है–

जनपद में आयु वर्गानुसार जनसंख्या (जनगणना – 2011)						
आयु वर्ग	ग्रामीण			नगरीय		
	पुरूष	स्त्रियां	कुल	पुरूष	स्त्रियां	कुल
सभी आयु	550470	511672	1062142	308313	278447	586760
0–09	116103	104312	220415	61894	55065	116959
10–14	70122	63150	133272	36464	31913	68377
15–19	68411	61153	129564	38275	33191	71466
0–19 की जनसंख्या का योगदान	**46%**	**45%**	**45%**	**44%**	**43%**	**44%**
20–24	54222	50205	104427	33344	30263	63607
25–29	41838	41176	83014	26350	25163	51513

30–34	36241	36724	72965	21720	20925	42645
20–34 की जनसंख्या का योगदान	**24%**	**25%**	**25%**	**26%**	**27%**	**27%**
35–39	36030	34597	70627	20966	19826	40792
40–44	29802	27584	57386	17658	15594	33252
45–49	24635	21875	46510	15144	13049	28193
50–54	18149	16078	34227	11178	9245	20423
55–59	13139	15129	28268	8035	7413	15448
35–59 की जनसंख्या का योगदान	**22%**	**23%**	**22%**	**24%**	**23%**	**24%**
60–64	16275	15027	31302	7160	6661	13821
65–69	9859	9494	19353	4197	4035	8232
70–74	7228	6251	13479	2795	2715	5510
75–79	2976	3169	6145	1178	1229	2407
>=80	4647	5025	9672	1777	2029	3806
60–80 की जनसंख्या का योगदान	**7%**	**8%**	**8%**	**6%**	**6%**	**6%**
आयु नहीं बताई गयी	793	623	1416	178	101	279

ग्रामों की संख्या में बदलाव :– जनपद में जहाँ एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों के आबाद ग्राम की संख्या में वर्ष 2012–13 से वर्ष 2020–21 के मध्य 35 की कमी का होना, वहीं दूसरी ओर नगरीय क्षेत्रों के नगर पालिका एवं नगर पंचायत के क्षेत्रफल एवं जनसंख्या में वृद्धि का होना ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में पलायन को दर्शाता है।

जनपद में जनसंख्या 2011 एवं 2020–21 के अनुसार ग्रामों का विकासखण्डवार विवरण						
विकासखण्ड	जनगणना 2011 के अनुसार ग्रामों की संख्या			31–03–2021 की स्थिति के अुनसार ग्रामों की संख्या		
	आबाद	गैर आबाद	कुल	आबाद	गैर आबाद	कुल
जसपुर	96	4	100	88	4	92
काशीपुर	73	0	73	62	0	62
बाजपुर	120	2	122	120	2	122
गदरपुर	69	0	69	69	0	69
रूद्रपुर	86	2	88	74	2	76
सितारगंज	123	2	125	122	2	124
खटीमा	88	2	90	85	2	87
समस्त	**655**	**12**	**667**	**620**	**12**	**632**

विकासखण्ड						
वन क्षेत्र	18	3	21	18	3	21
योग जनपद	**673**	**15**	**688**	**638**	**15**	**653**

ग्रामों के वर्गीकरण में बदलाव :– जनपद ऊधमसिंह नगर में जनसंख्या के अनुसार ग्रामों के वर्गीकृत करने से ज्ञात होता है कि 999 से कम जनसंख्या वाले ग्रामों की संख्या में गिरावट तथा 1000 से अधिक की जनसंख्या वाले ग्रामों की संख्या में वृद्धि हुई है, से निम्नवत स्पष्टता दिखाई देती है :–

1. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों, राज्य के अन्य जनपदों व राज्य से बाहर के प्रवासियों द्वारा ऊधमसिंह नगर के शहरी क्षेत्रों के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बसावट की जा रही है।
2. छोटे–बडे ग्रामों का नगरीय क्षेत्रों में सम्मिलित होना।
3. उपरोक्त सभी बिन्दुओं का प्रभाव जनपद के सभी विकासखण्डों में देखा जा सकता है।

जनपद में कुल जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम								
वर्ष/ विकासखण्ड	200 से कम	200–499 9	500–99 9	1000–149 9	1500–199 9	2000–499 9	5000 या अधिक	योग
2017–18	101	157	191	107	45	64	6	671
2018–19	83	122	180	104	68	105	12	674
2019–20	68	91	125	111	75	141	27	638
वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव	**-33**	**-66**	**-66**	**4**	**30**	**77**	**21**	**-33**
विकासखण्डवार 2019–20								
जसपुर	10	22	18	14	8	14	2	88
काशीपुर	4	8	12	12	8	10	8	62
बाजपुर	25	22	19	28	10	11	5	120
गदरपुर	1	8	13	10	10	24	3	69
रूद्रपुर	7	3	14	12	14	20	4	74
सितारगंज	12	17	34	20	14	24	1	122
खटीमा	5	5	14	14	9	35	3	85
योग विकासखण्ड	**64**	**85**	**124**	**110**	**73**	**138**	**26**	**620**
वन	4	6	1	1	2	3	1	18
योग जनपद	**68**	**91**	**125**	**111**	**75**	**141**	**27**	**638**

भूमि उपयोगिता :– जनपदान्तर्गत भूमि उपयोग हेतु वर्ष 2011–12 से वर्ष 2019–20 के मध्य आंकड़ों में आये बदलाव में जहाँ एक ओर जनपद की कुल प्रतिवेदित क्षेत्र, वन भूमि, अन्य परती भूमि, ऊसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि के आंकड़ों में क्रमशः 6966, 6961, 100 व 71 हेक्टेयर से गिरावट के आंकड़ें प्राप्त हुए, वहीं दूसरी ओर कृषि योग्य बंजर भूमि, वर्तमान परती भूमि व कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि में क्रमशः 518, 3189 व 3551 हेक्टेयर की वृद्धि होने के आंकड़ें प्राप्त हुए, साथ ही चारागाह, उद्यानों, बागों, वृक्षों, एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल, शुद्ध बोया गया क्षेत्र, एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल, सकल बोया गया क्षेत्रफल में भी विचलन के आंकड़ें प्राप्त हुए, जो निम्नवत तथ्यों की स्पष्टता करते हैं :–

1. जनपद में बढ़ते जनसांख्यिकीय दबाव के चलते भूमि उपयोगिता में बदलाव के आंकड़ें प्रलक्षित हो रहे हैं ।
2. रोजगार–स्वरोजगार के संसाधनों की खोज में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों, राज्य के अन्य जनपदों व राज्य से बाहर के प्रवासी जनपद ऊधमसिंह नगर की ओर पलायन कर रहे हैं, जिस कारण जनपद में जनसांख्यिकीय दबाव बढ़ रहा है कारणवंश भूमि उपयोग की श्रेणियों में बदलाव होना स्वाभाविक है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीवद्ध किया गया है।

वर्ष 2011–12 से वर्ष 2019–20 के मध्य जनपदान्तर्गत भूमि उपयोग में बदलाव का विकासखण्डवार विवरण (इकाई हेक्टेयर में)							
वर्ष / विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित क्षेत्र	वन	कृषि योग्य बंजर भूमि	वर्तमान परती	अन्य परती	उसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि
जसपुर	-254	0	73	352	-15	-26	551
काशीपुर	148	0	100	381	46	-30	434
बाजपुर	504	0	97	738	-27	43	441
गदरपुर	-198	0	47	477	-14	-29	399
रूद्रपुर	-453	0	60	385	-65	-39	443
सितारगंज	-771	0	64	504	-9	3	480
खटीमा	561	0	77	352	-16	7	345
समस्त विकासखण्ड	-463	0	518	3189	-100	-71	3093
वन	-15713	-6961	0	0	0	0	-8752
नगरीय	9210	0	0	0	0	0	9210
योग जनपद	-6966	-6961	518	3189	-100	-71	3551

वर्ष 2011–12 से वर्ष 2019–20 के मध्य जनपदान्तर्गत भूमि उपयोग में बदलाव का विकासखण्डवार विवरण (इकाई हेक्टेयर में)								
वर्ष / विकासखण्ड	चारागाह	उद्यानों, बागों, वृक्षों, एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	सकल बोया गया क्षेत्रफल			
					कुल	रबी	खरीफ	जायद
जसपुर	-9	-7	-1173	1060	-113	169	-849	567
काशीपुर	-5	49	-827	764	-65	117	-1108	926
बाजपुर	-7	-49	-732	1100	365	180	-1284	1469
गदरपुर	-12	-17	-1049	881	-168	-727	-47	606
रूद्रपुर	-16	-25	-1196	423	-773	65	-1106	268
सितारगंज	-10	-19	-1784	2604	820	1248	-1021	593
खटीमा	-7	-22	-175	323	148	1498	-525	-825
समस्त विकासखण्ड	-66	-90	-6936	7155	214	2550	-5940	3604
वन	0	0	0	0	0	0	0	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	-66	-90	-6936	7155	214	2550	-5940	3604

भूमि उपयोग में बदलाव से कृषि क्षेत्र पर असर :–

1. उत्पादन क्षेत्रफल :– जनपदान्तर्गत भूमि बदलाव के कारण कृषि क्षेत्र में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य आये बदलाव की स्पष्टता हेतु आयोग द्वारा सांख्यिकी विभाग के तात्कालीन आंकड़ों का अध्ययन किया गया। अध्ययन में यह तथ्य स्पष्ट हुआ कि जनपद में उल्लेखित इन वर्षों के मध्य चावल, गेहूँ, उर्द, मटर, सरसों, तिलहन, गन्ना व आलू के उत्पादन क्षेत्रफल में कमी देखने को मिली। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं।

जनपद में विकासखण्डवार मुख्य फसल चावल के अर्न्तगत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	चावल खरीफ		चावल जायद		कुल चावल	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2017–18	107511	107470	13794	13794	121305	121264
2018–19	108766	108701	15504	15504	124270	124205
2019–20	108937	108937	17175	17175	126112	126112
वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव	**-1426**	**-1467**	**-3381**	**-3381**	**-4807**	**-4848**

विकासखण्डवार 2019—20						
जसपुर	11547	11547	997	997	12544	12544
काशीपुर	19279	19279	927	927	20206	20206
बाजपुर	11306	11306	1599	1599	12905	12905
गदरपुर	15592	15592	5402	5402	20994	20994
रूद्रपुर	16285	16285	1505	1505	17790	17790
सितारगंज	18156	18156	5498	5498	23654	23654
खटीमा	16772	16772	1247	1247	18019	18019
समस्त विकासखण्ड	**108937**	**108937**	**17175**	**17175**	**126112**	**126112**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**108937**	**108937**	**17175**	**17175**	**126112**	**126112**

जनपद में विकासखण्डवार मुख्य फसल गेहूँ व मक्का के अन्तर्गत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)								
वर्ष / विकासखण्ड	गेहूँ		मक्का खरीफ		मक्का जायद		कुल मक्का	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2017—18	105110	105110	30	5	47	47	77	52
2018—19	103273	103273	151	139	97	97	248	236
2019—20	104706	104706	68	60	344	344	412	404
वर्ष 2017—18 से वर्ष 2019—20 के मध्य बदलाव	**-404**	**-404**	**38**	**55**	**297**	**297**	**335**	**352**
विकासखण्डवार 2019—20								
जसपुर	12113	12113	9	8	35	35	44	43
काशीपुर	12010	12010	9	8	43	43	52	51
बाजपुर	11078	11078	9	8	35	35	44	43
गदरपुर	17353	17353	8	7	43	43	51	50
रूद्रपुर	14289	14289	12	10	67	67	79	77
सितारगंज	19879	19879	12	11	67	67	79	78
खटीमा	17984	17984	9	8	54	54	63	62

समस्त विकासखण्ड	**104706**	**104706**	**68**	**60**	**344**	**344**	**412**	**404**
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**104706**	**104706**	**68**	**60**	**344**	**344**	**412**	**404**

जनपद में विकासखण्डवार मुख्य फसल धान्य व उर्द के अर्न्तगत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)								
वर्ष / विकासखण्ड	कुल धान्य		उर्द खरीफ		उर्द जायद		कुल उर्द	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2017–18	226499	226433	336	80	7	4	343	84
2018–19	227794	227716	204	69	0	0	204	69
2019–20	231236	231228	243	127	9	9	252	134
वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव	**4737**	**4795**	**-93**	**47**	**2**	**5**	**-91**	**50**
विकासखण्डवार 2019–20								
जसपुर	24701	24700	45	20	2	1	47	21
काशीपुर	32268	32267	34	18	1	1	35	19
बाजपुर	24029	24026	38	19	1	1	39	20
गदरपुर	38398	38397	39	18	1	1	40	19
रूद्रपुर	32158	32156	25	18	0	0	25	19
सितारगंज	43614	43614	23	20	2	2	25	21
खटीमा	36068	36068	39	14	2	1	41	15
समस्त विकासखण्ड	**231236**	**231228**	**243**	**127**	**9**	**7**	**252**	**134**
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**231236**	**231228**	**243**	**127**	**9**	**7**	**252**	**134**

जनपद में विकासखण्डवार मुख्य फसल मसूर, चना व मटर के अर्न्तगत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	मसूर		चना		मटर	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2017–18	199	37	11	7	2788	2475
2018–19	210	101	1	1	4211	4057
2019–20	131	39	12	12	4144	4086

वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव	**-68**	**2**	**1**	**5**	**1356**	**1611**
विकासखण्डवार 2019–20						
जसपुर	39	7	2	2	520	505
काशीपुर	21	7	2	2	467	463
बाजपुर	11	5	2	2	711	684
गदरपुर	12	4	2	2	577	576
रूद्रपुर	8	5	0	0	610	608
सितारगंज	17	7	2	2	698	690
खटीमा	23	4	2	2	561	560
समस्त विकासखण्ड	**131**	**39**	**12**	**12**	**4144**	**4086**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**131**	**39**	**12**	**12**	**4144**	**4086**

जनपद में विकासखण्डवार मुख्य फसल दाल, खाद्यान व सरसों के अर्न्तगत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	कुल दालें		कुल खाद्यान		लाही / सरसों	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2017–18	3351	2611	229850	229044	3958	3457
2018–19	4628	4228	232423	231944	4003	3576
2019–20	4546	4277	235782	235505	3192	2897
वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव	**1195**	**1666**	**5932**	**6461**	**-766**	**-560**
विकासखण्डवार 2019–20						
जसपुर	609	536	25310	25236	289	239
काशीपुर	526	492	32794	32759	216	196
बाजपुर	764	712	24793	24738	561	507
गदरपुर	632	602	39030	38999	359	349
रूद्रपुर	643	632	32801	32787	602	561
सितारगंज	744	721	44358	44336	565	545

खटीमा	628	582	36696	36650	600	500
समस्त विकासखण्ड	**4546**	**4277**	**235782**	**235505**	**3192**	**2897**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**4546**	**4277**	**235782**	**235505**	**3192**	**2897**

जनपद में विकासखण्डवार मुख्य फसल दाल, खाद्यान व सरसों के अर्न्तगत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	कुल तिलहन		गन्ना		आलू	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2017–18	4317	3524	14664	14576	698	534
2018–19	4213	3675	15887	15811	441	439
2019–20	3414	3023	14147	14147	370	369
वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव	**-1203**	**-501**	**-517**	**-429**	**-328**	**-165**
विकासखण्डवार 2019–20						
जसपुर	329	256	1074	1074	60	60
काशीपुर	242	213	1494	1494	60	60
बाजपुर	599	527	645	645	54	54
गदरपुर	383	265	3778	3778	54	54
रूद्रपुर	633	579	1850	1850	53	53
सितारगंज	606	567	647	647	41	41
खटीमा	622	516	4659	4659	48	47
समस्त विकासखण्ड	**3414**	**2923**	**14147**	**14147**	**370**	**369**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**3414**	**2923**	**14147**	**14147**	**370**	**369**

2. औसत उपज :– जनपदान्तर्गत भूमि बदलाव के कारण कृषि क्षेत्र में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य आये बदलाव की स्पष्टता हेतु आयोग द्वारा सांख्यिकी विभाग के तात्कालीन आंकड़ों का अध्ययन किया गया। अध्ययन में यह तथ्य मिला कि जनपद में उल्लिखित वर्षों के मध्य चावल, गेहूँ, मक्का, मूंग, मटर, चना, अरहर, तिल, हल्दी व अदरक की औसत उपज में कमी देखने को मिली, जो भूमि बदलाव के साथ स्वाभाविक है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

जनपद में मुख्य फसलों की औसत उपज (कुन्तल प्रति हेक्टेयर)					
क्र0सं0	फसल का नाम	2017–18	2018–19	2019–20	बदलाव
1	धान्य				
1.1.1	चावल खरीफ	35.40	32.15	34.60	**-0.80**
1.1.2	चावल जायद	32.14	32.89	35.64	3.50
कुल चावल		**35.03**	**32.24**	**34.80**	**-0.23**
1.2	गेंहूँ	43.23	41.56	38.98	**-4.25**
1.3	जौ	15.71	13.33	20.00	4.29
1.6.1	मक्का खरीफ	13.25	13.25	13.380	0.13
1.6.2	मक्का जायद	13.34	13.34	13.34	0.00
कुल मक्का		**13.38**	**13.260**	**13.350**	**-0.03**
कुल धान्य		**38.83**	**36.45**	**36.65**	**-2.18**
2	दालें				बदलाव
2.1	उर्द खरीफ	7.95	11.11	11.60	3.65
2.1.1	उर्द जायद	7.14	0.00	10.00	2.86
	कुल उर्द	**7.93**	**11.13**	**11.55**	3.62
2.2	मूंग खरीफ	6.00	0	0	**-6.00**
2.2.1	मूंग जायद	6.67	0	5.71	**-0.96**
	कुल मूंग	**6.25**	**0.00**	**5.71**	**-0.54**
2.3	मसूर	8.70	12.30	12.75	4.05
2.4	चना	9.09	8.86	8.00	**-1.09**
2.5	मटर	10.94	11.12	9.95	**-0.99**
2.6	अरहर	10.00	5.56	0	**-10.00**
कुल दालें		**10.48**	**11.17**	**10.11**	**-0.37**
कुल खाद्यान (कुल धान्य़कुल दालें)		**38.41**	**35.94**	**36.14**	**-2.27**
3	तिलहन				बदलाव
3.1	लाही/सरसों	10.86	11.43	13.91	3.05
3.2	तिल	14.00	0.00	10.00	**-4.00**
3.3	मूंगफली	0.00	10.38	11.05	11.05
3.4	सूरजमुखी	13.95	6.10	0.00	**-13.95**

3.5	सोयाबीन	11.11	13.25	11.34	0.23
कुल तिलहन		**11.12**	**11.51**	**13.74**	2.62
4.1	गन्ना	690.00	735.00	757.00	67.00
4.2	आलू	43.40	145.01	72.89	29.49
4.3	हल्दी	25.00	0.00	0.00	**-25.00**
4.4	प्याज	0.00	138.21	140.00	140.00
4.5	अदरक	16.67	0.00	0.00	**-16.67**
4.6	लहसून	0.00	24.80	20.00	20.00

3. उत्पादन :– जनपदान्तर्गत भूमि बदलाव के कारण कृषि क्षेत्र में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य आये बदलाव की स्पष्टता हेतु आयोग द्वारा सांख्यिकी विभाग के तत्कालीन आंकड़ों का अध्ययन किया गया। अध्ययन में यह तथ्य मिला कि जनपद में उल्लिखित इन वर्षों के मध्य चावल, गेहूँ, मूंग, अरहर, आलू, लहसून, हल्दी व अदरक आदि फस्लों के उत्पादन में कमी देखने को मिली, जो भूमि बदलाव के साथ स्वाभाविक है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

जनपद में मुख्य फसलों का उत्पादन (मी0टन)					
क्र0सं0	फसल का नाम	2017–18	2018–19	2019–20	बदलाव
1	धान्य				
1.1.1	चावल खरीफ	380629	349695	377202	**-3427**
1.1.2	चावल जायद	44334	50985	41220	**-3114**
कुल चावल		**424963**	**400680**	**418422**	**-6541**
1.2	गेंहूँ	454353	429214	404122	**-50231**
1.3	जौ	11	4	12	1
1.6.1	मक्का खरीफ	40	200	91	51
1.6.2	मक्का जायद	63	129	459	396
कुल मक्का		**103**	**329**	**550**	447
कुल धान्य		**879430**	**830227**	**823106**	**-56324**
2	दालें				बदलाव
2.1	उर्द खरीफ	267	227	282	15
2.1.1	उर्द जायद	5	0	9	4
	कुल उर्द	**272**	**227**	**291**	19
2.2	मूंग खरीफ	3	0	0	**-3**

2.2.1	मूंग जायद	2	0	4	2
	कुल मूंग	**5**	**0**	**4**	**-1**
2.3	मसूर	173	258	167	**-6**
2.4	चना	10	1	10	0
2.5	मटर	3050	4683	4123	1073
2.6	अरहर	2	1	0	**-2**
कुल दालें		**3512**	**5170**	**4595**	1083
कुल खाद्यान (कुल धान्य़कुल दालें)		**882942**	**835397**	**827701**	**-55241**
3	तिलहन				बदलाव
3.1	लाही/सरसों	4298	4575	4440	142
3.2	तिल	0	0	1	1
3.3	मूंगफली	28	5	21	**-7**
3.4	सूरजमुखी	0	1	0	0
3.5	सोयाबीन	473	270	229	**-244**
कुल तिलहन		**4799**	**4851**	**4691**	**-108**
अन्य फसलें					बदलाव
4.1	गन्ना	1011816	1167695	1070928	59112
4.2	आलू	3029	6395	2697	**-332**
4.3	हल्दी	5	0	0	**-5**
4.4	प्याज	14	14	28	14
4.5	अदरक	33	0	0	**-33**
4.6	लहसून	5	2	2	**-3**

प्रक्रिया और पद्धति

यह रिपोर्ट जनपद ऊधमसिंह नगर की सामाजिक–आर्थिक मानकों का, विशेषतः उन कारणों के संदर्भ में जो पलायन पर असर डालती है का विस्तार से अध्ययन करती है। माध्यमिक जानकारी का आधार जनपद के रेखीय विभागों के जनपदस्तरीय अधिकारियों की प्रकाशित और अप्रकाशित सूचनाएं हैं। प्राथमिक जानकारी, आयोग की टीम, खण्ड विकास अधिकारियों और ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र भ्रमण से संकलित की गई सूचनाओं पर आधारित है विकास खण्डवार आंकडे एकत्रित कर विश्लेषण किया गया है।

इस रिपोर्ट में जनपद की ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की लिये सिफारिशें प्रस्तुत की गयी हैं। जिससे पलायन को कम किया जा सकें। इससे स्थानीय सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिल सकता है।

अध्याय- II

जनपद के सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों का विश्लेषण

जनसांख्यिकीय क्षेत्र :– जनपद ऊधमसिंह नगर के कुल 2542 वर्ग किमी के क्षेत्रफल में जनगणना वर्ष 2011 में 1648902 की जनसंख्या निवासरत रही, निवासरत कुल जनसंख्या में पुरूष का 52% एवं महिला का 48% योगदान रहता है। जनपद जनसंख्या का अधिकांश भाग लगभग 64% जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत है। अर्थात जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिकी को सुदृढ़ किये जाने पर बल दिया जाना चाहिए।

जनपद एक दृष्टि			
मद	इकाई	वर्ष 2011	
भौगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग कि0मी0	2542	
जनसंख्या			योगदान प्रतिशत
पुरूष	संख्या	858.78	52%
स्त्री	संख्या	790.12	48%
योग	संख्या	1648.90	100%
ग्रामीण	संख्या	1062.14	64%
नगरीय	संख्या	586.76	36%
अनुसूचित जाति	संख्या	238.26	14%
अनुसूचित जनजाति	संख्या	123.04	7%

ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र :– जनपद में जहाँ एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों के आबाद ग्राम की संख्या में वर्ष 2012–13 वर्ष 2020–21 के मध्य 35 की कमी का होना, वहीं दूसरी ओर नगरीय क्षेत्रों के नगर पालिका एवं नगर पंचायत की संख्या में वृद्धि का होना, ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में पलायन को दर्शाता है।

ग्रामों की संख्या		वर्ष 2012–13	वर्ष 2020–21	बदलाव
आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	655	620	-35
गैर आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	**12**	**12**	**0**
आबाद वन ग्राम	संख्या	18	18	0
गैर आबाद वन ग्राम	संख्या	0	3	3
कुल ग्राम	संख्या	685	653	-32
नगर एंव नगर समूह	संख्या	19	17	-2
नगर निगम	संख्या	2	2	0
नगर पालिका परिषद	संख्या	6	7	1
छावनी परिषद	संख्या	0	0	0
नगर पंचायत	संख्या	6	7	1

कृषि क्षेत्र :– कृषि क्षेत्र हेतु वर्ष 2011–12 से वर्ष 2019–20 के मध्य शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल और शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल के आंकड़ों में कमी का होना चिंता का प्रश्न है क्योंकि इसका असर कहीं न कहीं उत्पादन पर पडेगा, इसकी पुष्टि गन्ना, तिलहन, आलू हेतु उत्पादन के आंकड़ों में गिरावट से हो जाती है। उक्त प्रभाव जनपदान्तर्गत वर्षा और

तापमान के आंकड़ों में बदलाव के साथ–साथ सिंचाई के संसाधनों की उपलब्धता के अभाव से हो रहा है। अर्थात जनपद में जलवायु परिवर्तन के अनुसार तकनीकी कृषि और तकनीकी सिंचाई के संसाधनों की आपूर्ति का किया जाना उचित कदम होगा।

कृषि		2011–12	2019–20	बदलाव
शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	हैक्टेयर	141.35	134.46	-6.89
एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	हैक्टेयर	123.5	130.65	7.15
शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	140.18	133.85	-6.33
सकल सिंचित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	257.56	263.11	5.55
कृषि उत्पादन				
खाद्यान्न	हे0 मी0 टन	750.60	852.11	101.51
गन्ना	हे0 मी0 टन	1638.90	1070.93	-567.97
तिलहन	हे0 मी0 टन	5.99	4.69	-1.3
आलू	हे0 मी0 टन	4.93	2.69	-2.24
जलवायु				
वर्षा		2011	2020	बदलाव
सामान्य	मि0मी0	1375.6	1465.30	89.70
वास्तविक	मि0मी0	1968.9	1311.1	-657.80
तापमान				
उच्चतम	सेंटीग्रेड	39.6	41.0	1.4
न्यूनतम	सेंटीग्रेड	0.3	0.10	-0.20
सिंचाई		2012–13	2020–21	बदलाव
नहरों की लम्बाई	किमी	1010.93	1020	9.07
राजकीय नलकूप	संख्या	272	420	148
व्यक्तिगत नलकूल तथा पम्पसेट	संख्या	26014	7480	-18534

पशुधन क्षेत्र :– जनपदान्तर्गत पशुधन हेतु वर्ष 2007 और वर्ष 2012 की पशुगणना के आंकड़ों में लगभग 13% की गिरावट है। जनपद में उन्नत किस्म के पशुओं की उपलब्धता, पशुपालन के वैज्ञानिक तरीकों के साथ–साथ पशु चिकित्सा एवं सुविधा केन्द्रों की उपलब्धता का प्राविधान किया जाना पशुधन के क्षेत्र को बढ़ावा देना होगा।

पशुपालन	इकाई	वर्ष 2007	वर्ष 2012	बदलाव
कुल पशुधन	संख्या	438059	382228	-55831
पशु चिकित्सा	संख्या	2012–13	2020–21	बदलाव
पशु चिकित्सालय	संख्या	23	23	0
पशुधन सेवा केन्द्र	संख्या	74	73	-1
कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	संख्या	96	95	-1
कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	संख्या	0	0	0

सहकारिता एवं उद्योग क्षेत्र :– ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों की आय का मुख्य साधन कृषि के साथ–साथ स्वरोजगार एवं मजदूरी (रोजगार) है। उक्त सुविधायें आसानी से ग्रामीणों को प्राप्त हो उसके लिए जनपद के ग्राम्य विकास, कृषि, पशुपालन, पर्यटन, उद्यान, मत्स्य, जैसे विभागों के साथ–साथ सहकारिता एवं उद्योग विभाग की भी अहम भूमिका रहती है। अर्थात जनपद में रोजगार–स्वरोजगार के सुअवसर प्रदान करने हेतु सभी रोजगार परक विभागों को एक साथ सम्मिलित होते हुए कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत दर्शाया गया है–

सहकारिता		2012–13	2020–21	बदलाव
प्रारम्भिक कृषि ऋण समितियां	संख्या	34	35	1
समितियों के सदस्य	संख्या	95	121	26
उद्योग		2012–13	2020–21	बदलाव
औद्योगिक अधिनियम 1948 के अन्तर्गत पंजीकृत कार्यरत कारखाने	संख्या	1196	1214	18
खादी उद्योग एवं लघु औद्योगिक इकाईयां		2012–13	2020–21	बदलाव
संख्या	संख्या	525	1076	551
कार्यरत व्यक्ति	संख्या	5150	6672	1522

जिला विकास संकेतांक :– जनपद में विकास संकेतांक के आंकड़ों से निम्नवत स्पष्टता होती है :–

1. जनपद की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है।
2. राज्यान्तर्गत जनपद में जनसंख्या घनत्व अन्य जनपदों की अपेक्षा सबसे अधिक दूसरे स्थान पर है।
3. राज्यान्तर्गत जनपद में जनसंख्या दशकीय जनसंख्या वृद्धिदर अन्य जनपदों की अपेक्षा सबसे अधिक लगभग 33% जनपद हरिद्वार के समानान्तर है।
4. जनपद में वर्ष 2011 हेतु साक्षरता प्रतिशत लगभग 73% है।
5. जनपद में प्रति परिवार आकार औसतन 05 व्यक्तियों का है।
6. जनपदान्तर्गत छोटी जोतों की संख्या में वद्धि हुई है।
7. जनपदान्तर्गत मुख्य कर्मकरों में कृषि एवं कृषि श्रमिकों का योगदान अधिक है।
8. ऊधमसिंह नगर में जहाँ एक ओर फसल सघनता में बढ़ोत्तरी हुई वहीं दूसरी ओर प्रति व्यक्ति अनाज उत्पादन में गिरावट हुई।
9. जनपद में जनगणना वर्ष 2011 हेतु कुल मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या में लगभग 23% की भागीदारी रही जिसमें सबसे अधिक लगभग 3% भागीदारी कृषि में लगे कर्मकरों तथा सबसे कम लगभग 3% पारिवारिक उद्योग में लगे कर्मकरों का रहा।

महत्वपूर्ण मदों के जिला विकास संकेतांक	
मद	वर्ष 2011
कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	36
जनसंख्या का घनत्व (प्रतिवर्ग कि0मी0)	649
वर्ष 1981–91 दशक तथा वर्ष 2001–11 दशक में जनसंख्या वृद्धि प्रतिशत	2001–2011
	33.45
कुल जनसंख्या में अनु0जाति / जनजाति का प्रतिशत	वर्ष 2011
	21.91
राज्य कुल अनु0जाति की जनसंख्या में जनपद में अनु0जाति के व्यक्तियों का प्रतिशत	12.59

लिंगानुपात (प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या)	920
जनपदान्तर्गत वर्ष 2011 में साक्षरता प्रतिशत	
कुल	73.10
पुरूष	81.09
स्त्री	64.45
जनपदान्तर्गत वर्ष 2011 में परिवार का औसत आकार	
ग्रामीण	5
नगरीय	5
योग	5
कुल जनसंख्या में विकलांग व्यक्तियों का प्रतिशत	1.69
कुल मुख्य कर्मकरों का जनसंख्या से प्रतिशत	
ग्रामीण	27.67
नगरीय	26.88
योग	27.34
कृषि कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत (कृषक तथा कृषि श्रमिक)	12.27
कृषि श्रमिक करों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	06.53
कुल मुख्य कर्मकरों का प्रतिशत	
कृषक	21.00
कृषि श्रमिक	23.67
पारिवारिक उद्योग	03.66
अन्य	51.48

जोत	वर्ष 2005–2006	वर्ष 2015–16	बदलाव
समस्त जोतों में लघु एवं सीमान्त जोतों का प्रतिशत	78.73	79.22	0.49
समस्त जोतों के अर्न्तगत क्षेत्रफल में लघु एवं सीमान्त जोतों के अर्न्तगत क्षेत्रफल का प्रतिशत	33.29	37.22	3.93
सीमान्त जोतों का औसत आकार (हेक्टेयर)	0.36	0.4	0.04
समस्त जोतों का औसत आकार (हेक्टेयर)	1.4	1.39	-0.01
पशुधन	वर्ष 2007	वर्ष 2012	बदलाव
प्रति 100 हे0 प्रतिवेदित क्षेत्रफल पर पशुधन संख्या	156	136.00	-20.00
प्रति 1000 जनसंख्या पर पशुधन संख्या	300	179	-121.00
प्रति 100 जनसंख्या पर दूध देने वाले पशुओं की सूंख्या	10.66	7	-3.66
प्रति 1000 जनसंख्या पर कुक्कुट संख्या	885	1433.00	548.00

मद	वर्षवार विवरण		
	2017-18	2018-19	2019-20
कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल में वनों के अर्न्तगत क्षेत्रफल का प्रतिशत	33.30	33.48	33.54
कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल में शुद्ध बोये गये के अर्न्तगत क्षेत्रफल का प्रतिशत	48.87	49.15	48.04

फसल सघनता	189	192.00	197.00
सकल बोये गये क्षेत्रफल में वाणिज्यिक फसलों के अर्न्तगत क्षेत्रफल का प्रतिशत	7.55	7.770	6.78
खाद्यान्न फसलों की औसत उपज (कुन्तल)	38.41	36.45	36.1
प्र0हे0 उर्वरक उपभाग (कि0ग्रा0)	395.09	370.71	385.62
प्रति व्यक्ति उत्पादन (कि0ग्रा0)			
अनाज	435.80	399.72	396.43
दालें	1.74	2.49	2.19
कृषि उपज का सकल मूल्य (रूपये में)			
शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का प्रतिशत	99.4	99.49	99.58
सकल बोये गये क्षेत्रफल में सकल सिंचित क्षेत्रफल का प्रतिशत	98.37	98.7	99.26

कुछ प्रमुख मदों के विकासखण्डवार संकेतक

क्र0सं0	विकासखण्ड	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी0 2011	अनु0जाति/जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011	कुल मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011	कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2011	पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2011	साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011
1	जसपुर	559	22.93	27.79	68.06	5.79	72.57
2	काशीपुर	679	31.39	26.37	56.15	4.79	71.43
3	बाजपुर	591	26.19	26.53	77.85	1.85	64.53
4	गदरपुर	683	19.01	29.13	73.42	2.11	69.96
5	रूद्रपुर	660	18.48	28.12	49.42	0.03	68.86
6	सितारगंज	636	31.36	28.61	76.33	2.99	71.18
7	खटीमा	611	45.08	27.40	67.83	4.50	76.95
समस्त विकासखण्ड		628	28.39	22.79	67.96	3.43	70.89

जनपदान्तर्गत सकल बोये गये क्षेत्रफल में शुद्ध बोये क्षेत्रफल का वर्ष 2017–18 से वर्ष 2018–19 के मध्य लगभग 5% की वृद्धि हुई जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड सितारगंज द्वारा लगभग 7% के माध्यम से दिया गया जबकि सकल बोये गये क्षेत्रफल में खाद्यान्न फसलों द्वारा आच्छादित क्षेत्रफल द्वारा वर्ष 2017–18 से वर्ष 2018–19 के मध्य लगभग 1% की वृद्धि हुई, जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड गदरपुर द्वारा लगभग 2% के माध्यम से दिया गया आंकड़ों का विवरण निम्नवत सारणी में उपलब्ध हैं–

क्र.सं.	विकासखण्ड	सकल बोये गये क्षेत्रफल का शुद्ध बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत			खाद्यान्न फसलों के अर्न्तगत क्षेत्रफल का सकल बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2017–18	2018–19	वर्ष 2017–18 तथा वर्ष 2018–19 के मध्य बदलाव	2017–18	2018–19	वर्ष 2017–18 तथा वर्ष 2018–19 के मध्य बदलाव
1	जसपुर	219.63	226.44	6.81	86.72	87.14	0.42
2	काशीपुर	182.30	187.00	4.70	93.17	93.91	0.74
3	बाजपुर	170.74	174.78	4.04	74.70	75.78	1.08
4	गदरपुर	164.20	167.87	3.67	87.21	89.25	2.04
5	रूद्रपुर	175.11	179.39	4.28	91.21	92.23	1.02
6	सितारगंज	229.18	236.56	7.38	96.33	97.52	1.19
7	खटीमा	221.35	228.29	6.94	83.67	84.09	0.42
समस्त विकासखण्ड		191.94	197.20	5.26	87.91	88.95	1.04

ऊधमसिंह नगर जनपदान्तर्गत प्रति हे0 सकल बोये गये क्षेत्रफल पर वर्ष 2017–18 से वर्ष 2018–19 के मध्य लगभग 111 किग्रा उर्वरक के उपभोग में कमी हुई जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड रूद्रपुर द्वारा लगभग 237 किग्रा के माध्यम से दिया गया जबकि सकल सिंचित क्षेत्रफल के सापेक्ष वर्ष 2017–18 से वर्ष 2018–19 के मध्य शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल में लगभग 6% की वृद्धि हुई, जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड सितारगंज द्वारा लगभग 14% के माध्यम से दिया गया आंकड़ों का विवरण निम्नवत सारणी में उपलब्ध हैं–

क्र.सं.	विकासखण्ड	प्रति हे0 सकल बोये गये क्षेत्रफल पर उर्वरक का उपभोग (कि0ग्रा0)			सकल सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2017–18	2018–19	वर्ष 2017–18 तथा वर्ष 2018–19 के मध्य बदलाव	2017–18	2018–19	वर्ष 2017–18 तथा वर्ष 2018–19 के मध्य बदलाव
1	जसपुर	358.77	249.92	-108.85	217.53	224.27	6.74
2	काशीपुर	340.57	265.36	-75.21	175.85	183.63	7.78
3	बाजपुर	422.91	223.64	-199.27	173.68	177.37	3.69
4	गदरपुर	286.30	322.27	35.97	165.15	170.48	5.33
5	रूद्रपुर	450.25	212.86	-237.39	176.28	181.97	5.69
6	सितारगंज	359.29	286.84	-72.45	219.57	233.71	14.14
7	खटीमा	395.52	261.56	-133.96	223.09	223.07	-0.02
समस्त विकासखण्ड		370.71	259.33	-111.38	190.43	196.57	6.14

जनपदान्तर्गत शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल में शुद्ध बोये क्षेत्रफल का वर्ष 2017–18 से वर्ष 2018–19 के मध्य लगभग 0.09% की वृद्धि हुई जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बाजपुर द्वारा लगभग 0.7% के माध्यम से दिया गया जबकि राजकीय नहरों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से आच्छादित क्षेत्रफल वर्ष 2017–18

से वर्ष 2018–19 के मध्य लगभग 4% की ऋणात्मक कमी हुई, जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड गदरपुर द्वारा लगभग 6% के माध्यम से दिया गया आंकड़ों का विवरण निम्नवत सारणी में उपलब्ध हैं–

क्र.सं.	विकासखण्ड	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से प्रतिशत			राजकीय नहरों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2017–18	2018–19	वर्ष 2017–18 तथा वर्ष 2018–19 के मध्य बदलाव	2017–18	2018–19	वर्ष 2017–18 तथा वर्ष 2018–19 के मध्य बदलाव
1	जसपुर	97.14	97.35	0.21	14.85	10.95	-3.90
2	काशीपुर	100.00	100.00	0.00	10.69	7.98	-2.71
3	बाजपुर	99.02	99.72	0.70	7.91	5.78	-2.13
4	गदरपुर	99.46	99.55	0.09	24.61	18.17	-6.44
5	रूद्रपुर	100.00	99.84	-0.16	14.88	10.99	-3.89
6	सितारगंज	100.00	100.00	0.00	13.34	10.15	-3.19
7	खटीमा	100.00	99.86	-0.14	8.84	6.31	-2.53
समस्त विकासखण्ड		99.49	99.58	0.09	14.14	10.44	-3.70

उद्यान

जनपदान्तर्गत आलू, सब्जी एवं फल उत्पादन के अन्तर्गत क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता हेतु सांख्यिकीय आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में जहाँ एक ओर विगत तीन वर्षो में आलू और सब्जी उत्पादन से आच्छादित क्षेत्रफल एवं उत्पादन में वृद्धि हुई किन्तु उत्पादकता में क्रमशः ऋणात्मक बदलाव व कोई भी बदलाव नहीं देखा गया जबकि फल उत्पादन (नींबू प्रजाति, आम, लीची, अन्य फल) हेतु उक्त सभी आंकड़ें ऋणात्मक रहे अर्थात विभाग को क्षेत्रफल एवं उत्पादन के साथ–साथ उत्पादकता में भी बढ़ोत्तरी लाने के लिए उन्नत प्रजाति के बीज व पौध उद्यमियों को उपलब्धता के साथ–साथ उद्यानों की संख्या, उद्यान रक्षा सचल केन्द्रों की संख्या, फल संरक्षण केन्द्रों की संख्या तथा नर्सरियों की संख्या में बढ़ोत्तरी किये जाने या क्षमता में वृद्धि किये जाने हेतु कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

आलू, सब्जी एवं फल उत्पादन के अर्न्तगत क्षेत्रफल (है0), उत्पादन (मै0टन प्रति है0) एवं उत्पादकता									
वर्ष / विकास खण्ड	आलू			सब्जी			फल		
	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
2018–19	2768.00	61801.00	22.33	8217.00	96375.00	11.73	7894.00	53453.00	6.77
2019–20	2775.00	61812.00	22.27	8225.00	96388.00	11.72	8077.50	54404.00	6.74
2020–21	2820.60	62617.32	22.20	8377.00	98278.00	11.73	7647.00	47673.50	6.23
वर्ष 2018–19 से वर्ष 2020–21 के मध्य बदलाव	52.60	816.32	-0.13	160.00	1903.00	0.00	-247.00	-5779.50	-0.54

वर्ष / विकास खण्ड	नींबू प्रजाति		आम		लीची		अन्य फल	
	क्षेत्रफल	उत्पादन	क्षेत्रफल	उत्पादन	क्षेत्रफल	उत्पादन	क्षेत्रफल	उत्पादन
2018–19	242.00	1803.00	4175.00	35142.00	1547.00	2284.00	1862.00	13614.00
2019–20	247.50	1811.00	4184.00	35157.00	1634.00	2500.00	1958.00	14358.00
2020–21	230.00	1610.00	3831.00	30648.00	1264.00	2346.00	2269.00	12646.00
वर्ष 2018–19 से वर्ष 2020–21 के मध्य बदलाव	-12.00	-193.00	-344.00	-4494.00	-283.00	62.00	407.00	-968.00

जनपद में विकासखण्डवार उद्यान से सम्बन्धित सूचनायें वर्ष 2020–22					
वर्ष / विकासखण्ड	कुल उद्यानों की संख्या	उद्यानों के अर्न्तगत (है0)	उद्यान रक्षा सचल केन्द्रों की संख्या	फल संरक्षण केन्द्रों की संख्या	कुल नर्सरियों की संख्या
2018–19	3	44.73	14	3	3
2019–20	3	44.73	14	3	3
2020–21	3	44.73	14	3	3
विकासखण्डवार 2020–21					
जसपुर	0	0.00	2	0	0
काशीपुर	1	20.00	2	1	1
बाजपुर	1	0.00	2	1	0
गदरपुर	0	0.00	2	0	0
रूद्रपुर	1	19.0	2	1	1
सितारगंज	0	5.7	2	0	1
खटीमा	0	0.00	2	0	0
समस्त विकासखण्ड	**3**	**44.73**	**14**	**3**	**3**
योग जनपद	**3**	**44.73**	**14**	**3**	**3**

कृषि

कृषि में पोषक तत्वों का अपना बहुत महत्व है जिसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटैशियम (NPK) हेतु लगातार मांग में वृद्धि हुई है क्योंकि किसानों को फसल उत्पादन एवं उत्पादकता में इनके उपयोग से सहयोग तो मिलता ही है वरन आय में भी वृद्धि होती है अर्थात पोषक तत्वों एवं कीटनाशकों का समय से किसानों को उपलब्धता हेतु बीज गोदाम/उर्वरक, ग्रामीण गोदाम, कीटनाशक डिपो के साथ–साथ शीत भण्डार, कृषि सेवा केन्द्र व कृषि उत्पादन मण्डियों की संख्या में बढ़ोत्तरी किये जाने या क्षमता में बढ़ोत्तरी किये जाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

जनपद में विकासखण्डवार उर्वरक वितरण (मी0 टन)				
वर्ष / विकासखण्ड	नाइट्रोजन	फास्फोरस	पोटास	योग
2018–19	85700	9180	3132	98012
2019–20	83786	13982	4445	102213
2020–21	81946	16876	5744	104566
वर्ष 2018–19 से वर्ष 2020–21 के मध्य बदलाव	**-3754**	**7696**	**2612**	**6554**
विकासखण्डवार 2020–21				
जसपुर	11807	2328	815	14950
काशीपुर	10890	2320	835	14045
बाजपुर	12240	2535	945	15720
गदरपुर	11200	2380	805	14385
रूद्रपुर	12456	2565	985	16006
सितारगंज	11850	2490	809	15149
खटीमा	11503	2258	550	14311
समस्त विकासखण्ड	**81946**	**16876**	**5744**	**104566**
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	**81946**	**16876**	**5744**	**104566**

जनपद में विकासखण्डवार कृषि से सम्बन्धित कुछ मुख्य सुविधाएं							
वर्ष / विकासखण्ड	बीज गोदाम / उर्वरक डिपो		ग्रामीण गोदाम		कीटनाशक डिपो		बीज वृद्धि के फार्म संख्या
	संख्या	क्षमता मी0टन	संख्या	क्षमता मी0टन	संख्या	क्षमता मी0टन	
2018–19	7	3500	53	5400	646	148	2
2019–20	7	3500	53	5400	646	148	2
2020–21	7	3500	53	5400	646	161	1
विकासखण्डवार 2020–21							
जसपुर	1	500	3	400	65	18	0
काशीपुर	1	500	4	400	68	18	0
बाजपुर	1	500	8	800	85	21	0
गदरपुर	1	500	5	500	94	25	0
रूद्रपुर	1	500	11	1100	160	34	1
सितारगंज	1	500	6	600	97	25	0
खटीमा	1	500	6	600	82	20	0
समस्त विकासखण्ड	**7**	**3500**	**43**	**4400**	**651**	**161**	**1**
नगरीय	0	0	10	1000	0	0	0

योग जनपद	7	3500	53	5400	651	161	1

वर्ष / विकासखण्ड	शीत भण्डार		कृषि सेवा केन्द्र		कृषि उत्पादन मण्डी समिति	बायोगैस संयत्र संख्या
	संख्या	क्षमता मी0टन	संख्या	क्षमता मी0टन		
2018–19	4	190267	20	220	7	3143
2019–20	4	190267	20	220	7	3343
2020–21	4	190267	20	220	7	3458
विकासखण्डवार 2020–21						
जसपुर	2	93954	4	27	1	553
काशीपुर	2	96313	2	16	1	414
बाजपुर	0	0	3	36	1	444
गदरपुर	0	0	2	36	1	409
रूद्रपुर	0	0	3	24	1	378
सितारगंज	0	0	3	31	1	570
खटीमा	0	0	3	50	1	690
समस्त विकासखण्ड	**4**	**190267**	**20**	**220**	**7**	**3458**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**4**	**190267**	**20**	**220**	**7**	**3458**

जनपद में खाद्यान उत्पादनों की संख्या एवं क्षमता							
क्र0सं0	मद	2018-19		2019-20		2020-21	
		संख्या	क्षमता मी0टन	संख्या	क्षमता मी0टन	संख्या	क्षमता मी0टन
1	भारतीय खाद्य निगम	8	8384	8	8384	8	8384
2	केन्द्रीय भण्डारागार निगम	0	0	0	0	0	0
3	राज्य भण्डारागार	8	9098	8	9098	8	9098
4	राज्य सरकार	0	0	0	0	0	0
5	सहकारिता	0	0	0	0	0	0
6	अन्य	0	0	0	0	0	0

पशुधन

ग्रामीणों की आय में पशुधन का महत्वपूर्ण योगदान है। जनपद के अन्तर्गत सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार गौजातीय, महिष जातीय, भेड़, बकरा, बकरी, घोड़े, सुअर, कुक्कुट तथा अन्य पशुधन को ग्रामीणों द्वारा अपनी आय के साधन हेतु अपनाया गया है। अर्थात पशुधन से अधिकांश ग्रामीण की आय में सम्मिलित करने हेतु आधारभूत सुविधाओं में जनपद अन्तर्गत पशुचिकित्सालय, पशुधन विकास केन्द्र, कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र, पशु प्रजनन फार्म

तथा भेड़ विकास केन्द्र आदि की संख्या में बढ़ोत्तरी किये जाने या क्षमता में बढ़ोत्तरी किये जाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

जनपद में विकासखण्डवार पशुधन का विवरण

वर्ष / विकासखण्ड	गोजातीय (देसी)				गोजातीय (क्रास ब्रीड)				कुल गोताजीय
	3 वर्ष से अधिक के नर	3 वर्ष से अधिक की मादा	बछड़ा एवं बछिया	कुल	2,5 वर्ष से अधिक के नर	2,5 वर्ष से अधिक की मादा	बछड़ा एवं बछिया	कुल	
2003	24161	34905	11290	70356	7841	44900	854	53595	123951
2007	18573	26310	27951	72834	2019	36116	33398	71533	144367
2012	10378	21727	19552	51657	2904	46817	37351	87072	138729
वर्ष 2018–19 से वर्ष 2020–21 के मध्य बदलाव	-13783	-13178	8262	-18699	-4937	1917	36497	33477	14778
विकासखण्डवार 2012									
जसपुर	489	1769	1474	3732	379	6404	5308	12091	15823
काशीपुर	142	543	446	1131	403	6555	6030	12988	14119
बाजपुर	1012	1149	1078	3239	283	6733	5429	12445	15684
गदरपुर	499	2553	2154	5206	752	6805	4061	11618	16824
रूद्रपुर	237	1561	960	2758	317	8210	6597	15124	17882
सितारगंज	3103	6243	6140	15486	274	3806	3223	7303	22789
खटीमा	4787	7387	6868	19042	349	5714	4674	10737	29779
समस्त विकासखण्ड	**10269**	**21205**	**19120**	**50594**	**2757**	**44227**	**35322**	**82306**	**132900**
नगरीय	109	522	432	**1063**	147	2590	2029	4766	5829
योग जनपद	**10378**	**21727**	**19552**	**51657**	**2904**	**46817**	**37351**	**87072**	**138729**

वर्ष / विकासखण्ड	भेड़ देशी	भेड़ क्रास ब्रीड	कुल भेड	कुल बकरा एवं बकरी	कुल घोड़े एवं टट्टू	सुअर देशी	सुअर क्रास ब्रीड
2003	2087	70	2157	44514	1327	2015	631
2007	2529	127	2656	66838	1758	1444	423
2012	1711	214	1925	42958	1771	1179	542
वर्ष 2018–19 से वर्ष 2020–21 के मध्य बदलाव	**-376**	**144**	**-232**	**-1556**	**444**	**-836**	**-89**

विकासखण्डवार 2012							
जसपुर	429	0	429	3374	193	343	112
काशीपुर	108	148	256	3622	458	86	111
बाजपुर	1136	0	1136	6752	192	306	38
गदरपुर	30	8	38	4487	211	123	24
रूद्रपुर	5	58	63	8343	337	110	109
सितारगंज	3	0	3	4517	236	107	89
खटीमा	0	0	0	11863	144	104	59
समस्त विकासखण्ड	**1711**	**214**	**1925**	**42958**	**1771**	**1179**	**542**
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**1711**	**214**	**1925**	**42958**	**1771**	**1179**	**542**

वर्ष / विकासखण्ड	कुल सुअर	अन्य पशु	कुल पशु	कुल मुर्गे, मुर्गियां एवं चूजे	अन्य कुक्कुट	कुल कुक्कुट
2003	2646	38056	388556	981860	15864	997724
2007	1867	35718	438059	1264457	25560	1290017
2012	1721	30071	382228	3044384	18617	3063001
वर्ष 2018–19 से वर्ष 2020–21 के मध्य बदलाव	**-925**	**-7985**	**-6328**	**2062524**	**2753**	**2065277**
विकासखण्डवार 2012						
जसपुर	455	1551	42801	24604	42	24646
काशीपुर	197	4521	43366	1820755	191	1820946
बाजपुर	344	4893	58480	341757	314	342071
गदरपुर	147	2613	39416	220118	12300	232418
रूद्रपुर	219	4093	4785	308622	1608	310230
सितारगंज	196	5341	60478	49597	3353	52950
खटीमा	163	7059	84008	278931	809	279740
समस्त विकासखण्ड	**1721**	**30071**	**333334**	**3044384**	**18617**	**3063001**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**1721**	**30071**	**333334**	**3044384**	**18617**	**3063001**

जनपद में विकासखण्डवार पशु चिकित्सालय एवं अन्य सेवायें (संख्या)						
वर्ष / विकासखण्ड	पशु चिकित्सालय	पशुधन विकास केन्द्र	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	पशु प्रजनन फार्म	भेड़ विकास केन्द्र

2018–19	23	73	95	0	0	0
2019–20	23	73	95	0	0	0
2020–21	23	73	95	0	0	0
वर्ष 2018–19 से वर्ष 2020–21 के मध्य बदलाव	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
विकासखण्डवार 2020–21						
जसपुर	1	10	9	0	0	0
काशीपुर	1	9	10	0	0	0
बाजपुर	1	14	15	0	0	0
गदरपुर	1	7	8	0	0	0
रूद्रपुर	3	14	17	0	0	0
सितारगंज	0	11	12	0	0	0
खटीमा	1	8	9	0	0	0
समस्त विकासखण्ड	**8**	**73**	**80**	**0**	**0**	**0**
वन	0	0	0	0	0	0
नगरीय	15	0	15	0	0	0
योग जनपद	**23**	**73**	**95**	**0**	**0**	**0**

उद्योग

जनपद ऊधमसिंह नगर राज्य में औद्योगिक विकास की दृष्टि से एक अग्रणी जनपद है। मुख्य औद्योगिक क्षेत्र पंतनगर, सितारगंज, काशीपुर एवं रूद्रपुर हैं। जनपद में 10000 से अधिक रजिस्टर्ड औद्योगिक इकाईयाँ हैं जिनमें लगभग 70 हजार से अधिक व्यक्ति रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। इन औद्योगिक इकाईयों में प्रमुख हैं ओटोमोबाइल, कागज, पैकेजिंग, चीनी, धान, बिजली उपकरण तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाईयाँ हैं। उद्योगों से जुड़े सेवा क्षेत्र में प्रमुखतः आई.टी., परिहवन, टूलरूम, जनशक्ति आपूर्तिकर्ता तथा होटल/रेस्टोरेंट हैं जिनमें हजारों लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

षष्टम आर्थिक गणना 2012				
क्र0सं0	**मद**	**ग्रामीण**	**नगरीय**	**योग**
1	**उद्यम**			
	अ. कृषि उद्यम			
	• स्वकार्य उद्यम	4972	879	5851
	• कम से कम एक कार्यरत वैतनिक व्यक्ति सहित उद्यम	1226	167	1393
	ब. गैर–कृषि उद्यम			
	• स्वकार्य उद्यम	16082	19506	35588
	• कम से कम एक कार्यरत वैतनिक व्यक्ति सहित उद्यम	7053	10108	17161

	स. कुल उद्यम			
	• स्वकार्य उद्यम	21054	20385	41439
	• कम से कम एक कार्यरत वैतनिक व्यक्ति सहित उद्यम	8279	10275	18554
2	**संरचना के अनुसार उद्यम**			
	• निवास के बाहर निश्चित ढांचे में	15961	19872	35833
	• निवास के बाहर बिना निश्चित ढांचे में	2176	3178	5354
	• निवास के भीतर	11196	7610	18806
3	**उद्यमों में कार्यरत व्यक्ति**			
	अ. कृषि उद्यम			
	• वैतनिक पुरूष	2096	394	2490
	• वैतनिक महिला	761	96	857
	• अवैतनिक पुरूष	5780	1001	6781
	• अवैतनिक महिला	2874	452	3326
	• कुल पुरूष	7876	1395	9271
	• कुल महिला	3635	548	4183
	ब. गैर कृषि उद्यम			
	• वैतनिक पुरूष	39047	65786	104833
	• वैतनिक महिला	9584	9296	18880
	• अवैतनिक पुरूष	22689	30643	53332
	• अवैतनिक महिला	3534	3214	6748
	• कुल पुरूष	61736	96429	158165
	• कुल महिला	13118	12510	25628
4	**8 या अधिक कार्यरत व्यक्तियों वाले उद्यम**			
	• उद्यम	950	1171	2121
	• कार्यरत व्यक्ति	38568	58958	97526
5	**हस्तशिल्प/हस्तकरघा उद्यम**			
	• उद्यम	626	939	1565
	• कार्यरत व्यक्ति	1568	2427	3995

पर्यटन

पर्यटन क्षेत्र जनपद के उद्यमियों, व्यापारियों, ढ़ाबा, रेस्टोरेंट, होटल व छोटे–छोटे व्यवसाय करने वालों की आजीविका में अपना बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता है। पर्यटन हेतु सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार मुख्य पर्यटन स्थल, पर्यटन आवास गृह, रैन बसेरा, धर्मशालाओं की संख्या में विगत कई वर्षों से कोई भी बदलाव नहीं आया इसके अतिरिक्त होटल पैइंगेस्ट हाउस की संख्या में मात्र 02 नम्बर से वृद्धि हुई। अर्थात पर्यटन विभाग द्वारा जनपद में संचालित हो रहे निजी होटल व्यवसायों को पंजीकृत नहीं किया गया जिससे जनपद की प्रति दिन पर्यटक धारण क्षमता के साथ–साथ पर्यटक व्यवसाय से जनपद की आर्थिकी में योगदान का अनुमान भी सटीकता से नहीं लगाया जा सकता। होटल पंजीकरण, पर्यटक सुविधाओं में रोजगार से लाभान्वितों का पंजीयन के साथ–साथ पर्यटकों के साथ हो रहे फरोड को रोकने की नीति तैयार करते हुए विभागीय कार्ययोजना तैयार की जाने की आवश्यकता है, ताकि पर्यटक सिक्योर होते हुए जनपद में आवागमन कर सकें एवं जनपद में प्रति वर्ष आने वाले पर्यटक की संख्या में हो रही औसतन वृद्धिदर 5% से बढ़ाई जा सके एवं रोजगार के सुअवसर उत्पन्न हो सके। जनपद में प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों एवं आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

पर्यटन की सूचनायें

क्र0सं0	मद	इकाई	वर्षवार पर्यटक संविधायें			
(क)	**पर्यटक सुविधायें**		2018-19	2019-20	2020-21	बदलाव
	• मुख्य पर्यटन स्थल	संख्या	13	13	13	0
	• पर्यटन आवास गृह	संख्या	3	3	3	0
	• रैन बसेरा	संख्या	0	0	0	0
	• पर्यटन आवास गृहों में उपलब्ध शैयायें	संख्या	88	88	88	0
	• रैन बसेरा में उपलब्ध शैयायें	संख्या	0	0	0	0
	• होटल तथा पेइंगैस्ट हाउसों की संख्या	संख्या	122	128	130	2
	• धर्मशालाओं की संख्या	संख्या	12	12	12	0

जनपद में आने वाले पर्यटकों (तीर्थ यात्रियों सहित) की वर्षवार सूचना

वर्ष	भारतीय	भारतीय पर्यटको में प्रति वर्ष बदलाव	विदेशी	विदेशी पर्यटको में प्रति वर्ष बदलाव	कुल	भारतीय व विदेशी पर्यटको में प्रति वर्ष बदलाव
2013-14	122765	NA	1613	NA	124378	NA
2014-15	128903	5%	1721	7%	130624	5%
2015-16	130703	1%	1771	3%	132474	1%
2016-17	132515	1%	1728	-2%	134243	1%
2017-18	139140	5%	1654	-4%	140794	5%
2018-19	152022	9%	1853	12%	153875	9%

2019-20	161182	6%	1950	5%	163132	6%
2020-21	99466	-38%	366	-81%	99832	-39%

नानकमत्ता :– नानकमत्ता साहिब उत्तराखण्ड के मैदानी जनपद ऊधमसिंह नगर के खटीमा क्षेत्र में प्रवाहित देवहा जल धारा के तट पर अवस्थित हैं। यह स्थान सिक्खों के सबसे महत्वपूर्ण एवं पवित्र तीर्थ स्थानों में से एक है। क्योंकि माना जाता है कि सिक्खों के पहले गुरू, गुरू नानक देव जी इस जगह पर आए थे। यही कारण है कि इस जगह का नाम गुरू नानक देव के नाम पर नानकमत्ता रखा गया। नानकमत्ता गुरूद्वारे का निर्माण सरयू नदी के तट पर किया गया है और सरयू नदी पर ही बना नानक सागर डेम पास में ही स्थित है जिसे नानक सागर के नाम से जाना जाता है। यहाँ हर वर्ष हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते है। श्रद्धालुओं के लिए गुरूद्वारे में रहने की सुविधा भी उपलब्ध है।

मोटेश्वर महादेव मन्दिर :– मोटेश्वर महादेव मन्दिर उत्तराखण्ड राज्य के ऊधमसिंह नगर जनपद के काशीपुर में भगवान शिव का मन्दिर है। डाकिनी राज्य के रूप में जाना जाने वाले इस स्थान पर शिवलिंग की मोटाई अधिक होने के कारण यह स्थान मोटेश्वर महोदव के नाम से प्रचलित है। यहाँ भगवान शिव एक ज्योतिर्लिंग के रूप में देखे जा सकते है जिसे भीम शंकर के नाम से जाना जाता है। मन्दिर परिसर में भगवान गणेश, स्वामी कार्तिकेय, देवी पार्वती, देवी काली, भगवान हनुमान और भगवान भैरव की पूजा अर्चना की जाती है। यह मन्दिर शिव भक्तों में काफी लोकप्रिय है।

अटरिया मन्दिर :– पांच मन्दिर समूहों के नाम विख्यात अटरिया माता का मन्दिर ऊधमसिंह नगर के रूद्रपुर में स्थित है। यहाँ हर साल नवरात्रों के सुअवसर पर दस दिनों के लिए बहुत बड़े मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें देवी माता का डोला इस मन्दिर तक लाया जाता है। अटरिया माता मंदिर रूद्रपुर–हल्द्वानी मोटर मार्ग से दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं।

गिरीताल :– ऊधमसिंह नगर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक गिरीताल काशीपुर शहर से रामनगर की ओर 03 किमी की दूरी पर स्थित है। गिरीताल काशीपुर की काफी लोकप्रिय झील है, जो अपनी खुबसूरती और शांत वातावरण के बल पर दूर–दराज से सैलानियों को आकर्षित करती है। झील का पानी साफ है, जिसमें पर्यटक नौकायन का आनन्द उठाते हैं। ताल के निकट चामुण्डा माता का भव्य मन्दिर, शिव मन्दिर, संतोषी माता का मन्दिर, नागनाथ मन्दिर, मनसा देवी का मन्दिर धार्मिक दृष्टि से आए हुए यात्रियों का मनमोह लेते हैं।

बाल सुन्दरी देवी चैती मन्दिर :– ऊधमसिंह नगर के काशीपुर नगर में काशीपुर–बाजपुर मोटर मार्ग पर काशीपुर बस स्टेण्ड से मात्र 2.5 किमी की दूरी पर माता का सिद्धपीठ बाल सुन्दरी देवी का मन्दिर स्थित है। बहुत से भक्त यहाँ आध्यात्मिक आनन्द में तल्लीन होने और पवित्र तीर्थस्थल पर आते हैं। मार्च माह में यहाँ हर साल चैती मेले का कार्यक्रम किया जाता है जहाँ हजारों श्रद्धालू माता के दर्शन के लिए आते है। माँ बालासुन्दरी का स्थाई मन्दिर काशीपुर में अग्निहोत्री ब्राह्मणों के यहाँ निर्मित हुआ है।

झारखंडी मन्दिर :– आस्था और श्रद्धा का केन्द्र झारखंडी मन्दिर बाजुपर में शिव को समर्पित मन्दिर है जहाँ बुक्सा जनजाति के लोग पीढ़ी दर पीढ़ी अपने धार्मिक रीति–रिवाजों को मनाते आ रहे हैं। माना जाता है कि यहाँ भगवान के चरण पड़े थे। माघ माह की महाशिवरात्रि पर्व पर यहाँ मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें बुक्सा जनजाति के साथ–साथ अन्य श्रद्धालु भी दूर–दूर से बच्चों के मुंडन, मन्नतें मांगने एवं मन्नतें पूरी होने पर आते हैं।

पैराडाइज झील :– जनपद में पिकनिक, मौज–मस्ती के लिए बहुत अच्छी जगह है पैराडाइज झील, जहाँ पेडल बोटिंग, मोटर बोटिंग, किड्स टॉय ट्रेन का आनंद लेने के लिए पर्यटकों का तांता लगा रहता हैं। झील के पास ही बहुत ही सुन्दरतम पार्क है जिसमें भोजन व्यवस्था भी उपलब्ध है। कल्याणी नदी पर बनी यह कृत्रिम झील रूद्रपुर के केन्द्र में एक हरा–भरा विकास बिन्दु है।

द्रोण सागर :– ऊधमसिंह नगर के काशीपुर शहर का यह प्राचीनतम स्थान महाभारत काल के कौरवों और पांडवों के शाही गुरू, गुरू द्रोणाचार्य से जुड़ी हुई है। माना जाता है कि पांडवों द्वारा अपने गुरू द्रोणाचार्य के लिए, गुरू दक्षिणा के रूप में द्रोण सागर झील का निर्माण किया गया, यह भी माना जाता है कि द्रोण सागर का जल भी गंगा नदी के जल के समान ही दिव्य है। कमल के फूलों से सुशोभित यह स्थान काशीपुर–मुरादाबाद रोड के समीप विभिन्न प्राचीनतम मन्दिरों से घिरा हुआ है। पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों को आसानी से यहाँ पहुँचने के लिए काशीपुर के विभिन्न हिस्सों से प्रतिदिन बहुत सारी मात्रा में स्थानीय बसें और टैक्सी उपलब्ध हैं। द्रोण सागर हेतु निकटतम रेलवे स्टेशन काशीपुर तथा हवाई अड्डा 63 किमी दूर पंतनगर में स्थित है।

अध्याय- III

पलायन की स्थिति

इस अध्याय में, जनपदान्तर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर एकत्र किये गये आंकड़ों का विश्लेषण जनपद एवं राज्य में पलायन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालने के लिए प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य व्यवसाय

जनपद ऊधमसिंहनगर में मुख्य व्यवसाय हेतु आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जहाँ एक ओर जनपद की 51.34% जनसंख्या का मुख्य व्यवसाय कृषि/बागवानी/पशुपालन है तद्उपरान्त 21.38% एवं 11.84% जनसंख्या का मुख्य व्यवसाय मजदूरी व मनरेगा है। वहीं दूसरी ओर जनपद की 10.83% जनसंख्या का मुख्य व्यवसाय स्वरोजगार एवं अन्य हैं। राज्यान्तर्गत विभिन्न गांवों में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि/ बागवानी/पशुपालन है, तद्उपरान्त मजदूरी और मनरेगा है। ग्राम पंचायत स्तर से प्राप्त आंकड़ों का जनपद एवं राज्य औसत नीचे दी गई सारणी में प्रस्तुत किये गए हैं–

राज्यान्तर्गत वर्ष 2022 में ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों की आय का मुख्य साधन हेतु जनपद में विवरण (लगभग प्रतिशत में)						
जनपद	कृषि/बागवानी/पशुपालन	मनरेगा	सरकारी नौकरी	स्वरोजगार एवं अन्य	मजदूरी	योग
उधमसिंह नगर	**51.34%**	**11.84%**	**4.60%**	**10.83%**	**21.38%**	**100%**

राज्यान्तर्गत वर्ष 2022 में ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों की आय का मुख्य साधन का विवरण (लगभग प्रतिशत में)						
राज्य	कृषि/बागवानी/पशुपालन	मनरेगा	सरकारी नौकरी	स्वरोजगार एवं अन्य	मजदूरी	योग
उत्तराखण्ड	**45.07%**	**22.30%**	**8.11%**	**8.59%**	**15.94%**	**100%**

ऊधमसिंहनगर के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में मुख्य व्यवसाय हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद का राज्यान्तर्गत कृषि/बागवानी/पशुपालन व्यवसाय में चौथा, मनरेगा एवं सरकारी सेवा में 12वाँ, स्वरोजगार एवं अन्य में दूसरा तथा मजदूरी में प्रथम स्थान पर योगदान दिया जा रहा है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत दर्शाया गया है–

राज्यान्तर्गत वर्ष 2022 हेतु ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों की आय का मुख्य साधन (लगभग प्रतिशत में) का जनपदवार एवं विकासखण्डवार विवरण									
क्र0 स0	जनपद	विकासखण्ड	सर्वेक्षित ग्राम पंचायत	कृषि/बागवानी/पशुपालन	मनरेगा	सरकारी नौकरी	स्वरोजगार एवं अन्य	मजदूरी	योग
1	उधमसिंह नगर	रूद्रपुर	42	54.98%	11.76%	7.57%	10.62%	15.07%	100%
2	उधमसिंह नगर	खटीमा	64	47.83%	21.08%	6.70%	7.38%	17.02%	100%
3	उधमसिंह नगर	बाजपुर	58	45.25%	11.83%	1.64%	12.08%	29.20%	100%
4	उधमसिंह नगर	काशीपुर	33	41.48%	7.21%	9.06%	20.73%	21.52%	100%
5	उधमसिंह नगर	सितारगंज	74	76.96%	3.12%	1.84%	6.93%	11.15%	100%
6	उधमसिंह नगर	जसपुर	52	44.90%	15.43%	4.45%	9.08%	26.14%	100%
7	उधमसिंह नगर	गदरपुर	52	48.00%	12.44%	0.96%	9.01%	29.59%	100%

पलायन

आंकड़ें दर्शातें हैं कि राज्य के सभी जनपदों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन का प्रभाव अधिक है। राज्य में स्थायी पलायन का सबसे कम प्रभाव जनपद ऊधमसिंहनगर में हुआ है जबकि अस्थायी पलायन में जनपद आठवें स्थान पर है, का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

राज्य में वर्ष 2018 के बाद अस्थायी एवं स्थायी पलायन से प्रभावित ग्राम पंचायतों से विस्थापित व्यक्तियों का विवरण						
राज्य	विकासखण्ड	प्रभावित ग्राम पंचायत	अस्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर आना–जाना लगा रहता हो/अस्थायी रूप से रोजगार के लिए बाहर हो)	विकासखण्ड	ग्राम पंचायतों की संख्या	स्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो/अपनी जमीन बेच चुके हों अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हों तथा बहुत कम गांव आना होता हो)
उत्तराखण्ड	92	6436	307310	77	2067	28531

जनपद ऊधमसिंह नगर की कुल 191 ग्राम पंचायतों में 19,583 व्यक्तियों द्वारा विगत 4.5 सालों में अस्थायी पलायन किया गया, जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड खटीमा की 49 ग्राम पंचायतों में 5,192 व्यक्तियों तथा सबसे कम जसपुर विकासखण्ड के मात्र 18 ग्राम पंचायतों में 419 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी पलायन किया गया, जो कि ग्रामीण क्षेत्रों से नजदीकी कस्बों/शहरों की ओर रोजगार एवं मजदूरी हेतु अस्थायी पलायन का द्योतक है। आंकड़ों का विवरण एवं तुलना निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

राज्य में वर्ष 2018 के बाद अस्थायी पलायन की वजह से प्रभावित ग्राम पंचायतों से विस्थापित व्यक्तियों का विकासखण्डवार विवरण				
क्र0स0	जनपद	विकासखण्ड	प्रभावित ग्राम पंचायत	अस्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर आना–जाना लगा रहता हो/अस्थायी रूप से रोजगार के लिए बाहर हो)
1	ऊधमसिंह नगर	खटीमा	49	5192
2	ऊधमसिंह नगर	गदरपुर	46	5049
3	ऊधमसिंह नगर	रूद्रपुर	42	4326
4	ऊधमसिंह नगर	काशीपुर	25	3407
5	ऊधमसिंह नगर	बाजपुर	11	1190
6	ऊधमसिंह नगर	जसपुर	18	419
ऊधमसिंह नगर			**191**	**19583**
राज्योग			**6436**	**307310**

जनपद ऊधमसिंहनगर में मात्र 02 ग्राम पंचायतों में 82 व्यक्तियों द्वारा विगत 4.5 सालों में स्थायी पलायन किया गया, जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड रूद्रपुर की 01 ग्राम पंचायतों में 70 व्यक्तियों तथा सबसे कम विकासखण्ड काशीपुर के मात्र 01 ग्राम पंचायतों में 12 व्यक्तियों द्वारा स्थायी पलायन किया गया। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से नजदीकी कस्बों/शहरों में शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था में अभाव के कारण स्थायी पलायन किया जा रहा है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

राज्य में वर्ष 2018 के बाद ग्राम पंचायतों से स्थायी पलायन का विकासखण्डवार विवरण				
क्र0स0	जनपद	विकासखण्ड	ग्राम पंचायतों की संख्या	स्थायी पलायन करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो/अपनी जमीन बेच चुके हों अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हों तथा बहुत कम गांव आना होता हो)
1	ऊधमसिंह नगर	रूद्रपुर	1	70
2	ऊधमसिंह नगर	काशीपुर	1	12
ऊधमसिंहनगर			2	82
राज्योग			**2067**	**28531**

जनपद की ग्राम पंचायत में कुल ऐसे राजस्व ग्राम/तोक/मजरा जहाँ जनवरी 2018 के बाद अन्य गांव/शहर/कस्बों/राज्यों से लोग पलायन कर इन राजस्व ग्राम/तोक/मजरा में आकर स्थायी/अस्थायी रूप से बसे हो का विकासखण्डवार विवरण			
क्र0स0	जनपद	विकासखण्ड	ग्राम पंचायत
1	ऊधमसिंह नगर	रूद्रपुर	55
2	ऊधमसिंह नगर	खटीमा	11
3	ऊधमसिंह नगर	काशीपुर	10
4	ऊधमसिंह नगर	गदरपुर	8
5	ऊधमसिंह नगर	बाजपुर	2
6	ऊधमसिंह नगर	सितारगंज	0
7	ऊधमसिंह नगर	जसपुर	0
ऊधमसिंह नगर		**5**	**86**
राज्योग		**37**	**398**

पलायन के गंतव्य

वर्ष 2018 से सितम्बर 2022 के मध्य ग्राम पंचायतों से हो रहे अस्थायी स्थायी पलायन के गंतव्यवार विश्लेषण कर सामने आये आंकड़ों को इस खण्ड में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से सबसे अधिक पलायन लगभग 38.27 प्रतिशत नजदीकी कस्बों एवं 23.34 प्रतिशत जनपद मुख्यालय में हुआ है।

उपरोक्त आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में पलायन की दिशा जनपद मुख्यालय एवं देश से बाहर अधिक है जबकि प्रथम सर्वेक्षण की अपेक्षा द्वितीय सर्वेक्षण हेतु पलायन के गन्तव्यों में नजदीकी कस्बों तथा जनपद मुख्यालय के पलायन में क्रमशः 10.79% तथा 14.86% की वृद्धि हुई अर्थात जनपद में लगभग 62% पलायन जनपद के भीतर ही हुआ। आंकड़ों की स्पष्टता निम्नवत सारणी में सूचीबद्ध है :–

राज्य में वर्ष 2018 के पश्चात् ग्राम पंचायत से अस्थायी एवं स्थायी पलायन कहाँ किया गया का जनपदवार विवरण (लगभग प्रतिशत में)						
राज्य/जनपद	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय में	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	योग
राज्योग	**35.47%**	**17.86%**	**23.61%**	**21.80%**	**1.26%**	**100%**
ऊधमसिंह नगर	38.27%	23.34%	14.51%	21.83%	2.04%	100%
2018 में प्रथम पलायन संबंधी सर्वेक्षण का जनपदाज्योग	27.48%	08.48%	28.04%	31.11%	4.89%	100%
प्रथम व द्वितीय सर्वेक्षण में बदलाव	**10.79%**	**14.86%**	**-13.53%**	**-9.28%**	**-2.85%**	NA

जनपद में वर्ष 2018 के पश्चात् ग्राम पंचायत से अस्थायी एवं स्थायी पलायन के गन्तव्यों का विकासखण्डवार विवरण (लगभग प्रतिशत में)									
क्र0 स0	जनपद	विकासखण्ड	ग्राम पंचायतों की संख्या	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय में	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	योग
1	ऊधमसिंह नगर	रूद्रपुर	27	28.88%	10.90%	19.55%	40.66%	0.01%	100%
2	ऊधमसिंह नगर	खटीमा	64	26.10%	15.18%	14.65%	41.31%	2.76%	100%
3	ऊधमसिंह नगर	बाजपूर	12	30.58%	44.17%	14.58%	10.67%	0.00%	100%
4	ऊधमसिंह नगर	काशीपुर	25	81.24%	04.60%	04.00%	06.64%	3.52%	100%
5	ऊधमसिंह नगर	जसपुर	18	62.81%	13.95%	10.49%	06.78%	5.98%	100%
6	ऊधमसिंह नगर	गदरपुर	46	0.00%	51.24%	23.82%	24.94%	0.00%	100%
ऊधमसिंह नगर			**192**	**38.27%**	**23.34%**	**14.51%**	**21.83%**	**2.04%**	**100%**
उत्तराखण्ड			**6465**	**35.47%**	**17.86%**	**23.61%**	**21.80%**	**1.26%**	**100%**

स्वरोजगार

जनपद ऊधमसिंह नगर में उल्लिखित आंकड़ें विपरीत परिलक्षित होते हैं। उद्यमों हेतु प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण का सारांश सूक्ष्म, लघु उद्यमवार निम्नवत ग्राफों द्वारा प्रस्तुत किया गया है :—

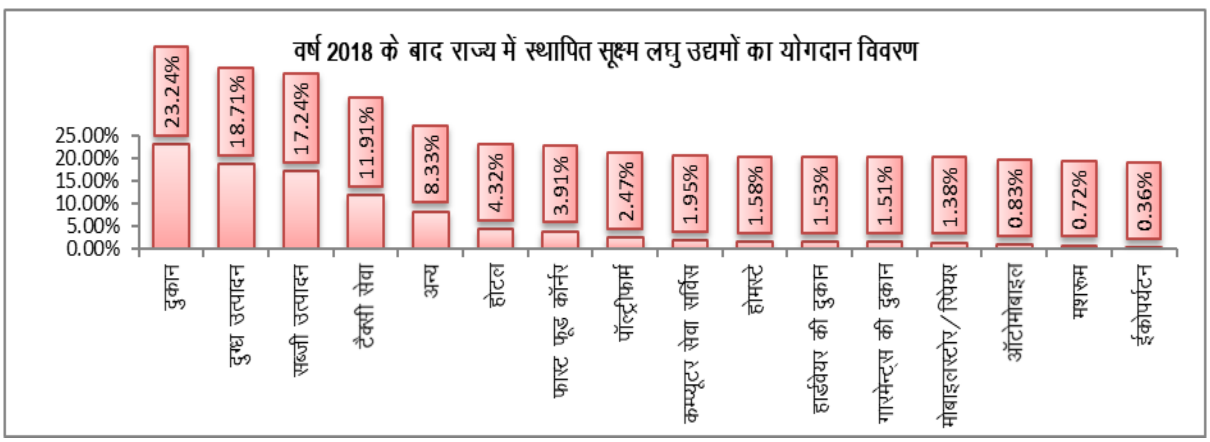

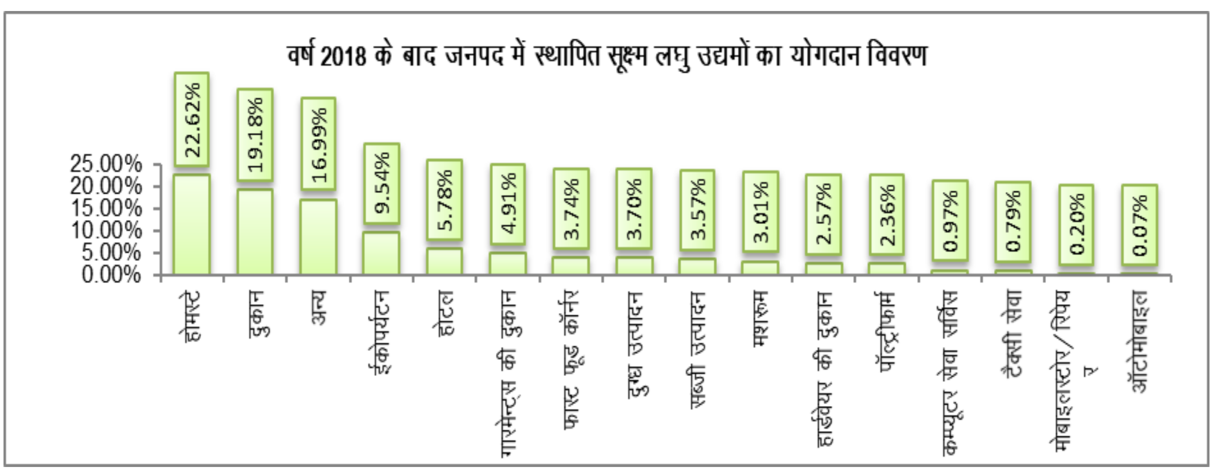

अध्याय- IV

ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु जनपद ऊधमसिंह नगर में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण

जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की पूर्ति एवं सामाजिक–आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए विभागों द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं का विभागवार विश्लेषण निम्नवत उल्लिखित किया जा रहा है :–

ग्राम्य विकास विभाग

जनपदान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास हेतु जनपद को 07 विकासखण्डों में विभाजित किया गया है। विभागीय विभिन्न योजनाओं का विवरण एवं स्पष्टता निम्नलिखित है–

जनपद ऊधमसिंह नगर में ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं का वर्षवार संक्षिप्त विवरण					
वर्ष	योजना का नाम	आंवटित धनराशि (लाख में)	व्यय धनराशि (लाख में)	लक्ष्य (संख्या में)	पूर्ति (संख्या में)
2018-19	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM)	383.11	381.43	NA	
2019-20		680.19	646.70		
2020-21		558.98	513.85		
2021-22		1047.65	794.04		
2022-23		1162.35	889.33		
2018-19	पी0एम0ए0वाई (ग्रामीण)	0	0	0	0
2019-20		0	0	0	0
2020-21		2926.30	2584.50	2310	1925
2021-22		772.20	711.90	639	526
2022-23		1775.80	743.80	1855	5
2018-19	डी0डी0यू0जी0ए0वाई0	2.00	2.00	NA	
2019-20		0	0		
2020-21		0	0		
2021-22		0	0		
2022-23		2.00	2.00		
2018-19	सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (सांसद निधि)	111.100	111.100	27	27
2019-20		126.620	126.620	2	2
2020-21		102.144	102.144	22	22
2021-22		116.070	57.880	22	22
2022-23		114.225	114.225	51	51
2018-19	सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम (बी.ए.डी.पी.)	420.700	420.700	19	19
2019-20		125.954	123.454	7	7
2020-21		161.116	127.180	12	12
2021-22		0	0	0	0
2022-23		340.650	340.650	22	22
2018-19	मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम (एम.बी.ए.डी.पी.)	0	0	0	0
2019-20		218.160	218.160	5	5
2020-21		147.460	137.000	4	4

2021-22		222.000	0.000	0	0
2022-23		222.000	0.000	0	0

आजीविका मिशन योजना का विकासखण्ड़वार एवं वर्षवार विवरण							
क्रं0स0	विकासखण्ड का नाम	PIA'S की संख्या	प्रशिक्षितों की संख्या				
			2018—19	2019—20	2020—21	2021—22	2022—23
1	सितारगंज	2	0	0	0	104	251
2	बाजपुर	0	0	0	0	0	0
3	खटीमा	1	0	0	0	62	129
4	जसपुर	1	0	0	0	0	132
5	गदरपुर	0	0	0	0	0	0
6	रूद्रपुर	2	0	83	51	162	296
7	काशीपुर	3	0	60	30	269	375
योग		9	0	143	81	597	1183

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना :— महात्मा गाँधी नरेगा योजना के आंकड़ों के विश्लेषण से पूर्व जनपद के कुल 07 विकासखण्डों में सम्मिलित ग्राम पंचायतों की संख्या का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि सितारगंज विकासखण्ड सबसे बड़ा तथा काशीपुर सबसे छोटा विकासखण्ड है जबकि विकासखण्डों में सम्मिलित ग्राम पंचायत योगदान के सापेक्ष जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार विकासखण्डों की जनसंख्या योगदान में विचलन देखा जाना कई ग्राम तथा ग्राम पंचायतों का नगरीय क्षेत्रों में तब्दील होना है जो कि नजदीकी कस्बों में हो रहे पलायन का द्योतक है।

जॉबकार्ड :— महात्मा गाँधी नरेगा योजना हेतु जनपद ऊधमसिंह नगर के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021—22 में कुल 117350 जॉबकार्ड जारी हुए जो वित्तीय वर्ष 2020—21 के सापेक्ष लगभग 01% अधिक है। विगत पांच वर्षों में सबसे अधिक जॉबकार्ड विकासखण्ड खटीमा एवं सबसे कम विकासखण्ड काशीपुर में जारी हुए, जबकि जनपद की कुल 376 ग्राम पंचायतों में से सबसे अधिक 74 ग्राम पंचायत विकास खण्ड सितारगंज में सम्मिलित हैं। जॉबकार्ड संबंधी विभागीय प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से निम्नवत बिन्दुओं की स्पष्टता होती है :—

1. ऊधमसिंह नगर जनपद में वर्ष 2017—18 से वर्ष 2021—22 के मध्य मनरेगा योजना में लगभग 23% अकुशल श्रम इच्छा रखने वाले परिवारों द्वारा पंजीकरण करवाया गया अर्थात जनपद में प्रति वर्ष लगभग 05% से 06% की औसतन वृद्धि हुई। उक्त आंकड़ों में विकासखण्ड बाजपुर द्वारा सबसे अधिक तथा विकासखण्ड रूद्रपुर द्वारा नकारात्मक रूप से योगदान दिया गया।
2. जनपद में वर्ष 2017—18 से वर्ष 2021—22 के मध्य मनरेगा जॉबकार्डों में लगभग 19% अकुशल श्रमिकों के आंकड़ों में वृद्धि हुई। अर्थात जनपद में प्रति वर्ष लगभग 04% से 05% की औसतन वृद्धि हुई। उक्त आंकड़ों में विकासखण्ड बाजपुर द्वारा सबसे अधिक तथा विकासखण्ड रूद्रपुर द्वारा नकारात्मक रूप से योगदान दिया गया।
3. जनपदान्तर्गत मनरेगा जॉबकार्डों में पंजीकृत कुल अकुशल श्रमिकों की संख्या हेतु विगत पांच वर्षों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में प्रति वर्ष औसतन 53% जॉबकार्ड श्रमिक मनरेगा योजना से लाभान्वित नहीं हो पाते हैं। उक्त आंकड़ों में मैदानी विकासखण्डों का योगदान अपेक्षाकृत अधिक रहता है जिसमें विकासखण्ड काशीपुर के पंजीकृत मनरेगा श्रमिकों द्वारा प्रति वर्ष सबसे अधिक औसतन 67% के माध्यम से योगदान दिया जा रहा है।

4. जनपद के पर्वतीय विकासखण्ड (खटीमा) की अपेक्षा मैदानी विकासखण्डों में कम जॉबकार्ड जारी हुए हैं क्योंकि मैदानी विकासखण्डों में महात्मा गांधी नरेगा के अन्तर्गत काम की कम मांग का होना बताया गया है।
5. विकासखण्ड रूद्रपुर में जॉबकार्ड धारकों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट का होना, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन की पुष्टि को दर्शाता है।
6. मैदानी विकासखण्डों में रोजगार की सरलता एवं उपलब्धता के कारण मनरेगा में काम की कम मांग का होना ही मैदानी विकासखण्डों में सक्रीय जॉबकार्डों के योगदान को कम करता है।
7. वर्ष 2020–21 में कोरोना काल की वजह से जॉबकार्ड धारकों की संख्या में लगभग 12% की वृद्धि होना।

आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है–

जनपदान्तर्गत जारी मनरेगा जॉबकार्डो का वर्षवार एंव विकासखण्डवार विवरण							
क्र0स0	वर्ष / विकासखण्ड	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 के मध्य बदलाव
1	खटीमा	25371	25172	23116	20763	19485	30.2%
2	सितारगंज	22084	20026	18181	16701	16343	35.1%
3	गदरपुर	15764	15186	14325	13494	12286	28.3%
4	बाजपुर	15059	14458	11873	10388	9258	62.7%
5	जसपुर	14655	14547	13277	12129	11631	26.0%
6	काशीपुर	12490	11985	10061	11424	11085	12.7%
7	रूद्रपुर	11927	14897	13247	15955	15281	-21.9%
योग		**117350**	**116271**	**104080**	**100854**	**95369**	**23.0%**

जनपदान्तर्गत जारी कुल मनरेगा जॉबकार्डो की संख्या में वर्ष 2017–18 के बाद हुए बदलाव का वर्षवार एंव विकासखण्डवार विवरण						
क्र0स0	वर्ष / विकासखण्ड	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	औसतन
1	खटीमा	0.8%	8.9%	11.3%	6.6%	6.9%
2	सितारगंज	10.3%	10.1%	8.9%	2.2%	7.9%
3	जसपुर	0.7%	9.6%	9.5%	4.3%	6.0%
4	बाजपुर	4.2%	21.8%	14.3%	12.2%	13.1%
5	रूद्रपुर	-19.9%	12.5%	-17.0%	4.4%	-5.0%
6	काशीपुर	4.2%	19.1%	-11.9%	3.1%	3.6%
7	गदरपुर	3.8%	6.0%	6.2%	9.8%	6.5%
जनपदायोग		**0.9%**	**11.7%**	**3.2%**	**5.8%**	**5.4%**

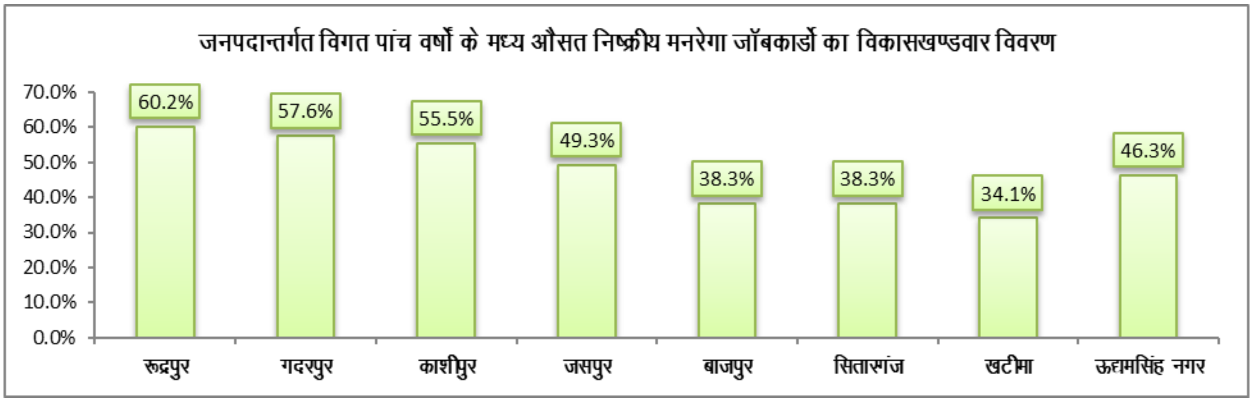

जनपदान्तर्गत जारी कुल मनरेगा जॉबकार्डों में पंजीकृत श्रमिकों की संख्या में वर्ष 2017–18 के बाद हुए बदलाव का वर्षवार एंव विकासखण्डवार विवरण						
क्र0स0	वर्ष / विकासखण्ड	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	औसतन
1	खटीमा	-8.2%	7.9%	6.7%	8.0%	3.6%
2	सितारगंज	2.0%	13.5%	9.8%	3.6%	7.2%
3	जसपुर	0.1%	9.1%	10.2%	6.3%	6.4%
4	बाजपुर	4.8%	25.9%	18.1%	9.1%	14.5%
5	रूद्रपुर	-21.7%	10.5%	-12.9%	2.1%	-5.5%
6	काशीपुर	5.1%	17.4%	-9.3%	5.0%	4.6%
7	गदरपुर	3.1%	7.0%	8.2%	5.6%	6.0%
जनपदायोग		**-3.0%**	**12.0%**	**4.0%**	**5.5%**	**4.6%**

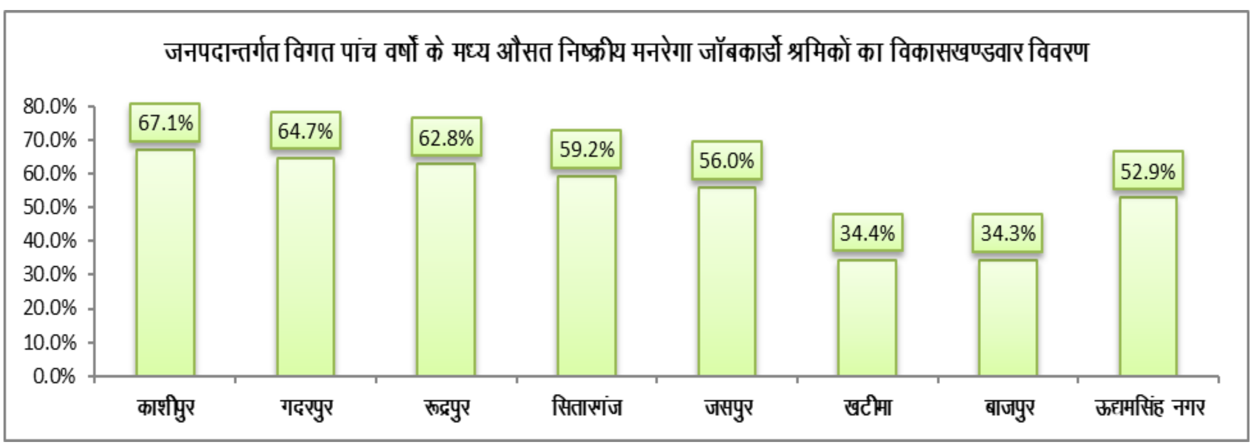

मनरेगा सक्रीय श्रमिक :– मनरेगा योजनान्तर्गत जनपद ऊधमसिंहनगर में वर्ष 2021–22 हेतु कुल पंजीकृत 199174 अकुशल श्रमिकों में से 98826 या 50% अकुशल श्रमिक ही काम कर रहे हैं। आंकड़ों में खटीमा विकासखण्ड के अतिरिक्त अन्य विकासखण्डों का अपेक्षाकृत कम योगदान रहा। आंकड़ों से निम्नवत तथ्य स्पष्ट होते हैं–

1. वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 के मध्य जनपदान्तर्गत लगभग 23% पंजीकृत मनरेगा श्रमिक सक्रीय हुए। उक्त आंकड़ों में सबसे अधिक योगदान जसपुर विकासखण्ड द्वारा दिया गया।

2. वर्ष 2017–18 से प्रति वर्ष जनपदान्तर्गत औसतन 4 से 5% पंजीकृत मनरेगा श्रमिक सक्रीय होते हैं, जिसमें सबसे अधिक योगदान बाजपुर विकासखण्ड द्वारा औसतन 16% के माध्यम से दिया गया।
3. वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 के मध्य जनपद में प्रति वर्ष औसतन 14% पंजीकृत मनरेगा अनुसूचित जाति के श्रमिक सक्रीय होते हैं। उक्त आंकड़ों में सबसे अधिक योगदान काशीपुर विकासखण्ड द्वारा औसतन 42% के माध्यम से दिया गया।
4. जनपद में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 के मध्य प्रति वर्ष औसतन 23% पंजीकृत मनरेगा अनुसूचित जनजाति तथा औसतन 50% पंजीकृत मनरेगा महिला श्रमिक सक्रीय हो रहे हैं। उक्त आंकड़ों में सबसे अधिक योगदान खटीमा विकासखण्ड द्वारा औसतन क्रमशः 47% व 63% के माध्यम से दिया गया।

जनपदान्तर्गत सक्रीय मनरेगा जॉबकार्ड श्रमिकों की संख्या में वर्ष 2017–18 से वृद्धिदर का वर्षवार एंव विकासखण्डवार विवरण						
क्र.स.	वर्ष / विकासखण्ड	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	औसतन
1	सितारगंज	18.3%	7.6%	7.1%	2.8%	9.0%
2	काशीपुर	0.1%	17.5%	5.2%	-4.7%	4.5%
3	बाजपुर	0.2%	20.1%	25.7%	17.7%	15.9%
4	गदरपुर	0.0%	0.0%	-2.3%	0.0%	-0.6%
5	खटीमा	1.1%	2.1%	1.6%	3.2%	2.0%
6	जसपुर	7.3%	8.9%	-7.6%	-2.6%	1.5%
7	रूद्रपुर	3.0%	0.6%	0.8%	1.4%	1.4%
जनपदायोग		**6.7%**	**8.3%**	**4.8%**	**1.8%**	**5.4%**

सृजित मानव दिवस :– जनपद में विगत पांच वर्षों के दौरान सृजित हुए मानव दिवसों हेतु विभागीय प्राप्त आंकड़ों से ज्ञात होता है कि प्रति वर्ष औसतन 13.20 लाख मानव दिवस सृजित होते हैं। आंकड़ों में सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बाजपुर द्वारा औसतन 2.66 लाख मानव दिवस के माध्यम से प्रति वर्ष दिया जा रहा है। वर्ष 2017–18 के पश्चात जनपद में प्रति वर्ष सृजित मानव दिवसों की संख्या में औसतन 01% की दर से बदलाव होता है। आंकड़ों में विकासखण्ड जसपुर के आंकड़ें अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा अधिक रहते हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

जनपदान्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य जॉबकार्ड धारकों द्वारा सृजित मानव दिवस का वर्षवार एंव विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण (लाख में)							
क्र0स0	वर्ष / विकासखण्ड	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	औसतन
1	खटीमा	2.29	2.73	2.35	2.12	1.83	2.26
2	सितारगंज	2.14	2.33	1.96	2.03	2.25	2.14
3	जसपुर	2.30	2.62	1.84	1.65	1.75	2.03
4	बाजपुर	2.63	3.09	2.55	2.70	2.35	2.66
5	रूद्रपुर	1.39	1.49	1.02	1.07	1.32	1.26
6	काशीपुर	1.29	1.24	1.18	1.14	1.53	1.28
7	गदरपुर	1.58	1.74	1.51	1.42	1.60	1.57
जनपदायोग		**13.63**	**15.24**	**12.40**	**12.11**	**12.62**	**13.20**

जनपदान्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य जॉबकार्ड धारकों द्वारा सृजित मानव दिवस में वृद्धिदर का वर्ष 2017–18 के पश्चात वर्षवार एंव विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण						
क्र0स0	वर्ष / विकासखण्ड	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	औसतन
1	खटीमा	-19.1%	14.1%	9.8%	13.8%	4.6%
2	सितारगंज	-8.7%	15.6%	-3.4%	-10.8%	-1.8%
3	जसपुर	-13.9%	29.7%	10.3%	-6.3%	5.0%
4	बाजपुर	-17.3%	17.6%	-5.8%	12.7%	1.8%
5	रूद्रपुर	-7.0%	31.9%	-5.3%	-23.6%	-1.0%
6	काशीपुर	3.9%	5.0%	3.8%	-34.8%	-5.5%
7	गदरपुर	-10.1%	13.1%	6.4%	-12.7%	-0.8%
जनपदायोग		**-11.8%**	**18.6%**	**2.4%**	**-4.3%**	**1.2%**

100 मानव दिवस :–जनपद में विगत पांच वर्षों के दौरान 100 मानव दिवस पूर्ण करने वाले परिवारों हेतु विभागीय प्राप्त आंकड़ों से ज्ञात होता है कि प्रति वर्ष औसतन 1789 परिवार 100 मानव दिवस पूर्ण करते हैं। आंकड़ों में सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड जसपुर के औसतन 444 परिवार द्वारा प्रति वर्ष दिया गया। उक्त आंकड़ों में वर्ष 2017–18 के पश्चात जनपद में प्रति वर्ष 100 मानव दिवस पूर्ण करने वाले परिवारों की संख्या में औसतन 16% की गिरावट होती है। यह प्रभाव विकासखण्ड काशीपुर में अधिक देखा जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

जनपदान्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य 100 दिवस की मजदूरी पूर्ण करने वाले परिवारों का वर्षवार एंव विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण							
क्र0स0	वर्ष / विकासखण्ड	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	औसतन
1	खटीमा	122	218	215	315	285	231
2	सितारगंज	281	251	236	97	178	209
3	जसपुर	394	705	302	389	429	444
4	बाजपुर	181	517	279	492	465	387
5	रूद्रपुर	266	331	168	187	292	249
6	काशीपुर	104	83	60	128	386	152
7	गदरपुर	140	195	101	60	95	118
जनपदायोग		**1488**	**2300**	**1361**	**1668**	**2130**	**1789**

जनपदान्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य 100 दिवस की मजदूरी पूर्ण करने वाले परिवारों की संख्या में वृद्धिदर का वर्षवार एंव विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण						
क्र0स0	वर्ष / विकासखण्ड	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	औसतन
1	खटीमा	-78.7%	1.4%	-46.5%	9.5%	-28.6%
2	सितारगंज	10.7%	6.0%	58.9%	-83.5%	-2.0%
3	जसपुर	-78.9%	57.2%	-28.8%	-10.3%	-15.2%
4	बाजपुर	-185.6%	46.0%	-76.3%	5.5%	-52.6%
5	रूद्रपुर	-24.4%	49.2%	-11.3%	-56.1%	-10.7%
6	काशीपुर	20.2%	27.7%	-113.3%	-201.6%	-66.7%

7	गदरपुर	-39.3%	48.2%	40.6%	-58.3%	-2.2%
जनपदायोग		**-54.6%**	**40.8%**	**-22.6%**	**-27.7%**	**-16.0%**

कार्य :– मनरेगा योजना के अन्तर्गत जनपद ऊधमसिंह नगर में निर्मित हो रहे कार्यों हेतु विभाग से प्राप्त आंकड़ों से निम्नवत स्पष्टता होती है :–

1. जनपद में प्रति वर्ष औसतन 8817 गतिमान कार्यों में अधिक योगदान विकासखण्ड खटीमा का रहा।
2. विगत पांच वर्षों में वर्ष 2017–18 के पश्चात प्रति वर्ष गतिमान कार्यों की संख्या में औसतन 10% की वृद्धि रही। उक्त वृद्धि में विकासखण्ड जसपुर का योगदान अधिक रहा।
3. जनपद में प्रति वर्ष औसतन 5411 पूर्ण कार्यों हेतु अधिक योगदान विकासखण्ड सितारगंज का रहा। अर्थात जनपद में गतिमान कार्यों के सापेक्ष कार्य पूर्ण होने की दर औसतन 61% रहता है।
4. वर्ष 2017–18 के पश्चात प्रति वर्ष पूर्ण होने वाले कार्यों की संख्या में औसतन 7% की वृद्धि रही। उक्त वृद्धि में विकासखण्ड खटीमा का योगदान अधिक रहता है किन्तु विकासखण्ड जसपुर और गदरपुर द्वारा नकारात्मक योगदान दिया जाता है।
5. वर्ष 2017–18 के पश्चात प्रति वर्ष औसतन 57% कार्य अपूर्ण रहते है। उक्त आंकड़ों में विकास खण्ड रूद्रपुर द्वारा औसतन 68% के माध्यम से योगदान दिया गया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन :–ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत कमजोर वर्ग के परिवारों की आर्थिकी को सुदृढ़ करने एवं निरन्तर आजीविका संवर्द्धन के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन भारत सरकार द्वारा संचालित की जा रही है। उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों की महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों का गठन कर ग्राम संगठन एवं कलस्टर स्तरीय संगठन को भी गठित किया जाता है जिनके माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फण्ड तथा सामुदायिक निवेश फण्ड उपलब्ध करवाया जाता है जिससे महिलाएं अपनी छोटी जरूरतों की पूर्ति के साथ आपसी लेन–देन एवं आर्थिक गतिविधियों को संचालित कर अपनी आजीविका को सुदृढ़ करती हैं। जनपद में गठित स्वयं सहायता समूहों के विभागीय मई 2023 तक प्राप्त आंकड़ों से निम्नवत बिन्दुओं की स्पष्टता होती है :–

1. स्वयं सहायता समूहों को पूर्ण जानकारी एवं सुविधाएं दिये जाने हेतु लेखा सहायक, क्षेत्र समन्वयक, ब्लॉक मिशन प्रबंधक, ब्लॉक मिशन समन्वयक तथा ब्लॉक MIS कार्यकारी स्तर के कुल 29 कार्मिक मई 2023 तक जनपद में कार्य कर रहे हैं।
2. जनपद में विगत वर्षों से मई 2023 तक कुल 6897 स्वयं सहायता समूहों को गठन किया गया है जिनमें 68665 कमजोर वर्ग महिलाओं को जोड़ते हुए राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है।
3. जनपद की कुल 395 ग्राम पंचायतों में से 384 ग्राम पंचातयों में विभाग द्वारा NRLM के अन्तर्गत मई 2023 तक कुल 6897 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया जिनमें से 19 स्वयं सहायता समूह 5 से कम सदस्य वाले समूह हैं। जनपद में 11 ग्राम पंचायतें अभी भी उक्त योजना से वंचित हैं।
4. NRLM के अन्तर्गत जनपद में सभी सामाजिक श्रेणियों में स्वयं सहायता समूहों को गठित कर कमजोर वर्ग की 68665 महिलाओं को जोड़कर आजीविका के संसाधनों से जोड़ा जा रहा है।
5. विभाग द्वारा मई 2023 तक कुल गठित 6897 समूहों में से 5308 स्वयं सहायता समूहों को रूपये 10 हजार प्रति समूह की दर से रूपये 530.80 लाख की धनराशि वितरित की जा चुकी है, जबकि आगामी तीन माह में 1379 स्वयं सहायता समूहों को कुल रूपये 137.90 लाख की धनराशि वितरण की कार्यवाही की जा रही है।
6. जनपद अन्तर्गत बाजपुर, काशीपुर, खटीमा और रूद्रपुर में कुछेक स्वयं सहायता समूहों द्वारा विगत वर्षों के मध्य 28 एग्री न्यूट्री गार्डन स्थापित किये जाने के साथ 7.75 हेक्टेयर भूमि को अभी तक आच्छादित किया गया है।

7. NRLM के उद्देश्य पूर्ति हेतु विभाग द्वारा 7993 महिलाओं की आय को आतिथि तक रूपये 1.00 लाख से अधिक कर दिया गया है, किन्तु स्वयं सहायता समूह से जुडे 4888 महिला परिवारों की आय अभी भी 25 हजार से कम है। अर्थात विभाग को महिलाओं की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के साथ–साथ विपणन, मार्केटिंग, प्रोसेसिंग जैसी गतिविधियों को मजबूत किये जाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है–

क्र0स0	विकासखण्ड	स्वयं सहायता समूह का विवरण				समूहों से जुड़े कुल सदस्य
		नये गठित	पुनर्जीवित	NLRM से पूर्व के समूह	कुल समूह	
1	खटीमा	986	1	389	1376	13773
2	सितारगंज	1067	1	114	1182	11621
3	गदरपुर	998	3	51	1052	10418
4	काशीपुर	814	0	124	938	9220
5	जसपुर	823	2	66	891	9103
6	रूद्रपुर	674	13	51	738	7324
7	बाजपुर	672	0	48	720	7206
योग		**6034**	**20**	**843**	**6897**	**68665**

क्र0स0	विकासखण्ड	कुल ग्राम पंचायत	स्वयं सहायता समूह का विवरण			
			समूह से आच्छादित ग्राम पंचायत	समूह से वंचित ग्राम पंचायत	पांच से कम सदस्य वाले समूह	कुल समूह
1	बाजपुर	58	52	-6	5	720
2	गदरपुर	52	51	-1	3	1052
3	जसपुर	52	52	0	2	891
4	काशीपुर	41	40	-1	0	938
5	खटीमा	66	66	0	8	1376
6	रूद्रपुर	51	50	-1	1	738
7	सितारगंज	75	73	-2	0	1182
योग		395	384	-11	19	6897

क्र0स0	विकासखण्ड	बैंक लिंकेज स्वयं सहायता समूहों का विवरण		
		बैंक से लिंक समूह	बैंक से अनलिंक समूह	कुल सदस्य
1	बाजपुर	0	720	720
2	गदरपुर	12	1040	1052
3	जसपुर	2	889	891
4	काशीपुर	1	937	938
5	खटीमा	1	1375	1376
6	रूद्रपुर	9	729	738
7	सितारगंज	0	1182	1182
योग		25	6872	6897

रिवोल्विंग फण्ड से जून 2023 तक लाभान्वित हुए एवं होने वाले स्वयं सहायता समूह का विवरण							
क्र0 स0	विकासखण्ड	रिवोल्विंग फण्ड से लाभान्वित समूह			रिवोल्विंग फण्ड से लाभान्वित होने के लिए पात्र समूह		
		नये गठित समूह	पुनर्जीवित/NLRM से पूर्व के समूह	कुल समूह	नये गठित समूह	पुनर्जीवित/NLRM से पूर्व के समूह	कुल समूह
1	बाजपुर	486	49	535	143	0	143
2	गदरपुर	758	37	795	192	17	209
3	जसपुर	638	65	703	153	3	156
4	काशीपुर	615	112	727	185	12	197
5	खटीमा	710	316	1026	277	99	376
6	रूद्रपुर	527	53	580	88	11	99
7	सितारगंज	841	101	942	185	14	199
योग		4575	733	5308	1223	156	1379

जून 2023 तक रिवोल्विंग फण्ड से के रूप में वितरित एवं होने वाली धनराशि का विवरण (धनराशि लाख में)							
क्र0स0	विकासखण्ड	वितरित रिवोल्विंग फण्ड			सम्भावित वितरण रिवोल्विंग फण्ड		
		नये गठित समूह	पुनर्जीवित/NLRM से पूर्व के समूह	कुल समूह	नये गठित समूह	पुनर्जीवित/NLRM से पूर्व के समूह	कुल समूह
1	बाजपुर	48.60	4.90	53.50	14.30	0.00	14.30
2	गदरपुर	75.80	3.70	79.50	19.20	1.70	20.90
3	जसपुर	63.80	6.50	70.30	15.30	0.30	15.60
4	काशीपुर	61.50	11.20	72.70	18.50	1.20	19.70
5	खटीमा	71.00	31.60	102.60	27.70	9.90	37.60
6	रूद्रपुर	52.70	5.30	58.00	8.80	1.10	9.90
7	सितारगंज	84.10	10.10	94.20	18.50	1.40	19.90
योग		457.50	73.30	530.80	122.30	15.60	137.90

उद्योग विभाग

भारत सरकार से ''विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज'' जनवरी 2003 में लागू होने के पश्चात उत्तराखण्ड राज्य में औद्योगिकीकरण के नये युग की शुरूवात हुई। फलस्वरूप राज्यान्तर्गत जनपद ऊधमसिंहनगर के कई स्थानों पर औद्योगिकीकरण का विकास अत्यन्त तीव्र गति से तीसरे स्थान पर हुआ। सारणीबद्ध आंकड़ों के अध्ययन से निम्नवत स्पष्टता होती है :–

1. जनपद में राज्यान्तर्गत प्रति उद्यम स्थापित करने में रूपये लगभग 50 हजार एवं प्रति व्यक्ति रोजगार सृजन में रूपये लगभग 06 हजार का सबसे अधिक पूँजी निवेश किया गया अर्थात जनपदान्तर्गत सूक्ष्म एवं लघु उद्यम स्थापित होने के साथ–साथ मध्यम उद्यम की भूमिका भी अधिक होगी किन्तु जनपद उत्तरकाशी एवं पिथौरागढ़ में ये आंकड़ें सबसे कम प्रकट हुए।

2. मैदानी जनपदों की अपेक्षा पर्वतीय जनपदों में उद्यम स्थापित होने एवं रोजगार सृजन के आंकड़ें बहुत न्यूनतम हैं। अर्थात पर्वतीय जनपदों की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए आगामी उद्योग नीति तैयार की जानी चाहिए–

राज्य गठन के बाद से 31 मार्च 2022 तक स्थापित उद्यमों का जनपदवार विवरण						
क्र0स0	जनपद	स्थापित कुल उद्यम	स्थापित उद्यमों में रोजगार सृजन	स्थापित उद्यमों में कुल पूँजी निवेश	प्रति उद्यम स्थापित होने पर कुल पूँजी निवेश	प्रति व्यक्ति रोजगार सृजन पर कुल पूँजी निवेश
1	हरिद्वार	12184	111033	5262.79	0.43194	0.04740
2	देहरादून	10015	71367	1912.48	0.19096	0.02680
3	ऊधमसिंहनगर	9612	74608	4596.73	0.47823	0.06161
4	पौड़ी गढ़वाल	7179	26339	740.91	0.10321	0.02813
5	टिहरी गढ़वाल	6009	18096	484.02	0.08055	0.02675
6	नैनीताल	5132	23485	1312.99	0.25584	0.05591
7	अल्मोड़ा	4849	12097	259.99	0.05362	0.02149
8	उत्तरकाशी	4594	9477	153.99	0.03352	0.01625
9	चमोली	3745	8457	129.07	0.03446	0.01526
10	पिथौरागढ़	3724	8996	132.78	0.03566	0.01476
11	रूद्रप्रयाग	2667	7318	159.35	0.05975	0.02178
12	बागेश्वर	2225	5279	86.90	0.03906	0.01646
13	चम्पावत	2026	5879	102.56	0.05062	0.01745
योग		**73961**	**382431**	**15334.56**	**0.20733**	**0.04010**

जनपद में उद्योगों से जहाँ काफी मात्रा में राजस्व की प्राप्ति की सम्भावना बनती है वहीं रोजगार उपलब्धता की प्रबल सम्भावनायें भी पैदा हो जाती है। विभाग की योजनाओं का विवरण निम्नवत है :–

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना :– भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या के निदान एवं बेरोजगारों का शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन को रोकने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 15 अगस्त 2008 को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना सम्पूर्ण भारत में जिला उद्योग केन्द्रों एवं जिला खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से संचालित की गयी। उत्तराखण्ड राज्य के जनपद ऊधमसिंहनगर में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2020–21 के मध्य उद्योग विभाग द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजनान्तर्गत उपलब्धि की स्पष्टता एवं आंकड़ों का विवरण निम्नवत है :–

1. विभाग द्वारा 184 के लक्ष्य के सापेक्ष 292 उद्यम यानी 59% लक्ष्य से अधिक उद्यम स्थापित किये गये साथ ही मार्जिन मनी के लक्ष्य में भी 62% की अधिक दर से उपलब्धि रही।
2. विभाग द्वारा कुल 2664.70 लाख का पूँजी निवेश करवाते हुए मु0 रूपये लगभग 12 लाख प्रति उद्यम स्थापित होने पर कुल पूँजी निवेश करवाते हुए 1600 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया अर्थात जनपदान्तर्गत प्रति व्यक्ति रोजगार उपलब्ध करवाये जाने में विभाग को औसतन लगभग रूपये 2.18 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया।
3. जनपदान्तर्गत प्रति व्यक्ति रोजगार उपलब्ध किये जाने हेतु परिव्यय की जा रही कुल पूँजी निवेश में विगत चार वर्षों के दौरान कोई बदलाव देखेने को नहीं मिला।

वर्ष 2017–18 से वर्ष 2020–21 के मध्य प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का विवरण (धनराशि लाख में)							
क्र0 सं0	वर्ष	भौतिक लक्ष्य	मार्जिन मनी लक्ष्य	लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	स्वीकृत ऋण	मार्जिन मनी	रोजगार सृजन
1	2017-18	44	110.02	56	554.59	173.89	332
2	2018-19	44	110.02	73	533.13	164.14	321
3	2019-20	48	143.99	51	470.87	144.46	283
4	2020-21	48	143.99	112	1106.1	340.62	664
योग		**184**	**508.02**	**292**	**2664.7**	**823.11**	**1600**

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना :–उत्तराखण्ड राज्य में कुशल एवं अकुशल दस्तकारों एवं हस्तशिल्पियों तथा शिक्षित शहरी व ग्रामीण बेरोजगारों को अभिप्रेरित कर यथासम्भव उनके आवासीय स्थल के समीप रोजगार के सुअवसर प्रदान किये जाने एवं पलायन को कम करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना वित्तीय वर्ष 2020–21 में संचालित की गई। योजना अन्तर्गत उद्योग, सेवा, व्यवसाय के साथ–साथ प्राथमिक क्षेत्र अन्तर्गत नकदी कृषि/बागवानी, पशुपालन, मुर्गीपालन, मत्स्यपालन, डेरी, मांस प्रसोधन जैसी कई गतिविधियां सम्मिलित की गई हैं। योजनान्तर्गत जनपद ऊधमसिंहनगर में वर्ष 2020–21 से वर्ष 2021–22 के मध्य कुल 436 उद्यम स्थापित किये गये। विभाग द्वारा उपलब्ध आंकडों से निम्नवत स्पष्टता होती है :–

1. विभाग द्वारा 200 के लक्ष्य के सापेक्ष 215 उद्यम यानी 8%लक्ष्य से अधिक उद्यम स्थापित किये गये।
2. योजनान्तर्गत विभाग द्वारा प्रति व्यक्ति रोजगार उपलब्ध करवाये जाने में औसतन लगभग रूपये 2.22 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया।
3. विभाग द्वारा कुल मु0 रूपये 1432.77 लाख का पूँजी निवेश करवाते हुए मु0 रूपये लगभग 6.66 लाख प्रति उद्यम स्थापित होने पर कुल पूँजी निवेश करवाते हुए 645 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया।
4. विभाग द्वारा जहाँ एक ओर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के सापेक्ष मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना में लगभग 50% पूँजी निवेश की कमी से प्रति उद्यम स्थापित तो किये गये किन्तु प्रति व्यक्ति रोजगार उपलब्ध करवाये जाने में औसतन लगभग रूपये 0.04 लाख की धनराशि काअधिक परिव्यय किया गया अर्थात कम से कम परिव्यय में अधिक से अधिक रोजगार दिये जाने हेतु कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना (धनराशि लाख में)						
क्र0सं0	वर्ष	भौतिक लक्ष्य	लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	स्वीकृत ऋण	मार्जिन मनी	रोजगार सृजन
1	2020-21	200	215	1245.76	187.014	645

उत्तराखण्ड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड :–

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों को स्थापित करते हुए रोजगार के अवसर सृजन करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी0एम0ईजी0पी0)नामक एक ऋण सहबद्ध सब्सिडी कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा संचालित की गई है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है जिसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है। योजना का कार्यान्वयन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के प्रशासनिक नियन्त्रण में राष्ट्रीय स्तर पर एक मात्र नोडल एजेन्सी खादी ग्रामोद्योग आयोग करता है।

(क) राज्य स्तर पर निम्न स्तरों से इस योजना को संचालित किया जाता है–

1. खादी ग्रामोद्योग आयोग

2. उत्तराखण्ड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड
3. उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड

(ख) जनपद स्तर पर तीन विभागों द्वारा कियान्वयन किया जाता है।
1. खादी ग्रामोद्योग आयोग
2. उत्तराखण्ड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड
3. जिला उद्योग केन्द्र

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी0एम0ईजी0पी0) योजना हेतु विगत वर्षों के मध्य हुई प्रगति के आंकड़ों का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण निम्नरूपेण सारणीबद्ध किया गया हैः–

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना का वर्षवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण					
वर्ष	लाभार्थी की संख्या	ऋण वित0 लाख में	अनु0 मा0मनी लाख में	प्रति माह आय	रोजगार
2017	40	489.40	158.49	5.02	491
2018	14	78.34	23.86	0.24	18
2019	53	460.87	140.03	8.81	461
2020	30	342.68	119.98	22.05	343
2021	29	248.50	86.79	33.91	226
योग	**166**	**1619.79**	**529.14**	**70.03**	**1539**
प्रति लाभार्थी औसतन		**9.76**	**3.19**	**0.4219**	**9**

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण					
विकासखण्ड	लाभार्थी की संख्या	ऋण वित0 लाख में	अनु0 मा0मनी लाख में	प्रति माह आय	रोजगार
बाजपुर	56	607.44	202.4	45.55	581
सितारगंज	30	307.64	98.50	14.22	311
गदरपुर	24	260.04	78.55	3.20	252
रूद्रपुर	14	151.50	53.02	1.83	155
जसपुर	8	101.50	35.02	1.10	102
खटीमा	21	102.67	35.49	2.14	102
काशीपुर	13	89.00	26.15	2.54	90
योग	**166**	**1619.79**	**529.14**	**70.03**	**1539**

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ऊधमसिंह नगर द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना हेतु प्राप्त उपरोक्त आंकड़ों के अध्ययन से निम्नवत स्पष्टता होती है :–

1. विगत पांच वर्षों के मध्य औसतन रूपये 09.00 लाख के पूँजी निवेश किये जाने के उपरान्त 01 लाभार्थी को लाभान्वित किया गया, जिनके माध्यम से 09 अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया गया।
2. जनपदान्तर्गत स्थापित किये जा रहे उद्यम से औसतन रूपये 42 हजार प्रति माह आय उत्पन्न हो रही है।
3. बोर्ड द्वारा विगत पांच वर्षों के मध्य लगभग 63 सूक्ष्म एवं लघु उद्यम स्थापित करवाये गये।
4. जनपदान्तर्गत उक्त अवधि में सिलाई, तेल घानी, फर्नीचर, ग्रिल, चप्पल निर्माण, टैन्ट हाउस, आटा मिल तथा राइस मिल स्थापित करने में युवाओं द्वारा अन्य उद्यमों की अपेक्षा अधिक रूचि दिखाई गयी।

5. विगत पांच वर्षों के मध्य प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के आंकड़ों में बाजपुर विकासखण्ड का अधिक योगदान रहा।

मत्स्य विभाग

स्वरोजगार एवं आजीविका हेतु सुअवसर प्रदान करने में मत्स्य पालन की गतिविधि भी राज्य में अपना अलग ही महत्व रखता है। राज्यान्तर्गत जनपद ऊधमसिंह नगर के सामाजिक–आर्थिकी विकास को सुदृढ़ करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन पर अंकुश लगाने में मत्स्य पालन जैसी गतिविधि द्वारा भी अपना सहयोग दिया जाता है। जनपद में लगभग 2921.349 मीट्रिक टन मछली उत्पादन हो रहा है जिसे बढ़ाये जाने की जनपद में अपार सम्भावनायें हैं। विभाग की योजनाओं का विवरण एवं स्पष्टता निम्नवत है :–

जिला सैक्टर अन्तर्गत संचालित की जाने वाली योजनाऐं

(अ) जलाशयों का विकास योजना –

(1) प्राकृतिक जल राशियों में मत्स्य बीज संचय एवं संरक्षण

(2) जनमानस मे मात्स्यिकी संरक्षण एवं जनचेतना बढ़ाने हेतु विभिन्न गोष्ठियों का आयोजन।

(ब) मत्स्य पालक सशक्तिकरण योजना –

(1) इन्सूलेटेड आईस बॉक्स –इस योजनान्तर्गत मत्स्य पालक को 50 प्रतिशत अनुदान पर इन्सूलेटड आईस बॉक्स उपलब्ध कराया जाता है।

(2) मिनी किट –मत्स्य पालक को 50 प्रतिशत अनुदान पर आवश्यक दवाईयॉ, पी0एच0 मीटर, पल्लवक एवं ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाये जाने हेतु रसायन, चूना आदि सामग्रियाँ उपलब्ध करायी जाती है।

(3) बत्तख बाड़ा निर्माण –समन्वित मत्स्य पालन हेतु बत्तख बाड़ा निर्माण पर 50 प्रतिशत अनुदान देय है।

(4) तालाब सुधार एवं निवेश –1.00 है0 तालाब सुधार एवं निवेश के मानक व्यय रूपये 5.00 लाख पर 50 प्रतिशत अनुदान देय है।

राज्य सैक्टर अन्तर्गत संचालित की जाने वाली योजनाऐं

(अ) अनुसूचित जाति उपयोजना (एस0सी0एस0पी0)– योजनान्तर्गत किये जाने वाले कार्यो का विवरण –

(1) मैदानी तालाब निर्माण : अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को 1.00 हैक्टेयर क्षेत्रफल के तालाब निर्माण एवं निवेश की कुल लागत रू0 8.50 लाख पर 60 प्रतिशत अनुदान रूपये 5.10 लाख अनुदान देय है।

(ब) मत्स्य पालन विविधिकरण योजना :–

(1) तालाब सुधार–पूर्व से मत्स्य पालन का कार्य कर रहे व्यक्तियों को 1.00 है0 के तालाब सुधार हेतु मानक व्यय रूपये 3.50 लाख एवं निवेश हेतु मानक व्यय रूपये 1.50 लाख पर 60 प्रतिशत अनुदान देय है।

(स) अनुसूचित जनजाति उपयोजना (टी0एस0पी0) – योजनान्तर्गत किये जाने वाले कार्यो का विवरण निम्नवत् है:–

(1) मैदानी तालाब निर्माण – 1.00 हैक्टेयर क्षेत्रफल के तालाब निर्माण एवं निवेश की कुल लागत रू0 8.50 लाख पर 60 प्रतिशत अनुदान रूपये 5.10 लाख अनुदान देय है।

(2) मत्स्य पालन विविधिकरण योजना :

(अ) तालाब सुधार– 1.00 है0 के तालाब सुधार हेतु मानक व्यय रूपये 3.50 लाख एवं निवेश हेतु मानक व्यय रूपये 1.50 लाख पर 60 प्रतिशत अनुदान देय है।

केन्द्र पोषित प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना

(1) न्यू ग्रो आउट पॉण्ड का निर्माण –1.00 हैक्टेयर क्षेत्रफल के तालाब निर्माण एवं निवेश की कुल लागत रू0 11.00 लाख पर सामान्य वर्ग के लाभार्थी को 40 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभार्थी को 60 प्रतिशत अनुदान अनुदान देय है।

(3) बायोफ्लॉक यूनिट की स्थापना – इस कार्यक्रम में अन्तर्गत कार्यो का विवरण निम्नवत् है–

(अ) स्मॉल बायोफ्लॉक (07 टैंक) यूनिट की स्थापना के मानक व्यय रू0 7.50 लाख पर सामान्य वर्ग के लाभार्थी को 40 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभार्थी को 60 प्रतिशत अनुदान क्रमशः रू0 3.00 लाख एवं रूपये 4.50 लाख अनुदान देय है।

(ब) मध्यम बायोफ्लॉक (25 टैंक) यूनिट की स्थापना के मानक व्यय रू0 25.00 लाख पर सामान्य वर्ग के लाभार्थी को 40 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभार्थी को 60 प्रतिशत अनुदान क्रमशः रू0 10.00 लाख एवं रूपये 15.00 लाख अनुदान देय है।

(स) वृहद बायोफ्लॉक (50 टैंक) यूनिट की स्थापना के मानक व्यय रू0 50.00 लाख पर सामान्य वर्ग के लाभार्थी को 40 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभार्थी को 60 प्रतिशत अनुदान क्रमशः रू0 20.00 लाख एवं रूपये 30.00 लाख अनुदान देय है।

(4) मोटर साईकिल विद आईस बॉक्स –मोटर साईकिल के मूल्य रू0 0.75 लाख के मानक व्यय पर सामान्य वर्ग के लाभार्थी को 40 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभार्थी को 60 प्रतिशत अनुदान देय है।

विभाग द्वारा केन्द्र, राज्य एवं जिला योजनामय मनरेगा के अन्तर्गत जनपद में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 के मध्य लगभग 353 मत्स्य पालकों को लाभान्वित करते हुए लगभग 116.20 हेक्टेयर भूमि पर मत्स्य तालाबों का निर्माण करवाया गया। विभाग द्वारा जनपद के मत्स्य पालकों की आय में इस व्यवसाय से सालाना लगभग रूपये 10 हजार से 2 लाख 40 हजार तक की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। मत्स्य पालकों द्वारा जनपद में भारतीय मेजर कार्प, पंगेशियस फिश कल्चर, सिंघी, देशी मांगुर के साथ–साथ बत्तख पालन भी किया जा रहा है। जनपद में मत्स्यपालकों के आंकड़ों का विवरण एवं स्पष्टता निम्नवत बिन्दुओं में उल्लिखित किया गया है।

1. जनपदान्तर्गत जिला योजना मय मनरेगा में सबसे अधिक लगभग 145 लाभार्थियों की लगभग 15.35 हेक्टेयर भूमि पर मत्स्य तालाबों का निर्माण करवाया गया जबकि राज्यपोषित योजनाओं से लगभग 99 मत्स्यपालकों को जोड़ते हुए लगभग 26.25 हेक्टेयर भूमि पर मत्स्य तालाबों का निर्माण किया जाता है।
2. विभाग द्वारा केन्द्रपोषित योजनान्तर्गत वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 के मध्य कुल 109 लाभार्थियों को लाभान्वित कर जनपद में सबसे अधिक लगभग 74.60 हेक्टेयर भूमि पर मत्स्य तालाबों का निर्माण किया गया।
3. मत्स्य विभाग द्वारा वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 के मध्य विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत जनपद में सबसे अधिक विकासखण्ड रूद्रपुर में लगभग 23 लाभान्वितों को मत्स्य व्यवसाय से जोड़ते हुए सबसे अधिक लगभग 33 हेक्टेयर भूमि पर मत्स्य तालाबों का निर्माण करवाया गया, अर्थात जनपद में मत्स्य पालन के क्षेत्र में रोजगार के सुअवसर प्रदान किये जा सकते हैं।

उरेड़ा

जनपद के सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन पर अंकुश लगाने में उरेड़ा (उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण) विभाग अपनी बहुआयामी योजनाएं जैसे जल ऊर्जा योजना, सोलर ऊर्जा योजना, जैव ऊर्जा योजना, पवन ऊर्जा योजना, मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना तथा सौर थर्मल योजनाओं के माध्यम से अपना अमूल्य योगदान दे सकता है किन्तु जनपद में विभागीय वरिष्ठ परियोजना अधिकारी एवं अवर अभियन्ता जैसे महत्वपूर्ण पद रिक्त होने के कारण योजनाओं के सुचारू संचालन एवं सम्पादन में व्यवधान के साथ–साथ सार्थक परिणाम को प्राप्त होना भी मुमकिन नहीं है।

विभाग द्वारा जनपद में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य सोलर ऊर्जा योजना, जैव ऊर्जा योजना तथा मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत क्रमशः 635 सोलर स्ट्रीट लाईट, 335 पारिवारिक बायोगैस तथा 06 सोलर पावर संयत्र की स्थापना का कार्य किया गया। सारणीबद्ध आंकड़ों के अध्ययन से निम्नवत स्पष्टता होती है :–

1. विभाग द्वारा उपलब्ध करवाये गये आंकड़ों से किसी भी परिवार को रोजगार–स्वरोजगार से जोड़ने की स्पष्टता नहीं होती है।
2. विभाग द्वारा वर्ष 2009–10 से वर्ष 2021–22 के मध्य कुल 1558 पारिवारिक बायोगैस को स्थापित करवाये गए जिनमें से कई बायोगैस संयत्र आज सक्रीय स्थिति में नहीं हैं अर्थात ग्रामीणों में उक्त योजना के बहुआयामी उपयोगिता की जानकारी का अभाव है।
3. विभाग बजट के अभाव में सोलर स्ट्रीट लाईट के आंकड़ों में भी पीछे रहता है।
4. जनपद के सभी विकासखण्डों में संचालित योजनाओं का आच्छादन कम है।
5. मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत जनपद में मात्र 06 व्यक्तियों को 25–25 किलोवाट के क्षमता वाले सोलर पावर संयत्रों को स्थापित कर लाभान्वित किया गया जिसमें विकासखण्ड रूद्रपुर में 03 तथा विकासखण्ड बाजपुर, जसपुर व खटीमा 01–01 संयत्र द्वारा योगदान दिया गया।
6. जनपद में सोलर थर्मल योजना के तहत वर्ष 2019–20 में बाजपुर एवं सितारगंज के एक–एक विद्यालयों में 1500–1500 LPD क्षमता वाले सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम स्थापित किये गये।

पर्यटन विभाग

उत्तराखण्ड राज्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के कारण देश में अपना अलग ही महत्व रखता है, क्योंकि यहाँ पर्यटक स्थलों की भी भरमार है। योगदान हेतु राज्य में पर्यटकों को आकर्षित करने वाली सुविधाओं का अभाव है तथा राज्य में सुदृढ़ आधारभूत ढ़ाचे का अविकसित होने जैसी समस्याएं पर्यटन व्यवसाय को हतोत्साहित करती है। राज्यान्तर्गत पिछले कुछ समय से आधारभूत सुविधाओं को बढ़ाने के साथ–साथ पर्यटकों को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध किये जाने हेतु निरन्तर प्रयासरत है।

विभाग द्वारा पर्यटकों की सुविधा हेतु काशीपुर, रूद्रपुर, खटीमा, जसपुर, किच्छा, सितारगंज, बाजपुर तथा नानकमत्ता में पर्यटक आवास गृह, मार्गीय सुविधा, स्ट्रीट लाइट के साथ सड़क अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कराया गया है। क्योंकि ऊधमसिंह नगर में कुमाऊँ परिक्षेत्र एवं कार्बेट नैशनल पार्क का प्रवेश स्थल होने के साथ–साथ धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं नैसर्गिक सौन्दर्य से परिपूर्ण कई पर्यटक स्थल विद्यमान है। जनपद में पर्यटकों के आर्कषण हेतु नानकमत्ता, बौरजलाशय, गूलरभोज, कृत्रिम झील, क्रोकोडाईल पार्क एवं संजय वन आदि स्थल मौजूद हैं। जनपद से काफी संख्या में देशी–विदेशी पर्यटकों का आवागमन हर वर्ष लगा रहता है। जिनका विवरण निम्नवत सारणीबद्ध किया गया है–

जनपद में आने वाले पर्यटकों (तीर्थ यात्रियों सहित) की वर्षवार सूचना

वर्ष	भारतीय	भारतीय पर्यटको में प्रति वर्ष बदलाव	विदेशी	विदेशी पर्यटको में प्रति वर्ष बदलाव	कुल	भारतीय व विदेशी पर्यटको में प्रति वर्ष बदलाव
2013-14	122765	NA	1613	NA	124378	NA
2014-15	128903	5%	1721	7%	130624	5%
2015-16	130703	1%	1771	3%	132474	1%
2016-17	132515	1%	1728	-2%	134243	1%
2017-18	139140	5%	1654	-4%	140794	5%
2018-19	152022	9%	1853	12%	153875	9%
2019-20	161182	6%	1950	5%	163132	6%
2020-21	99466	-38%	366	-81%	99832	-39%
2021-22	182262	83%	156	-57%	182418	83%
2022-23	227515	25%	856	449%	228371	25%

वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 तक विभागीय कार्यों का विवरण :– विभाग द्वारा जिला योजना के तहत कुल रूपये 326.31 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए कुल 63 विभिन्न क्षेत्रों का सौन्दर्यीकरण एवं योजनाओं का निर्माण विगत पांच वर्षों के अन्तर्गत करवाया गया। उल्लिखित आकड़ों में वित्तीय वर्ष 2021–22 में अन्य वर्षों की अपेक्षा कुल 34 योजनाओं का निर्माण करवाया गया जिस पर विभाग द्वारा कुल रूपये 156.19 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया। जिसमें विकासखण्ड रूद्रपुर का योगदान अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा अधिक रहा।

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना :– विभाग द्वारा उक्त योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2018–19 से वर्ष 2022–23 के मध्य वाहन मद में 29 व गैर वाहन मद में 06 कुल 35 आवेदकों को बैंकों के माध्यम से वित्तपोषित करवाते हुए जनपद के युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध करवाया गया। अनुदान के रूप में विभाग द्वारा उल्लिखित अवधि में कुल रूपये 203.23 लाख की धनराशि आंवटित की गई। आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में विगत पांच वर्षों के मध्य प्रति लाभार्थी को लाभान्वित करने में लगभग रूपये 15.00 लाख का पूँजी निवेश एवं रूपये 3.00 लाख शासकीय अनुदान अथवा रूपये लगभग 18.00 लाख की धनराशि का औसतन परिव्यय प्रति वर्ष, प्रति लाभार्थी किया गया।

दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास (होम–स्टे) विकास योजना :–राज्य में आने वाले देशी–विदेशी पर्यटकों को राज्य की लोक संस्कृति एवं लोक कलाओं आदि से रूबरू करवाने के साथ ही साफ सुथरी आवासीय तथा खान–पान की सुविधा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रो में प्रदान करना जिससे स्थानीय निवासियों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाया जा सके, के क्रम में प्रदेश में निरन्तर हो रहे पलायन को रोकने, रोजगार प्रदान करने, स्थानीय संस्कृति व उत्पादों से परिचित कराने के उद्देश्य से दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास (होम–स्टे) विकास योजना वर्ष 2018 में प्रारम्भ की गई है। जनपदान्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य मात्र 11 होमस्टे ही पंजीकृत हुए जिसमें से मात्र 02 होमस्टे के लिए विभाग द्वारा वित्तपोषण की सुविधा दी गयी। जो कि बहुत ही न्यूनतम आंकड़ा है, जबकि होमस्टे योजना के विस्तारीकरण हेतु जनपद में अपार सम्भावनाएं हैं।

उद्यान विभाग

औद्यानिकी विकास के लिए जनपद ऊधमसिंहनगर में अपार सम्भावनाएं हैं। क्योंकि जनपदान्तर्गत 03 सामुदायिक फल संस्करण केन्द्र (रूद्रपुर, बाजपुर, काशीपुर) तथा 14 उद्यान सचल दल केन्द्र (प्रत्येक विकासखण्ड पर दो) तथा 04 राजकीय उद्यान (रूद्रपुर, गदरपुर, काशीपुर, सितारगंज) मौजूद हैं। जनपद में प्रमुखतया फल पौध, सब्जी पौध, सब्जी बीज, का उत्पादन एवं वितरण अधिकांश रूप से होता है। विभाग द्वारा जनपदान्तर्गत सम्पादित किये जा रहे कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत दिया गया है–

अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्यानिक विकास :– जनपद में विगत पांच सालों के मध्य विभाग द्वारा अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्यानिक विकास हेतु कुल रूपये 6.70 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 50.5 हेक्टेयर भूमि को आच्छादित कर कुल 65 परिवारों को लाभान्वित किया गया। विभाग द्वारा औसतन लगभग 216 फलपौध का वितरण प्रतिवर्ष किया जा रहा, जो कि बहुत न्यूनतम आंकड़ा है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

जनपद के अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्यानिक विकास का				
वर्ष / मद	वित्तीय	भौतिक (हे0)	वितरित फलपौध संख्या	लाभान्वित परिवार
2018–19	1.23	9	2502	13
2019–20	0.73	5.5	1529	7
2020–21	1.65	15	4170	17
2021–22	1.29	11	3078	15
2022–23	1.80	10	2780	13
योग	6.70	50.5	14059	65
औसतन	**0.10**	**0.78**	**216.29**	**1**

50 प्रतिशत रा0 सहायता के अन्तर्गत चयनित क्षेत्रों में विभिन्न फलों एवं फल पट्टियों के विकास कार्यक्रम :–विगत पांच वर्षों के मध्य जनपदान्तर्गत विभाग द्वारा 50 प्रतिशत रा0 सहायता के अन्तर्गत चयनित क्षेत्रों में विभिन्न फलों एवं फल पट्टियों के विकास कार्यक्रम कुल रूपये 39.99 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 285.2 हेक्टेयर भूमि को आच्छादित कर कुल 355 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। विभाग द्वारा औसतन रूपये 11 हजार का परिव्यय करते हुए प्रति लाभार्थी 0.80 हेक्टेयर भूमि पर फल पट्टी का विस्तारीकरण किया जा रहा, जो कि बहुत न्यूनतम आंकड़ा है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

जनपदान्तर्गत चयनित क्षेत्रों में विभिन्न फलों एवं फल पट्टियों के विकास हेतु 50 प्रतिशत रा0 सहायता का वर्षवार विवरण			
वर्ष/मद	वित्तीय	भौतिक (हे0)	लाभार्थी संख्या
2018–19	9.90	76.00	91
2019–20	5.64	46.00	59
2020–21	6.09	51.00	63
2021–22	5.55	45.00	57
2022–23	12.81	67.20	85
योग	**39.99**	**285.20**	**355**
औसतन	**0.11**	**0.80**	**1**

औद्यानिक फसलों पर कीट व्याधि की रोकथाम 60 प्रतिशत रा0 सहायता कार्यक्रम :– जनपद में विगत पांच सालों के मध्य विभाग द्वारा औद्याानिक फसलों पर कीट व्याधि की रोकथाम 60 प्रतिशत रा0 सहायता कार्यक्रम अन्तर्गत कुल रूपये 70.67 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 21003 किग्रा/लीटर कीटनाशक कुल 3921 परिवारों के औद्यानिक फसलों पर कीट व्याधि की रोकथाम के रूप में वितरित किया गया। अर्थात विभाग द्वारा औसतन लगभग रूपये 2 सौ का परिव्यय करते हुए 5.36 किग्रा/लीटर कीटनाशक प्रति लाभार्थी प्रति वर्ष वितरित किया जा रहा है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

जनपदान्तर्गत औद्यानिक फसलों पर कीट व्याधि की रोकथाम 60 प्रतिशत रा0सहायता का वर्षवार विवरण			
वर्ष/मद	**वित्तीय**	**भौतिक (किग्रा/लीटर)**	**लाभार्थी संख्या**
2018–19	9.17	1000	251
2019–20	13.20	5960	917
2020–21	23.30	9003	1375
2021–22	20.00	2134	527
2022–23	5.00	2906	851
योग	**70.67**	**21003**	**3921**
औसतन	**0.02**	**5.36**	**1**

औद्यानिक औजार संयत्रों के वितरण पर राज सहायता 50 प्रतिशत रा0सहायता कार्यक्रम :– विगत पांच वर्षों के मध्य जनपदान्तर्गत विभाग द्वारा 50 प्रतिशत रा0 सहायता के अन्तर्गत औद्यानिक औजार संयत्रों के वितरण कार्यक्रम के तहत कुल रूपये 15.81 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 4843 संयत्रों को कुल 1177 लाभार्थियों को वितरित किया गया। विभाग द्वारा औसतन रूपये 01 सौ का परिव्यय करते हुए प्रति लाभार्थी 04 संयत्र वितरित किये जा रहे है, जो कि विभाग की अच्छी पहल है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है –

जनपदान्तर्गत औद्यानिक औजार संयत्रों के वितरण पर राज सहायता 50 प्रतिशत रा0सहायता का वर्षवार विवरण			
वर्ष / मद	**वित्तीय**	**यंत्र संख्या**	**लाभार्थी संख्या**
2018–19	0.00	0	0
2019–20	0.81	196	92
2020–21	5.00	627	209
2021–22	3.50	232	119
2022–23	6.50	3788	757
योग	**15.81**	**4843**	**1177**
औसतन	**0.01**	**4**	**1**

पॉलीहाउस निर्माण 80 प्रति0 रा0 सहायता कार्यक्रम :–जनपद में विगत पांच सालों के मध्य विभाग द्वारा बेमौसमी उद्यानीकरण को बढ़ावा दिये जाने के लिए जनपद कुल 332 परिवारों को लाभान्वित करते हुए 44800 वर्ग मीटर भूमि पर पॉलीहाउस स्थापित किये गये जिन पर विभाग द्वारा 80 प्रतिशत की अनुदान की धनराशि उपलब्ध करवाते हुए कुल रूपये 458.30 लाख धनराशि का परिव्यय किया गया। अर्थात विभाग द्वारा औसतन लगभग रूपये 1.38 लाख की धनराशि का पव्यिय करते हुए प्रति लाभार्थी 135 वर्ग मीटर भूमि पर पॉलीहाउस स्थापित किया गया। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

जनपदान्तर्गत पालीहाउस निर्माण 80 प्रति0 रा0 सहायता का वर्षवार विवरण			
वर्ष / मद	**वित्तीय**	**आच्छादित क्षेत्रफल (वर्ग मी0)**	**लाभार्थी संख्या**
2018–19	0	0	0
2019–20	0	0	0
2020–21	141.11	12800	128
2021–22	157.31	16000	160
2022–23	159.88	16000	44
योग	**458.30**	**44800**	**332**
औसतन	**1.38**	**135**	**1**

फलों हेतु क्षेत्रफल विस्तार कार्यक्रम :– विभाग द्वारा फलों के क्षेत्रफल में विस्तार हेतु फल सघन एवं फल सामान्य क्षेत्रफल विस्तार कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। उक्त कार्यक्रमों के तहत विभाग द्वारा विगत पांच वर्षों के मध्य कुल रूपये 88.24 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के कुल 446 लाभान्वित परिवारों की 464 हेक्टेयर भूमि पर अमरूद, आम व लीची के क्षेत्रफल में विस्तारीकरण किया गया। अर्थात विभाग द्वारा प्रति वर्ष, प्रति लाभार्थी रूपये 20 हजार का परिव्यय करते हुए 1.04 हेक्टेयर भूमि पर फलों के क्षेत्रफल में विस्तारीकरण किया गया, जो कि बहुत न्यूनतम आंकड़ा है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

विभाग द्वारा जनपद में फल क्षेत्र विस्तारीकरण का वर्षवार विवरण												
वर्ष/फल क्षेत्र विस्तारीकरण	वित्तीय	क्षेत्रफल (है0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (है0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (है0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (है0)	लाभान्वित परिवार
	अमरूद			आम			लीची			कुल		
2018—19	22.20	110	73	2.70	15	15	4.50	25	24	29.40	150	112
2019—20	10.50	55	56	1.80	10	14	2.16	12	14	14.46	77	84
2020—21	17.64	98	89	2.70	15	20	3.16	20	24	23.50	133	133
2021—22	4.80	20	21	1.80	10	11	1.44	8	9	8.04	38	41
2022—23	5.64	26	28	3.60	20	23	3.60	20	25	12.84	66	76
योग	**60.78**	**309**	**267**	**12.60**	**70**	**83**	**14.86**	**85**	**96**	**88.24**	**464**	**446**
औसतन	**0.23**	**1.16**	**1**	**0.15**	**0.84**	**1**	**0.15**	**0.89**	**1**	**0.20**	**1.04**	**1**

जीर्णोद्धार बागान :—विभाग द्वारा फलों के क्षेत्रफल को विस्तारीकरण करने के साथ—साथ पुराने बागानों का जीर्णोद्धार भी किया जाता है क्योंकि बागान को अधिक समय होने से बागान के उत्पादन में गिरावट होना शुरू हो जाता है जिससे बागानों का जीर्णोंद्धार किया जाना अति अपेक्षित हो जाता है। विभाग द्वारा विगत पांच वर्षों के मध्य कुल रूपये 6.10 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के कुल 33 बागान मालिकों के 30.50 हेक्टेयर बागानों का जीर्णोंद्धार किया गया। अर्थात विभाग द्वारा प्रति वर्ष, प्रति उद्यमी रूपये 18 हजार का परिव्यय करते हुए 0.92 हेक्टेयर बागानों का जीर्णोंद्धार किया गया, जो कि बहुत न्यूनतम आंकड़ा है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है—

विभाग द्वारा जनपद में जीर्णोद्धार बागानों का वर्षवार विवरण			
वर्ष/जीर्णोंद्धार बागान	वित्तीय	क्षेत्रफल (है0)	लाभान्वित परिवार
2018—19	4.00	20.00	20
2019—20	1.00	5.00	5
2020—21	1.10	5.50	8
2021—22	0.00	0.00	0
2022—23	0.00	0.00	0
योग	**6.10**	**30.50**	**33**
औसतन	**0.18**	**0.92**	**1**

मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम :—विभाग द्वारा मसाला क्षेत्र में विस्तारीकरण हेतु कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत विभाग द्वारा विगत पांच वर्षों के मध्य कुल रूपये 59.70 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के कुल 598 लाभान्वित परिवारों की 166 हेक्टेयर भूमि पर अदरक, मिर्च, लहसुन व हल्दी हेतु क्षेत्रफल में विस्तारीकरण किया गया। अर्थात विभाग द्वारा प्रति वर्ष, प्रति लाभार्थी रूपये 10 हजार का परिव्यय करते हुए 0.28 हेक्टेयर भूमि पर फलों के क्षेत्रफल में विस्तारीकरण किया गया, जो कि बहुत न्यूनतम आंकड़ा है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है

विभाग द्वारा जनपद में मसाला क्षेत्र विस्तारीकरण का वर्षवार विवरण															
वर्ष/मसाला क्षेत्र विस्तार	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार
	अदरख			मसाला मिर्च			लहसुन			हल्दी			कुल		
2018–19	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0
2019–20	1.80	12.00	52	19.50	13.00	46	1.50	10.00	41	19.50	13.00	87	42.30	48.00	226
2020–21	3.75	25.00	79	2.25	17.00	70	1.80	12.00	61	2.25	15.00	98	10.05	69.00	308
2021–22	0.75	5.00	7	2.25	15.00	16	1.80	12.00	15	0.90	6.00	9	5.70	38.00	47
2022–23	0.00	0.00	0	1.65	11.00	17	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	1.65	11.00	17
योग	**6.30**	**42.00**	**138**	**25.65**	**56.00**	**149**	**5.10**	**34.00**	**117**	**22.65**	**34.00**	**194**	**59.70**	**166.00**	**598**
औसतन	**0.05**	**0.30**	**1**	**0.17**	**0.38**	**1**	**0.04**	**0.29**	**1**	**0.12**	**0.18**	**1**	0.10	0.28	1

सब्जी हाईब्रिड उत्पादन :–विभाग द्वारा सब्जी हाईब्रिड उत्पादन क्षेत्र के विस्तारीकरण हेतु कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत विभाग द्वारा विगत पांच वर्षो के मध्य कुल रूपये 71.75 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के कुल 844 लाभान्वित परिवारों की 287 हेक्टेयर भूमि पर टमाटर, बन्दगोभी, फूलगोभी तथा शिमला मिर्च के उत्पादन किया गया। अर्थात विभाग द्वारा प्रति वर्ष, प्रति लाभार्थी रूपये 09 सौ का परिव्यय करते हुए 0.34 हेक्टेयर भूमि पर हाईब्रिड सब्जी उत्पादन किया गया। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

विभाग द्वारा जनपद में सब्जी हाईब्रिड उत्पादन को बढ़ावा दिये जाने का वर्षवार विवरण															
वर्ष/हाईब्रिड सब्जी उत्पादन	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार
	टमाटर			बन्दगोभी			फूलगोभी			शिमला मिर्च			कुल		
2018–19	5.00	20	59	2.50	10	44	3.00	12	32	3.75	15	43	14.25	57	178
2019–20	3.75	15	40	1.75	7	34	2.50	10	48	2.50	10	28	10.50	42	150
2020–21	5.25	21	73	1.75	7	22	5.25	21	84	4.50	18	57	16.75	67	236
2021–22	5.00	20	57	1.75	7	31	3.00	12	27	1.50	6	13	11.25	45	128
2022–23	6.25	25	61	3.50	14	25	4.50	18	35	4.75	19	31	19.00	76	152
योग	**25.25**	**101**	**290**	**11.25**	**45**	**156**	**18.25**	**73**	**226**	**17.00**	**68**	**172**	**71.75**	**287**	**844**
औसतन	**0.09**	**0.35**	**1**	**0.07**	**0.29**	**1**	**0.08**	**0.32**	**1**	**0.10**	**0.40**	**1**	**0.09**	**0.34**	**1**

फलपौध रोपण :–विभाग द्वारा फलपौघ रोपण हेतु विगत पांच वर्षो के मध्य कुल रूपये 108.68 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के कुल 37613 लाभान्वित परिवारों की 210514 फलपौध वितरण कर रोपण कार्य करवाया गया। अर्थात विभाग द्वारा प्रति वर्ष, प्रति लाभार्थी रूपये 29 का परिव्यय करते हुए लगभग 06 फलपौधों का वितरण कर रोपण कार्य किया गया। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

विभाग द्वारा जनपद में फलपौध रोपण योजना (निःशुल्क) का वर्षवार विवरण			
वर्ष / फल विस्तारीकरण	वित्तीय	क्षेत्रफल (हे0)	लाभान्वित परिवार
2018–19	6.78	22608	3229

2019–20	7.63	21696	5236
2020–21	11.26	29115	8706
2021–22	22.03	38722	7060
2022–23	60.98	98373	13382
योग	**108.68**	**210514**	**37613**
औसतन	**0.0029**	**5.5968**	**1**

दुग्ध विकास विभाग

ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले कमजोर आय वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी जाति के लोगों की कृषि के अतिरिक्त आय के स्रोत हैं। राज्य की लगभग 14 लाख परिवार ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। जिनकी आय का मुख्य व्यवसाय कृषि, पशुपालन, डेरी उत्पाद, मुर्गीपालन, भेड बकरी पालन व मत्स्य पालन आदि पर निर्भर है।

राज्य में पशुजन्य उत्पादों का विवरण निम्नवत है–

राज्य में पशुजन्य उत्पादों का वर्षवार उपलब्धि								
वर्ष / व्यवसाय	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	योग
दुग्ध उत्पादन	हजार टन	1692	1742	1792	1845	1194	2254	10519
दुग्ध उत्पादन की वर्षवार वृद्धिदर	*हजार टन*	***NA***	***3%***	***3%***	***3%***	***-35%***	***89%***	***12%***
अण्डा उत्पादन	लाख संख्या	4119	4298	4532	4786	3221	5007	25963
अण्डा उत्पादन की वर्षवार वृद्धिदर	*लाख संख्या*	***NA***	***4%***	***5%***	***6%***	***-33%***	***55%***	***8%***
मांस उत्पादन	लाख किग्रा	284	294	292	253	117	320	1560
मांस उत्पादन की वर्षवार वृद्धिदर	*लाख किग्रा*	***NA***	***4%***	***-1%***	***-13%***	***-54%***	***174%***	***22%***
ऊन उत्पादन	हजार किग्रा	538	564	552	497	215	526	2892
ऊन उत्पादन की वर्षवार वृद्धिदर	*हजार किग्रा*	***NA***	***5%***	***-2%***	***-10%***	***-57%***	***145%***	***16%***

ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहे पलायन पर अंकुश लगाने एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में दुग्ध क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहता है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन में महिलाओं की भूमिका अधिकांशतया अधिक पायी जाती है। अर्थात महिलाओं की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित किये जाने एवं बिचौलियों के शोषण से निजात दिये जाने में दुग्ध विकास विभाग को और अधिक सशक्त होने की आवश्यकता है क्योंकि जनपद द्वारा राज्य में द्वितीय स्थान पर 454 दुग्ध समितियाँ गठित कर महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत किया रहा है। दुग्ध विकास को सुदृढ़ करने हेतु विभाग द्वारा महिला डेरी योजना, दुग्धशाला का सुदृढ़ीकरण, दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना, गंगा गाय महिला डेरी योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय डेयरी विकास योजना आदि का संचालन किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण :– विभाग हेतु जिला योजनान्तर्गत उक्त कार्यक्रम के तहत तकनीकी निवेश कार्यक्रम के लिए पशु औषधि / प्राथमिक / आपातकालीन पशु चिकित्सा, डिवरमिंग, टीकाकरण,

फीडसप्लीमेन्ट, आपातकालीन पशुचिकित्सा, पर्यवेक्षण इकाई, पशु आहार के साथ–साथ विविध व्यय किये जाने का प्राविधान किया गया है। किन्तु विभाग द्वारा वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 के मध्य टीकाकरण एवं फीडसप्लीमेन्ट मद में इस योजना के तहत कोई भी परिव्यय नही किया गया। वर्षवार परिव्यय निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

दुग्ध समितियों में अवस्थापना विकास :– वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 के मध्य जिला योजना की उक्त मद के अन्तर्गत दुग्ध कक्ष निर्माण, भूसा गोदाम, मिल्क एनालॉइजर की स्थापना, डी0पी0एम0सी0 यूनिट स्थापना, इलैक्ट्रॉनिक वेईंग मशीन स्थापना, मैनुअल फैट टेस्टिंग मशीन पर कोई परिव्यय विभाग द्वारा नहीं किया गया, अर्थात दुग्ध समितियों में विगत पांच वर्षों के मध्य विस्तारीकरण एवं दुग्ध उत्पादन के आंकड़े चिन्ता का विषय है।

पशुपालन विभाग

ग्रामीण क्षेत्रों में आय के मुख्य साधनों में कृषिजन्य पशुपालन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहता है जिसके तहत राज्य में वर्ष 2019 की पशुगणना के अनुसार 44.27 लाख पशु एवं 50.18 लाख कुक्कुट की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुरक्षा, उन्नत प्रजनन, चारा विकास के साथ–साथ रोजगारपरक कई योजनाओं का संचालन पशुपालन विभाग द्वारा किया जा रहा है। विभागीय रोजगारपरक योजनाओं एवं कार्यक्रमों का विश्लेषण इस खण्ड में उल्लिखित है–

एस्केड योजना (75 प्रतिशत केन्द्र पोषित) के अन्तर्गत टीकाकरण का विवरण					
क्र0सं0	योजना स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय (लाख में)		भौतिक (संख्या में)	
		अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय	लक्ष्य	क्रमिक उपलब्धि
1	2018-19	7.58	7.58	558000	688021
2	2019-20	7.38	7.38	651000	678654
3	2020-21	7.56	7.56	651000	578910
4	2021-22	0.00	0.00	656000	138952

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (FMD-CP)का विवरण					
क्र0सं0	योजना स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय (लाख में)		भौतिक (संख्या में)	
		अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय	लक्ष्य	क्रमिक उपलब्धि
1	2018-19	49.39	49.39	486050	452516
2	2019-20	29.07	29.07	440000	489012
3	2020-21	1.56	1.56	440000	269673
4	2021-22	0.00	0.00	440000	23511

आर0पी0 / पी0पी0आर0(सी0पी0) के अन्तर्गत दवापान बडे पशु हेतु विवरण					
क्र0सं0	योजना स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय (लाख में)		भौतिक (संख्या में)	
		अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय	लक्ष्य	क्रमिक उपलब्धि
1	2018-19	1.42	1.42	22000	40818
2	2019-20	2.05	2.05	22000	39827
3	2020-21	0.00	0.00	22000	154041
4	2021-22	0.00	0.00	22000	63504

नेशनल लाइवस्टॉक मिशन(श्वेत क्रांति रा0प0वि0यो0) के अन्तर्गत पशुधन बीमा का विवरण					
क्र0सं0	योजना स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय (लाख में)		भौतिक (संख्या में)	
		अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय	लक्ष्य	क्रमिक उपलब्धि
1	2018-19	0.05	0.05	0	1558
2	2019-20	15.72	15.72	2765	545
3	2020-21	5.28	5.28	15760	13625
4	2021-22	0.44	0.44	14100	7057

पशुचिकित्सालय/पशुऔषधालय की स्थापना एवं सुदृढीकरण (75 प्रतिशत केन्द्र पोषित) का विवरण			
क्र0सं0	योजना स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय (लाख में)	
		अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय
1	2018-19	36.00	36.00
2	2019-20	0.00	0.00
3	2020-21	0.00	0.00
4	2021-22	0.00	0.00

खुरपका मुंहपका रोग नियन्त्रण का विवरण			
क्र0सं0	योजना स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय (लाख में)	
		अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय
1	2018-19	40.42	40.42
2	2019-20	80.53	80.53
3	2020-21	0.72	0.72
4	2021-22	0.00	0.00

ब्रुसेला रोग नियंत्रण का विवरण			
क्र0सं0	योजना स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय (लाख में)	
		अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय
1	2018-19	0.04	0.04
2	2019-20	0.19	0.19
3	2020-21	0.00	0.00
4	2021-22	0.00	0.00

प्रदेश में पशुगणना कार्य का विवरण			
क्र0सं0	योजना स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय (लाख में)	
		अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय
1	2018-19	0.90	0.90
2	2019-20	28.15	28.15
3	2020-21	0.55	0.55
4	2021-22	0.00	0.00

जिला योजनान्तर्गत संचालित योजनाओं का विवरण						
क्र0सं0	योजना / मद / कार्यक्रम का नाम	योजना स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय (लाख में)		भौतिक (संख्या में)	
			अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय	लक्ष्य	क्रमिक उपलब्धि
1	पशु चिकित्सा हेतु दवा वैक्सीन क्रय	2018-19	72.83	72.83	537190	569704
2		2019-20	105.55	105.55	535190	582587
3		2020-21	136.83	136.83	535190	606704
4		2021-22	108.50	108.50	506880	601886
5	कृ0गर्भाधान केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण	2018-19	1.63	1.63	67300	65346
6		2019-20	12.80	12.80	56181	64357
7		2020-21	98.80	98.80	27335	30165
8		2021-22	8.00	8.00	55651	64783
9	अनु0 जाति / जनजाति पशुपालकों हेतु कुक्कुट पालन इकाई की स्था0 100% अनुदान	2018-19	7.98	7.98	380	380
10		2019-20	12.60	12.60	600	600
11		2020-21	31.50	31.50	1500	1500
12		2021-22	31.50	31.50	1000	1000
13	चारा विकास कार्यक्रमों का सघनीकरण एवं सघन विकास	2018-19	0.00	0.00	0	0
14		2019-20	2.00	2.00	0	0
15		2020-21	12.50	12.50	0	0
16		2021-22	2.00	2.00	0	0
17	ग्रामीण प्रसार कार्यक्रमों के अर्न्तगत पशु प्रदर्शनी का आयोजन	2018-19	1.40	1.40	0	0
18		2019-20	2.45	2.45	0	0
19		2020-21	0.00	0.00	0	0
20		2021-22	0.00	0.00	0	0

गौपालन योजना :– विभाग द्वारा जनपद में विगत चार वर्षों के मध्य कुल 213 कमजोर वर्ग के परिवारों को गौपालन योजनान्तर्गत गाय उपलब्ध करवायी गयी। आंकड़ों में विकासखण्ड काशीपुर, रूद्रपुर तथा जसपुर का योगदान अन्य विकासखण्डों के सापेक्ष कम रहा।

गौपालन योजना से लाभान्वित परिवारों का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण						
क्र0स0	वर्ष / विकासखण्ड	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	योग
1	काशीपुर	9	2	7	6	24
2	रूद्रपुर	7	7	6	5	25
3	जसपुर	7	5	8	6	26
4	सितारगंज	9	2	9	11	31
5	गदरपुर	8	8	11	6	33
6	खटीमा	9	5	11	11	36
7	बाजपुर	11	3	13	11	38
महायोग		**60**	**32**	**65**	**56**	**213**

बकरीपालन योजना :– विभाग द्वारा जनपद में विगत चार वर्षों के मध्य कुल 85 बी0पी0एल0 वर्ग अनुसचित जाति एवं जनजाति के परिवारों को बकरीपालन योजनान्तर्गत 10 बकरियों एवं 01 बकरे की इकाई 90% अनुदान पर उपलब्ध करवायी गयी। आंकड़ों में विकासखण्ड काशीपुर तथा रूद्रपुर द्वारा एकल अंक से योगदान दिया गया। निम्नवत आंकड़ों के कम होने पर विभागीय कार्मिकों से आयोग की विचारशाला में निम्नवत बिन्दुओं की स्पष्टता हुई–

1. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पात्र लाभार्थियों के पास बकरीपालन हेतु पर्याप्त जगह का अभाव के कारण विस्तारीकरण भी नहीं कर पाते हैं।
2. जाति विशेष योजना होने एवं बजट के अभाव में विभागीय कम लक्ष्य के चलते अधिकांश ग्रामीणों तक योजना का विस्तार नहीं हो पाना भी बकरीपालकों की संख्या में कमी का द्योतक है।
3. योजना में 10 बकरियों एवं 01 बकरे दिये जाने के साथ फीड की सुविधा एवं बकरीबाड़ा का प्राविधान न होना भी बकरीपालकों की संख्या में कमी को दर्शाता है।

महिला बकरीपालन योजना :– योजना के तहत राज्यान्तर्गत जनपद की परित्यक्ता, विधवा, निराश्रित तथा अकेली जीवनयापन करने वाली महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर कुल 45 महिलाओं को लाभान्वित करते हुए प्रति महिला 03 बकरी एवं 01 बकरा शत–प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

महिला बकरीपालन योजना से लाभान्वित परिवारों का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण						
क्र0स0	वर्ष / विकासखण्ड	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	योग
1	सितारगंज	0	0	2	3	5
2	जसपुर	0	0	2	3	5
3	खटीमा	1	0	2	3	6
4	बाजपुर	1	0	2	3	6
5	रूद्रपुर	1	0	3	3	7
6	गदरपुर	3	0	1	3	7
7	काशीपुर	4	0	2	3	9
महायोग		**10**	**0**	**14**	**21**	**45**

कृषि विभाग

जनपद की लगभग दो तिहाई ग्रामीण जनसंख्या कृषि पर निर्भर है जिनकी आय दुगनी करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि सुधारों के क्रियान्वयन के साथ गैर कृषि आय में भी वृद्धि करना आवश्यक है। कृषि पर निर्भर कार्यबल को कम करने की चुनौती, छोटी–छोटी जोत, तकनीकी न अपनाने की सोच, मानसून पर निर्भरता, मिट्टी की घटती उर्वरकता जैसी खामियाँ अभी भी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। किसानों की उक्त चुनौतियों को दूर करने के लिए आयोग द्वारा सुझायें गये रणनीतियों एवं नीतियों को अपनाकर दूर किया जाना सम्भव हो सकता है। विभागीय ढांचा सहित कृषि पर आधारित प्रमुख योजनाओं का उल्लेख इस खण्ड में किया गया है।

किसान क्रेडिट कार्ड का विवरण

जनपद उधमसिंह नगर में KCC का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण			
वर्ष / विकासखण्ड	वितरण KCC की संख्या	KCC में वितरित धनराशि (हजार करोड़)	KCC से लाभान्वित लाभार्थी
2018—19	9100	10570	9100
2019—20	8500	10770	8500
2020—21	14400	24395	14400
2021—22	13355	68561	13355

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन :– राष्ट्रीय विकास परिषद की कृषि उप समिति द्वारा प्रदत्त सिफारिशों को आधार मानते हुए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2007 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना संचालित हुई जिसका उद्देश्य निम्नवत हैं :–

1. कृषि क्षेत्र विस्तार के साथ–साथ उत्पादन वृद्धि के माध्यम से लक्षित फसलों के उत्पादन में सतत वृद्धि करवाना।
2. व्यक्तिगत कृषि स्तर पर मिट्टी की प्रजनन क्षमता और उत्पादन को बढ़ावा देना।
3. कृषि स्तर की शुद्ध आय में वृद्धि करवाना।

उक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विभाग द्वारा विगत पांच वर्षों के मध्य प्रति हेक्टेयर लगभग रूपये 1600 तथा प्रति लाभार्थी लगभग रूपये 4600 की धनराशि का औसतन परिव्यय प्रति वर्ष करते हुए जनपद में चावल, गेहूँ तथा दलहन की फसलों के लिए क्षेत्र विस्तार कर उत्पादन में वृद्धि के साथ कृषकों की आय में वृद्धि किये जाने का सहयोग किया गया । उक्त आंकड़ों में गेहूँ की फसल का योगदान अधिक है अर्थात विभाग का चावल एवं दलहन की फसलों की ओर भी ध्यान केन्द्रित करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। आंकड़ों को निम्नवत तालिकाओं में सारणीबद्ध किया गया है–

नेशनल फूड सिक्योरटी मिशन (NFSM)के अन्तर्गत एन0एफ0एस0एम0 **चावल** का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)					
वर्ष	वित्तीय	भौतिक (सख्या / है0 में)	लाभान्वित कृषक परिवार	प्रति हैक्टेयर औसतन व्यय धनराशि	प्रति किसान औसतन व्यय धनराशि
2018-19	79.35	4127	1235	0.01923	0.06425
2019-20	87.78	6761	1821	0.01298	0.04820
2020-21	41.20	6339	1599	0.00650	0.02577
2021-22	51.31	3383	1280	0.01517	0.04009
2022-23	17.11	1245	1050	0.01374	0.01630
योग	276.75	21855	6985	0.01266	0.03962

नेशनल फूड सिक्योरटी मिशन (NFSM)के अन्तर्गत एन0एफ0एस0एम0 **गेहूँ** का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)					
वर्ष	वित्तीय	भौतिक (सख्या / है0 में)	लाभान्वित कृषक परिवार	प्रति हैक्टेयर औसतन व्यय धनराशि	प्रति किसान औसतन व्यय धनराशि
2018-19	177.96	5833	1390	0.03051	0.12803
2019-20	140.15	7712	2110	0.01817	0.06642

2020-21	45.50	4365	1290	0.01042	0.03527
2021-22	43.84	1599	853	0.02742	0.05140
2022-23	22.34	918	975	0.02434	0.02291
योग	429.79	20427	6618	0.02104	0.06494

नेशनल फूड सिक्योरटी मिशन (NFSM)के अन्तर्गत एन0एफ0एस0एम0 **दलहन** का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)					
वर्ष	वित्तीय	भौतिक (सख्या / है0 में)	लाभान्वित कृषक परिवार	प्रति हैक्टेयर औसतन व्यय धनराशि	प्रति किसान औसतन व्यय धनराशि
2018-19	37.50	2776	925	0.01351	0.04054
2019-20	22.40	1631	650	0.01373	0.03446
2020-21	46.99	3599	1030	0.01306	0.04562
2021-22	21.15	2057	1120	0.01028	0.01888
2022-23	24.10	2088	1450	0.01154	0.01662
योग	152.14	12151	5175	0.01252	0.02940

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना :– भारत सरकार द्वारा 90 प्रतिशत अंशदान पर कृषि उत्पादकता में निरन्तर वृद्धि किये जाने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना प्रदेश में संचालित की जा रही है। उल्लिखित योजना के तीन घटक हैं–

1. पर ड्रॉप मोर क्राप :– जल संचय हेतु टैंक, तालाब, चैकडेम संरचनाओं के निर्माण के साथ स्प्रिंकलर एवं टपक सिचांई पर विशेष ध्यान दिया जाता है।
2. हर खेत को पानी :– सिंचन क्षमता को विकसित करने के लिए जल स्रोतों का विकास, नवीनीकरण, मरम्मत, जीर्णोद्धार के साथ वर्षा जल के संरक्षण संरचनाओं का निर्माण, कमाण्ड एरिया को बढ़ाना।
3. समेकित जलागम विकास कार्यक्रम :– जल संरक्षण संरचनाओं जैसे चैकडेम, नाला, बन्ड, तालाब, टैंक आदि की क्षमता विकास हेतु रिज क्षेत्र को ट्रीटमेंन्ट, ड्रेनएज का ट्रीटमेंन्ट, भूमि एवं नमी संरक्षण, नर्सरी लगाना, वनीकरण, उद्यानीकरण, बंजर भूमि विकास, लाईवलीहुड एक्टीविटी आदि।

विभाग द्वारा उक्त योजना के अन्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य कुल रूपये 380.55 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 1874 कृषकों को लाभान्वित किया गया। अर्थात विभाग द्वारा प्रति कृषक लगभग रूपये 20307 की धनराशि का औसतन व्यय प्रति वर्ष किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)			
वर्ष	वित्तीय	लाभान्वित किसान परिवार	प्रति कृषक औसतन व्यय धनराशि
2018-19	69.38	209	0.33196
2019-20	75.27	260	0.28950
2020-21	44.58	310	0.14381
2021-22	147.62	330	0.44733
2022-23	43.70	765	0.05712
योग	380.55	1874	0.20307

राष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि मिशन :—भारत सरकार द्वारा वर्षा सिंचित क्षेत्रों में सतत कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि मिशन योजना का संचालन किया गया है। उल्लिखित योजना के तीन घटक हैं।

1. वर्षा आधारित क्षेत्र विकास कार्यक्रम :— विभिन्न फसल पद्धति आधारित प्रदर्शन किया जाना।
2. मृदा स्वास्थ्य कार्य योजना :—कृषकों के खेतों की मिट्टी की जांच करते हुए किसानों को निशुल्क मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध किया जाना।
3. परम्परागत कृषि विकास योजना :—कलस्टर चिह्निनत करते हुए जैविक खेती पर प्रशिक्षण, जैविक प्रमाणीकरण, एकीकृत खाद प्रबन्धन, मृदा परीक्षण, जैविक उत्पादों का विपणन एवं कृषि यंत्रों पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। विगत पांच वर्षों के मध्य विभाग द्वारा उक्त योजना के अन्तर्गत प्रति हेक्टेयर लगभग रूपये 10619 तथा प्रति किसान लगभग रूपये 4248 की धनराशि का औसतन परिव्यय प्रति वर्ष किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है—

राज्य सैक्टर के अन्तर्गत परम्परागत कृषि विकास योजना का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)					
वर्ष	वित्तीय	भौतिक (सख्या / है0 में)	लाभान्वित कृषक परिवार	प्रति हैक्टेयर औसतन व्यय धनराशि	प्रति किसान औसतन व्यय धनराशि
2018-19	12.68	160	400	0.07925	0.03170
2019-20	25.36	160	400	0.15850	0.06340
2020-21	15.98	160	400	0.09988	0.03995
2021-22	10.12	100	250	0.10120	0.04048
2022-23	8.07	100	250	0.08070	0.03228
योग	72.21	680	1700	0.10619	0.04248

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना :—योजनान्तर्गत कृषि, पशुपालन, उद्यान, मत्स्य पालन, रेशम उत्पादन, डेयरी विकास, जड़ी—बूटी, संगध पौध की खेती, गन्ना, कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड, नैशनल सीड कॉरपोरेशन तथा ग्राम्य विकास की विभागीय परियोजनाओं के साथ अभिशरण करते हुए कृषकों को सहयोग दिये जाने का प्राविधान किया गया है। विगत पांच सालों के मध्य विभाग द्वारा विभागों से युगपतीकरण कर प्रति हेक्टेयर लगभग रूपये 4600 तथा प्रति किसान लगभग रूपये 2100 का परिव्यय औसतनप्रति वर्ष किये जाने के आंकड़ें प्रलक्षित हुए हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है—

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना जैविक (RKVY) का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)					
वर्ष	वित्तीय	भौतिक (सख्या / है0 में)	लाभान्वित कृषक परिवार	प्रति हैक्टेयर औसतन व्यय धनराशि	प्रति कृषक औसतन व्यय धनराशि
2018-19	14.00	175	856	0.08000	0.01636
2019-20	15.45	936	215	0.01651	0.07186
2020-21	16.08	217	1087	0.07410	0.01479
2021-22	33.70	560	1430	0.06018	0.02357
2022-23	16.71	211	965	0.07919	0.01732
योग	**95.94**	**2099**	**4553**	**0.04571**	**0.02107**

राष्ट्रीय कृषि विस्तार एवं प्रौद्योगिकी मिशनः—इस मिशन के अन्तर्गत विभाग द्वारा विगत पांच वर्षों के मध्य कुल रूपये 2715.61 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए जनपद के 101985 किसानों को लाभांश दिया गया अर्थात विभाग द्वारा उक्त मिशन के अन्तर्गत प्रति किसान लगभग 83362 रूपये औसतन की धनराशि का व्यय प्रति वर्ष किया गया। मिशन की पूर्ति निम्नवत संचालित उप मिशन के माध्यम से किया जा रहा है—

1. कृषि विस्तार उप—मिशन :—इस मिशन अन्तर्गत मानव दिवस भ्रमण कार्यक्रम, मानव दिवस प्रशिक्षण, क्षमता विकास कार्यक्रम तथा फार्म स्कूल आयोजित किये जाते हैं। विभाग द्वारा उक्त मिशन के अन्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य कुल रूपये 388.90 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 14638 कृषकों को लाभान्वित किया गया। अर्थात विभाग द्वारा प्रति कृषक लगभग रूपये 2700 की धनराशि का औसतन व्यय प्रति वर्ष किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीवद्ध किया गया है—

राष्ट्रीय कृषि विस्तार एवं प्रौद्योगिकी मिशन **(NMAET)** के अन्तर्गत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)			
वर्ष	वित्तीय	लाभान्वित कृषक परिवार	प्रति कृषक औसतन व्यय धनराशि
2018-19	66.42	3755	0.01769
2019-20	101.72	2855	0.03563
2020-21	54.28	2237	0.02426
2021-22	90.50	2896	0.03125
2022-23	75.98	2895	0.02625
योग	388.90	14638	0.02657

1. कृषि यंत्रीकरण उप—मिशन :— कृषि यंत्रों एवं मशीनों को लोकप्रिय बनाने के लिए कस्टम हायरिंग सेन्टर, फार्म मशीनरी बैंकों, टैक्टर, पावर टिलर, पावर विडर जैसी अन्य मानव चालित यंत्रों का वितरण किया जा रहा है। विभाग द्वारा उक्त मिशन के अन्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य कुल रूपये 2154.29 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 2680 कृषकों को लाभान्वित किया गया। अर्थात विभाग द्वारा प्रति कृषक लगभग रूपये 80 हजार की धनराशि का औसतन व्यय प्रति वर्ष किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीवद्ध किया गया है—

राष्ट्रीय कृषि प्रसार एवं प्रौद्योगिकी मिशन (NMAET) के अन्तर्गत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)			
वर्ष	वित्तीय	लाभान्वित कृषक परिवार	प्रति कृषक औसतन व्यय धनराशि
2018-19	218.19	324	0.67343
2019-20	240.00	366	0.65574
2020-21	611.60	680	0.89941
2021-22	707.07	847	0.83479
2022-23	377.43	463	0.81518
योग	2154.29	2680	0.80384

1. बीज एवं रोपण सामाग्री उप—मिशन :— बीज ग्राम एवं बीज प्रमाणीकरण की स्थापना किये जाने का प्राविधान किया गया है। विभाग द्वारा उक्त मिशन के अन्तर्गत विगत चार वर्षों के मध्य कुल रूपये 272.42 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 84667 किसानों को लाभान्वित किया गया। अर्थात विभाग द्वारा प्रति कृषक लगभग रूपये 322 की धनराशि का औसतन व्यय प्रति वर्ष किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीवद्ध किया गया है—

राष्ट्रीय कृषि प्रसार एवं प्रौद्योगिकी मिशन (NMAET) के अन्तर्गत सब मिशन ऑन सीन एण्ड प्लांटिंग मैटेरियल का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)			
वर्ष	वित्तीय	लाभान्वित परिवार	प्रति कृषक औसतन व्यय धनराशि
2018-19	0.00	0	0.00000
2019-20	75.50	16853	0.00448
2020-21	169.65	28065	0.00604
2021-22	27.27	15856	0.00172
2022-23		23893	0.00000
योग	272.42	84667	0.00322

राष्ट्रीय तिलहन एवं ऑयलपाम (मिनी मिशन–1) :–विभाग द्वारा उक्त योजनान्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य प्रति हेक्टेयर लगभग रूपये 1560 तथा प्रति किसान लगभग रूपये 1845 की धनराशि का औसतन परिव्यय प्रति वर्ष किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में सारणीबद्ध किया गया है–

राष्ट्रीय तिलहन एवं ऑयलपाम (मिनी मिशन–1) (NMOOP) का वर्षवार विवरण (धनराशि लाख में)					
वर्ष	वित्तीय	भौतिक (सख्या / है0 में)	लाभान्वित कृषक परिवार	प्रति हैक्टेयर औसतन व्यय धनराशि	प्रति किसान औसतन व्यय धनराशि
2018-19	0.00	0	0	0.00000	0.00000
2019-20	1.65	198	50	0.00833	0.03300
2020-21	3.34	550	550	0.00607	0.00607
2021-22	5.40	90	90	0.06000	0.06000
2022-23	4.52	118	118	0.03831	0.03831
योग	14.91	956	808	0.01560	0.01845

इसके अतिरिक्त राज्य में राज्य सेक्टर के अन्तर्गत एकीकृत आदर्श कृषि ग्राम, स्वच्छता एक्शन प्लान, मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजनाएं भी संचालित हो रही हैं। जनपदीय उत्पादित फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता पर निम्नवत रूप से योजनाओं का प्रभाव देखने को मिलता है–

1. जनपद में उत्पादित हो रहे कुल खाद्यान्न हेतु प्राप्त हुए विगत चार वर्षों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में खाद्यान्न फसलों के क्षेत्रफल में 8553 हेक्टेयर की वृद्धि के सापेक्ष 53224 मीट्रिक टन उत्पादन बढ़ा जबकि उत्पादकता में मात्र 0.95 कुन्तल की वृद्धि प्रति हेक्टेयर दर्ज हुई अर्थात जनपद में 01 हेक्टेयर भूमि पर मात्र 0.95 कुन्तल उत्पादकता बढ़ना किसानों की आय में वृद्धि को स्थिर करता है।
2. तिलहन की फसलों के लिए जनपदान्तर्गत क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता के लिए प्राप्त आंकड़ें चौकाने वाले प्राप्त हुए क्योंकि विगत चार वर्षों के मध्य तिलहन की फसलों हेतु क्षेत्रफल में 80 हेक्टेयर की कमी के सापेक्ष 620 मीट्रिक टन उत्पादन में भी गिरावट हुई, साथ ही 0.85 कुन्तल की दर से प्रति हेक्टेयर भूमि पर उत्पादकता में भी गिरावट आई जो चिन्ता का विषय है।

अध्याय- V

विश्लेषण एवं सिफारिशें

ऊधमसिंह नगर जनपद की चौड़ाई लगभग 30 किमी व लम्बाई लगभग 170 किमी है तथा जनपद का कुल क्षेत्रफल 2542 वर्ग किमी है, जो समुद्र तल से औसत 550 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।

आर्थिक संरचना :– जनपद में प्रति व्यक्ति आय लगभग रू. 2,69,070 है (वर्ष 2021–22)। वर्ष 2021–22 में विकास दर 7.65% थी। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

Share Economic Activity to the Gross District Domestic Product at current prices

(%)

S.No.	Year	Primary	Secondary	Teritiary
1	2011-12	10.40	57.80	25.74
2	2012-13	9.67	57.83	26.53
3	2013-14	9.09	56.39	28.10
4	2014-15	8.53	54.73	29.95
5	2015-16	7.75	53.31	31.28
6	2016-17	8.21	53.49	30.47
7	2017-18	8.63	52.98	29.38
8	2018-19	8.65	52.87	31.11
9	2019-20	9.49	50.50	33.40
10	2020-21	10.49	50.00	33.52
11	2021-22	9.39	52.04	33.23

(Others include Product Tax and Product Subsidies)

(Source DES, Govt. of Uttarakhand)

जनसांख्यिकी :–ऊधमसिंह नगर जनपदान्तर्गत दशकीय जनगणना वर्ष 1901 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि आंकड़ों के अध्ययन से निम्नवत स्पष्ट है :–

जनपद ऊधमसिंह नगर में 12 दशकीय जनगणनाओं के अन्तर्गत दशकीय वर्ष 1951 से वर्ष 1961 के मध्य सबसे अधिक 121.10% जनसंख्या वृद्धिदर देखने को मिलती है।

वर्ष 1901 की स्थिति से वर्ष 2011 के मध्य जनपद ऊधमसिंह नगर की जनसंख्या में दशकीय बदलाव						
जनपद	जनगणना वर्ष	जनसंख्या			पूर्ववर्ती जनगणना के बाद से बदलाव	
		पुरूष	महिला	योग	शुद्व बदलाव	प्रतिशत
ऊधमसिंह नगर	1901	73390	58421	131811	NA	NA
	1911	74391	57217	131608	-203	-0.15%
	1921	65409	47225	112634	-18974	-14.42%
	1931	66037	46767	112804	170	0.15%
	1941	69652	49081	118733	5929	5.26%
	1951	80132	56314	136446	17713	14.92%
	1961	179223	122458	301681	165235	121.10%
	1971	254668	197049	451717	150036	49.73%
	1981	363623	305128	668751	217034	48.05%
	1991	496587	428269	924856	256105	38.30%
	2001	649484	586130	1235614	310758	33.60%
	2011	858783	790119	1648902	413288	33.45%

ऊधम सिंह नगर में दशकीय जनगणना वर्ष 2001 से 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि दर 33.45% थी। उल्लिखित आंकड़ें में अधिक योगदान 45.59% के माध्यम से नगरीय क्षेत्र का है जबकि ग्रामीण क्षेत्र का 27.57% ही रहता है अर्थात जनपदान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में पलायन होने की पुष्टि होती है।

ऊधम सिंह नगर जनपद में जहाँ एक ओर विकासखण्ड काशीपुर और रूद्रपुर में दशकीय जनगणना वर्ष वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धिदर क्रमशः 49.28% व 46.22% नगरीय क्षेत्र से अधिक है क्योंकि इन विकासखण्डों में अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा, खेती अधिक उपजाऊ है वहीं दूसरी ओर विकासखण्ड खटीमा में जनसंख्या वृद्धिदर 6.43% है क्योंकि इस विकासखण्ड का अधिकांश भाग पर्वतमाला से घिरा हुआ है, जिस कारण इस विकासखण्ड में पलायन के प्रभाव की अधिक स्पष्टता होती है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

जनपदान्तर्गत ग्रामीण, वन एवं नगरीय क्षेत्रों में दशकीय जनगणना हेतु जनसंख्या वृद्धि दर का तुलनात्मक विवरण

विकासखण्ड	कुल जनसंख्या			
	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	बदलाव प्रतिशत
काशीपुर	86831	129621	42790	49.28%
रूद्रपुर	109730	160448	50718	46.22%
बाजपुर	102143	137387	35244	34.50%
गदरपुर	104201	134238	30037	28.83%
जसपुर	98279	126397	28118	28.61%
सितारगंज	146584	176446	29862	20.37%
खटीमा	161291	171662	10371	6.43%
योग विकासखण्ड	809059	1036199	227140	28.07%
वन क्षेत्र	23541	25943	2402	10.20%
ग्रामीण क्षेत्र	**832600**	**1062142**	**229542**	**27.57%**
नगरीय क्षेत्र	**403014**	**586760**	**183746**	**45.59%**
योग जनपद	**1235614**	**1648902**	**413288**	**33.45%**

जनसंख्या में दशकीय बदलाव :– विगत दशकीय जनगणनाओं में आबाद ग्रामों की संख्या तथा ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में विचलन का होना प्रवासियों के अस्थायी पलायन को दर्शाता है साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धिदर का नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धिदर से बहुत कम होना, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में हो रहे पलायन को प्रकट करता है अर्थात ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहे पलायन पर अंकुश लगाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं (सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा) के साथ–साथ रोजगार–स्वरोजगार के साधन उपलब्ध कराने होगें।

वर्ष 1901 से वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार प्रतिदशक आबाद ग्रामों की संख्या, जनसंख्या तथा प्रतिदशक प्रतिशत अन्तर का ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रवार विवरण

जनगणना वर्ष	आबाद ग्रामों की संख्या	जनसंख्या			प्रतिदशक प्रतिशत अन्तर		
		कुल	ग्रामीण	नगरीय	कुल	ग्रामीण	नगरीय
1901	1513	320511	281445	39066	0	0	0
1911	1831	320019	278836	41183	-0.15%	-0.93%	5.42%
1921	1336	273881	229105	44776	-14.42%	-17.84%	8.72%
1931	1442	274294	226830	47464	0.15%	-0.99%	6.00%
1941	1136	288710	221909	66801	5.26%	-2.17%	40.74%
1951	589	139551	115198	24353	-51.66%	-48.09%	-63.54%
1961	684	314884	271249	43635	125.64%	135.46%	79.18%

1971	692	515419	420105	95314	63.69%	54.88%	118.43%
1981	724	721770	255010	466760	40.04%	-39.30%	389.71%
1991	671	914569	622276	292293	26.71%	144.02%	-37.38%
2001	674	1235614	832600	403014	35.10%	33.80%	37.88%
2011	673	1648902	945378	703524	33.45%	13.55%	74.57%

पलायन

आंकड़ें दर्शाते हैं कि राज्य के सभी जनपदों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन का प्रभाव अधिक है। राज्य में स्थायी पलायन का सबसे कम प्रभाव जनपद ऊधमसिंह नगर में हुआ है जबकि अस्थायी पलायन में जनपद आठवें स्थान पर हैं। जनपद ऊधमसिंह नगर की कुल 191 ग्राम पंचायतों में 19,583 व्यक्तियों द्वारा विगत 4.5 सालों में अस्थायी पलायन किया गया, जिसमें सबसे अधिक विकास खण्ड खटीमा की 49 ग्राम पंचायतों में 5,192 व्यक्तियों तथा सबसे कम जसपुर विकास खण्ड के मात्र 18 ग्राम पंचायतों में 419 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी पलायन किया गया, जोकि ग्रामीण क्षेत्रों से नजदीकी कस्बों/शहरों की ओर रोजगार एवं मजदूरी हेतु अस्थायी पलायन का द्योतक है।

जनपद ऊधमसिंह नगर में मात्र 02 ग्राम पंचायतों में 82 व्यक्तियों द्वारा विगत 4.5 सालों में स्थायी पलायन किया गया, जिसमें सबसे अधिक विकास खण्ड रूद्रपुर की 01 ग्राम पंचायत में 70 व्यक्तियों तथा सबसे कम विकास खण्ड काशीपुर के मात्र 01 ग्राम पंचायत में 12 व्यक्तियों द्वारा स्थायी पलायन किया गया। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से नजदीकी कस्बों/शहरों में शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था में अभाव के कारण स्थायी पलायन किया जा रहा है।

पलायन के गंतव्य

वर्ष 2018 से सितम्बर 2022 के मध्य ग्राम पंचायतों से हो रहे अस्थायी पलायन के गंतव्य वार विश्लेषण कर सामने आये आंकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से सबसे अधिक पलायन लगभग 38.27 प्रतिशत नजदीकी कस्बों एवं 23.34 प्रतिशत जनपद मुख्यालय में हुआ है।

आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में पलायन की दिशा जनपद मुख्यालय एवं देश से बाहर अधिक है जबकि प्रथम सर्वेक्षण की अपेक्षा द्वितीय सर्वेक्षण हेतु पलायन के गन्तव्यों में नजदीकी कस्बों तथा जनपद मुख्यालय के पलायन में क्रमशः 10.79% तथा 14.86% की वृद्धि हुई अर्थात जनपद में लगभग 62% पलायन जनपद के भीतर ही हुआ।

भूमि उपयोगिता :–जनपदान्तर्गत भूमि उपयोग हेतु वर्ष 2011–12 से वर्ष 2019–20 के मध्य आंकड़ों में आये बदलाव में जहाँ एक ओर जनपद की कुल प्रतिवेदित क्षेत्र, वन भूमि, अन्य परती भूमि, ऊसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि के आंकड़ों में क्रमशः 6966, 6961, 100 व 71 हेक्टेयर से गिरावट के आंकड़ें प्राप्त हुए, वहीं दूसरी ओर कृषि योग्य बंजर भूमि, वर्तमान परती भूमि व कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि में क्रमशः 518, 3189 व 3551 हेक्टेयर की वृद्धि होने के आंकड़ें प्राप्त हुए, साथ ही चारागाह, उद्यानों, बागों, वृक्षों, एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल, शुद्ध बोया गया क्षेत्र, एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल, सकल बोया गया क्षेत्रफल में भी विचलन के आंकड़ें प्राप्त हुऐ हैं :–

वर्ष 2011–12 से वर्ष 2019–20 के मध्य जनपदान्तर्गत भूमि उपयोग में बदलाव का विकासखण्डवार विवरण (इकाई हेक्टेयर में)

वर्ष/विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित क्षेत्र	वन	कृषि योग्य बंजर भूमि	वर्तमान परती	अन्य परती	उसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि
जसपुर	-254	0	73	352	-15	-26	551
काशीपुर	148	0	100	381	46	-30	434
बाजपुर	504	0	97	738	-27	43	441
गदरपुर	-198	0	47	477	-14	-29	399
रूद्रपुर	-453	0	60	385	-65	-39	443

सितारगंज	-771	0	64	504	-9	3	480
खटीमा	561	0	77	352	-16	7	345
समस्त विकासखण्ड	-463	0	518	3189	-100	-71	3093
वन	-15713	-6961	0	0	0	0	-8752
नगरीय	9210	0	0	0	0	0	9210
योग जनपद	-6966	-6961	518	3189	-100	-71	3551

वर्ष 2011–12 से वर्ष 2019–20 के मध्य जनपदान्तर्गत भूमि उपयोग में बदलाव का विकासखण्डवार विवरण (इकाई हेक्टेयर में)								
वर्ष / विकासखण्ड	चारागाह	उद्यानों, बागों, वृक्षों, एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	सकल बोया गया क्षेत्रफल			
					कुल	रबी	खरीफ	जायद
जसपुर	-9	-7	-1173	1060	-113	169	-849	567
काशीपुर	-5	49	-827	764	-65	117	-1108	926
बाजपुर	-7	-49	-732	1100	365	180	-1284	1469
गदरपुर	-12	-17	-1049	881	-168	-727	-47	606
रूद्रपुर	-16	-25	-1196	423	-773	65	-1106	268
सितारगंज	-10	-19	-1784	2604	820	1248	-1021	593
खटीमा	-7	-22	-175	323	148	1498	-525	-825
समस्त विकासखण्ड	-66	-90	-6936	7155	214	2550	-5940	3604
वन	0	0	0	0	0	0	0	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	-66	-90	-6936	7155	214	2550	-5940	3604

क्षेत्र वार सिफारिशें

ग्राम्य विकास

जनपदान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों को 07 विकासखण्डों में विभाजित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए ग्राम्य विकास विभाग निरन्तर कार्य करता आ रहा है। विभाग द्वारा महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना जैसी केन्द्र तथा राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं हेतु जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन को कम करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए आयोग द्वारा निम्न सिफारिशें प्रस्तुत की जाती हैं :–

1. कार्य की मांग हेतु श्रमिक स्तर पर ऑनलाइन सुविधा को विकसित किया जाना चाहिए, जिससे ग्रामीणों को सरलता से रोजगार उपलब्ध हो सकेगा।
2. महात्मा गांधी नरेगा के अन्तर्गत आजीविका के सुअवसर प्रदान करने वाले उद्यम स्थापित किये जाने हेतु अन्य रोजगारपरक विभागीय योजनाओं के साथ कन्वर्जेन्स (अभिसरण) किया जाय।
3. स्वयं सहायता समूहों के आउटलेट, नजदीकी बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, जनपद मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय, तहसील मुख्यालय, एयर पोर्ट पर अनुदानित कर स्थापित किये जाय, जिससे समूहों की उत्पादित सामग्री सरलतम रूप से उपभोक्ताओं को मिल सकेंगे और समूहों की विपणन पहुँच बढ़ेगी।

4. स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सभी रोजगारपरक विभागों से संबद्ध करते हुए कमजोर वर्ग की महिलाओं की आय को बढ़ाया जा सकता है।
5. नर्सरी से जुड़े स्वयं सहायता समूहों का पंजीयन किये जाने का प्राविधान किया जाय।
6. मूंज घास से उत्पादित सामग्री को बढ़ावा दिया जाय।
7. जनपद में एग्री न्यूट्री गार्डन के आंकड़ों को बढ़ाये जाने की आवश्यकता है।
8. समूहों के सुदृढ़ विकास हेतु महिलाओं का वित्तीय रूप से साक्षर होना अति आवश्यक है जिसके लिए जनपद में कम्यूनिटी रिसोर्स पर्सन की संख्या में वृद्धि की जाय।
9. समूहों की महिलाओं के सुव्यवस्थित विकास हेतु प्रशिक्षित किये जाने की प्रशिक्षण कार्ययोजना तैयार की जाय।

कृषि

जनपद के लगभग दो तिहाई ग्रामीण जनसंख्या कृषि पर निर्भर है जिनकी आय दुगनी करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि सुधारों के क्रियान्वयन के साथ गैर कृषि आय में भी वृद्धि करना आवश्यक है। कृषि पर निर्भर कार्यबल काम की चुनौती, छोटी–छोटी जोत, आधुनिक तकनीकी न अपनाने की सोच, मानसून पर निर्भरता, मिट्टी की घटती उर्वरकता जैसी खामियाँ अभी भी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। किसानों की उक्त चुनौतियों को दूर करने के लिए आयोग द्वारा सुझाये गये रणनीतियों एवं नीतियों को अपनाकर दूर किया जाना सम्भव हो सकता है। कृषि विभाग हेतु जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन को कम करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए आयोग द्वारा निम्न सिफारिशें प्रस्तुत की जाती हैं :–

1. जनपद की बासमती को ही नहीं उत्तराखण्ड राज्य में उत्पादित हो रही बासमती को ''ब्रांड'' के रूप में विकसित/प्रचारित कर किसानों की आय में वैल्यु ऐडिसन किया जा सकता है।
2. विभाग को तिलहन एवं कुल खाद्यान्न की फसलों के क्षेत्रफल तथा उत्पादन को बढ़ावा दिये जाने के साथ–साथ उत्पादकता को बढ़ाने के लिए आगामी कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।
3. जनपद में गेहूँ, धान उत्पादन के साथ सरसों, मटर व दालों की खेती के प्रति किसानों के ध्यान को केन्द्रित किया जा सकता है क्योंकि जनपद में ग्राउण्ड वाटर के लेबल में गिरावट होने की वजह से किसान इस ओर देख रहा है।
4. जनपदान्तर्गत ''बीज ग्राम (सब्जी, दाल, धान, गन्ना)'' कलस्टर आधार पर विकसित किये जाने की कार्ययोजना बनाना, किसानों की आय में वेल्यू एडिसन करना होगा।
5. जनपद में ''किसान ग्रोथ वैन'' संचालित होने से किसानों को बीज, कीटनाशक, रसायन आदि की उपलब्धता सरलता से हो सकेगी।
6. सोलर पम्प पर अनुदान की राशि को बढ़ाया जाना, छोटे किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध किया जाना होगा अथवा सोलर पम्प को छोटे किसानों की सामूहिक इच्छा होने पर उपलब्ध किये जाने का प्राविधान किया जाय।
7. कृषि यंत्रों के मरम्मत का कार्य स्थानीय स्तर पर किये जाने का प्राविधान किया जाय, इसके लिए हुनरमंद किसानों को प्रशिक्षित किया जाय।
8. सामूहिक कृषि को बढ़ावा दिये जाने पर जोर दिया जाय।
9. मिश्रित खेती (कृषि, पशुपालन, औद्यानिकी) से उत्पादित उत्पादों के विपणन हेतु छोटी–छोटी मण्डियाँ स्थापित किये जाने हेतु नीति तैयार की जाय।
10. किसानों को उन्नत प्रजाति के बीज उपलब्ध किये जाने की कार्ययोजना तैयार की जाय, क्योंकि उन्नत किसान देश के अन्य जनपदों (पंजाब, हरियाणा) से बीज क्रय कर रहें हैं।
11. जैविक उत्पादों को वर्गीकृत कर मूल्य में वृद्धि की जा सकती है जिससे छोटे–बडे किसान जैविक खेती की ओर सोच बदल सकते हैं जिससे प्रदेश की जैविक ब्रांड की भूमिका को मजबूती मिलेगी।

12. आगजनी को बीमा में अधिकृत किया जाय।
13. जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में कृषि क्षेत्र कम होने के कारण स्थानीय पलायन है। इस प्रक्रिया में काफी संख्या में लोग रोज आजीविका के लिए आस–पास की फैक्ट्रियों में एवं अन्य प्रतिष्ठानों में जाते हैं।
14. कृषि में प्रति व्यक्ति भूमि की उपलब्धता निरंतर कम हो रही है एवं औसतन सभी विकास खण्ड़ों में छोटे किसानों (2 है0 से कम भूमि वाले किसान) की संख्या 65 प्रतिशत से अधिक है। यह लोग मशरूम एवं सब्जी आदि के उत्पादन में लगे हैं लेकिन भूमि कम होने के कारण इन लोगों की प्रति व्यक्ति आय कम है। अतः ऐसे छोटे किसानों को संयुक्त रूप से कार्य करके ही लाभ मिल सकता है।
15. जनपद के कई क्षेत्रों में फसल को जंगली जानवरों एवं Stray Cattle से नुकसान हो रहा है।
16. जनपद के कई क्षेत्रों में भूमिगत जल का स्तर गिर रहा है। अतः ऐसे फसलों को अपनाए जाने की आवश्यता है जिनसे भूमिगत जलस्तर में गिरावट न हो इसके लिए प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर कार्ययोजना बनाए जाने की आवश्यकता है।
17. कई किसान ग्रीष्मकालीन धान (Summer Paddy) का उत्पादन कर रहे हैं जिससे भू–जल स्तर गिर रहा है। कृषि विभाग इन किसानों को मक्का आदि फसल उगाने के लिए प्रेरित कर रहा है परन्तु मक्के के विपणन में बाधाऐं आ रही हैं। अतः स्थानीय Food Processing उद्योगों को मक्का फसल क्रय के लिए प्रेरित करना होगा।
18. आर्गेनिक खेती का चलन भी शुरू हुआ है लेकिन इसके अन्तर्गत क्षेत्रफल कम है। अतः जनपद में आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक 10 वर्षीय कार्ययोजना बनाये जाने की आवश्यकता है जिसमें उत्पादन से विपणन तक सभी बिंदुओं पर ध्यान केन्द्रित किया जाए।
19. छोटे किसान आजीविका के लिए कृषि आधारित आय के स्रोतों को छोड़कर गैर कृषि आधारित क्षेत्र पर निर्भर हो रहे हैं। ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि पिछले 10 वर्षों में शहरीकरण के फलस्वरूप लगभग 10 हजार हैक्टेयर कृषि भूमि कम हुई है। सैकड़ों छोटे किसान अपनी कृषि भूमि बेच रहे हैं।
20. व्यापक स्तर पर मृदा परीक्षण की आवश्यकता है ताकि कृषि उत्पादकता बढ़ायी जा सके।
21. खटीमा विकास खण्ड के कुछ क्षेत्रों में वर्षा ऋतु में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है जिससे कृषि उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इस समस्या से प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित करके इसके लिए एक चरणबद्ध योजना बनाए जाने की आवश्यकता है।

उद्यान

औद्यानिकी विकास के लिए जनपद ऊद्यमसिंह नगर में अपार सम्भावनाएं हैं। क्योंकि जनपदान्तर्गत 03 सामुदायिक फल संस्करण केन्द्र (रूद्रपुर, बाजपुर, काशीपुर) तथा 14 उद्यान सचल दल केन्द्र (प्रत्येक विकासखण्ड पर दो) तथा 04 राजकीय उद्यान (रूद्रपुर, गदरपुर, काशीपुर, सितारगंज) हैं। जनपद में प्रमुखतया फल पौध, सब्जी पौध, सब्जी बीज, का उत्पादन एवं वितरण अधिकांश रूप से होता है। विभाग द्वारा जनपदान्तर्गत सम्पादित किये जा रहे कार्यक्रमों के मजबूती एवं सरलीकरण हेतु आयोग द्वारा निम्न सिफारिशें प्रस्तुत की जा रही हैं जिससे जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन को कम करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने में सहायता प्राप्त होगी–

1. फलपौध रोपण के कार्यक्रम की परिधि को बढ़ाने के साथ–साथ उन्नत रोपण सामग्री उपलब्ध की जाय।
2. हाईब्रिड सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दिये जाने के लिए उद्यमियों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध किये जाने का प्राविधान हो।
3. कृषि यंत्रों के वितरण की संख्या बढ़ायी जाये तथा यंत्र मरम्मत ही व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाय।
4. संरक्षित खेती को बढ़ावा दिये जाने के लिए उद्यमियों को प्रशिक्षण दिये जाने का प्राविधान किया जाय। ताकि उद्यमी योजना का पूर्ण लाभ ले सके।

5. जनपद में मसाला क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं है अर्थात विभाग मसाला उत्पादन के क्षेत्र विस्तार के लिए विकासखण्डवार सर्वेक्षण कर कार्ययोजना तैयार करे।
6. बागान के जीर्णोद्धार का कार्य जनपद के पुराने बागान के उद्यमियों के हित में है। इसलिए इसे बागानो को चयन कर वर्ष दर वर्ष कार्ययोजना तैयार की जाय।
7. जंगली जानवरों के आंतक को कम करने के लिए जनपद में भी घेरबाड की सुविधा दिये जाने का प्राविधान किया जाय।
8. जनपद के छोटे किसानों को मौन पालन और मशरूम उत्पादक के रूप में विकसित करने हेतु कार्ययोजना तैयार की जाय।
9. मिश्रित खेती (कृषि, पशुपालन, औद्यानिकी) से उत्पादित उत्पादों के विपणन हेतु छोटी–छोटी मण्डियाँ स्थापित किये जाने हेतु नीति तैयार की जाय।
10. उद्यमियों को 75mm के पाइप पर सब्सिडी मिल रही है, जिसे 120mm के पाइप तक किया जाय, ताकि सरलतम रूप से उद्यमियों को सिंचन की सुविधा प्राप्त हो सकेगी।
11. किसानों के पास भूमिजोत कम होने के कारण उद्यान पर ध्यान केंद्रित करने से ही स्थानीय निवासियों की आय बढ़ेगी। इसमें मशरूम एवं सब्जी उत्पादन आदि पर ध्यान केंद्रित करना होगा।
12. जसपुर, काशीपुर एवं अन्य विकास खण्ड़ों में स्वयं सहायता समूह भी मशरूम का उत्पादन कर रहे हैं। इसमें विपणन की समस्या है।
13. Food Processing पर ध्यान केंद्रित करके मशरूम एवं सब्जी उत्पादकों को अधिक लाभ होगा।
14. यह भी देखा गया है कि सभी विकास खण्ड़ों में फूलों का उत्पादन कम है जबकि इससे उत्पादकों को अधिक लाभ हो सकता है। जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में फूलों के उत्पादन पर जोर देने की आवश्यकता है।
15. बाजपुर विकास खण्ड़ में सब्जी के विपणन के लिए मंडी उपलब्ध न होने के कारण उत्पादकों को कठिनाई हो रही है।
16. सब्जी, मशरूम एवं फूल उत्पादकों के लिए विशेष कौशल विकास योजनाऐं चलायी जाऐं जिससे इनको अधिक लाभ होगा।
17. जनपद के लिए अगले 5 वर्षों हेतु उद्यान विकास कार्ययोजना बनायी जाए जिसमें प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर स्थानीय परिस्थिति के अनुसार फोकस हो। इसमें कलस्टर उत्पादन आधुनिक तकनीकों का प्रयोग, Fruit Processing एवं विपणन का प्रावधान हो।
18. उद्यान क्षेत्र के लिए निम्नलिखित आधारभूत संरचना को निजी क्षेत्र में बढ़ावा देने की आवश्यकता है–Pre-cooling, sorting, grading, packing, storage, processing, marketing and cold chain facilities
19. मौसम पर आधारित फसल बीमा योजना बनाए जाने की आवश्यकता है विशेषकर लीची, आम, टमाटर, आलू, अदरक, मटर आदि के लिए।
20. Pollination support through Bee-keeping for Productivity Enhancement of horticultural crops.
21. जैविक बागवानी एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें बागवान को अधिक लाभ मिल सकता है। जनपद के विभिन्न विकास खण्ड़ों में इसे चरणबद्ध रूप से प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।
22. उद्यान क्षेत्र में निवेशकों को आकृषित करने के लिए तुरन्त कदम उठाये जाऐं। निम्नलिखित क्षेत्रों में निवेश किया जा सकता है–
    a- Manufacturing and supply of agri-horti inputs
    b- Hi-tech nursery of mandated fruit crops
    c- Tissue culture unit for mandated horticulture plants
    d- Vegetable seed production

e- Development of new cluster of high value crops like Kiwi, Strawberry, Banana and Papaya
f- Mushroom production, spawn production and compost making unit
g- Integrated pack house, cold storage/CA store with cold chain facilities
h- Retail market and outlets
i- Horticulture based food processing unit
j- Horti tourism
k- Contract farming of potato and off-season vegetables

दुग्ध विकास

विभागीय योजनाओं हेतु जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन को कम करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए आयोग द्वारा निम्न सिफारिशें प्रस्तुत की जाती हैं :–

1. दुग्ध क्षेत्र को मजबूत किये जाने हेतु विकासखण्डस्तर की दुग्ध समितियों के मध्य ''दैनिक दुग्ध उपार्जन समिति'' का गठन किया जाय।
2. पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग का आपसी समावेश होना आवश्यक है।
3. जनपद में प्राइवेट डेयरी विकसित किये जाने पर कार्ययोजना तैयार की जाय।
4. विभाग द्वारा दुग्ध पशु उपलब्ध किये जाने पर दी जा रही अनुदान राशि में वृद्धि की जानी अपेक्षित है।
5. जनपद में दुग्ध प्रोसेसिंग यूनिटों की संख्या में वृद्धि की जाय।
6. समूह में संगठित महिलाओं में से ऋण चाहने वाली महिला को बैंक द्वारा ऋण दिये जाने का प्राविधान किया जाय।
7. जनपद से मधुसूदन, आनन्दा व शगुन डेयरी फार्म द्वारा दूध क्रय कर दिल्ली ले जाकर, प्रसंस्करण कर, जनपद के साथ राज्य के अन्य जनपदों में उपभोग के लिए भेजा जाता है अर्थात जनपद में डेयरी फार्मों को विकसित किये जाने के आयाम मौजूद हैं।

पशुपालन

विभागीय योजनाओं हेतु जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन को कम करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए आयोग द्वारा निम्न सिफारिशें प्रस्तुत की जाती हैं :–

1. जनपद में मुर्गी फार्म के साथ–साथ गोटरी फार्म व मत्स्य फार्म को वैली के रूप में विकसित किये जाय।
2. मुर्गीपालन हाउसहोल्ड के माध्यम से कहीं–कहीं किया जा रहा है इसे कलस्टर के रूप में विकसित किये जाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।
3. उन्नत जाति के प्रजनित गाय को उपलब्ध किये जाने की कार्ययोजना तैयार की जाय, जो अधिक दूध उत्पादन की क्षमता रखती हो।
4. सामुहिक पशुपालन को बढ़ावा दिये जाने पर जोर दिया जाय।
5. पशुपालकों के सभी पशुओं का बीमा एवं वेक्सीनेशन पूर्ण अनुदान पर अनिवार्य करना होगा एवं बीमा क्लेम के निस्तारण हेतु समय निर्धारित किया जाय।
6. किसानों की **KCC** की सीमा रूपये 3.00 लाख से बढ़ाकार रूपये 5.00 लाख हो ताकि किसान कृषि यंत्रों के साथ पशु क्रय एवं अन्य पशु आवश्यकता को पूरा कर सके।
7. मिश्रित खेती (कृषि, पशुपालन, औद्यानिकी) से उत्पादित उत्पादों के विपणन हेतु छोटी–छोटी मण्डियाँ स्थापित किये जाने हेतु नीति तैयार हो।
8. जनपद में फीड उत्पादन प्लांट स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार की जाय।

9. बैकयार्ड पौल्ट्री कई किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा अपनाया गया है, परन्तु किसानों की आय में वृद्धि की उपयोगिता को देखते हुए लगभग 100 पक्षियों वाले पौल्ट्री को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। अन्य जनपदों के अनुभव से यह भी प्रतीत होता है कि इस प्रकार के पौल्ट्री के कार्यक्रम सामूहिक रूप से किए जाने पर ही अधिक लाभकारी है।
10. बकरी पालन की भी योजनाऐं जनपद के विभिन्न विकास खण्ड़ों में संचालित की जा रही हैं। यह बड़े काश्तकारों के लिए लाभकारी है तथा छोटे किसानों को इसका लाभ तभी मिलेगा जब ऐसी योजनाऐं लगभग 10 पशुओं के लिए हो।
11. बकरीपालन को अधिक लाभकारी बनाने के लिए बकरियों की नस्ल सुधार का एक बड़ा कार्यक्रम अपनाए जाने की आवश्यकता है।
12. अन्य जनपदों की भांति इस जनपद में भी आवरा पशुओं के लिए उचित स्थान एवं उचित धनराशि आबंटित करने की आवश्यकता है।
13. जनपद के विकास खण्ड़ों में स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तथा अन्य लोगों द्वारा छोटी–छोटी डेयरियां संचालित की जा रही हैं। अधिकतर दूध आंचल सहकारी संगठन के द्वारा विपणन किया जाता है। डेयरी व्यवसाय में लगे व्यक्तियों को Value added Milk Products जैसे कि पनीर, दही एवं घी इत्यादि बनाने के लिए प्रेरित करना होगा ताकि उनको अधिक लाभ मिल सके।
14. पशुपालन से जुड़े सभी स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तथा अन्य व्यक्तियों को समय–समय पर प्रशिक्षण देने से उनको अधिक लाभ होगा।
15. पशुशालाओं में कीटनाशक आदि का समय–समय पर छिड़काव करने से पशुओं को विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सकता है।
16. जनपद के कुछ क्षेत्रों में पशु विभिन्न बीमारियों जैसे कि Foot and Mouth disease से प्रभावित हैं अतः समयबद्ध रूप से इनके उपचार करने की आवश्यकता है।
17. जनपद में पशु सखियों की संख्या कम है तथा इन्हें बढ़ाऐ जाने से पशुपालकों को अधिक लाभ होगा।
18. राज्य एवं केन्द्र सरकार की पशुपालन से संबंधित अनेक योजनाऐं संचालित की जा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इनके अधिक प्रचार–प्रसार करने से लोगों को लाभ मिलेगा।
19. पशुपालन योजनाओं का अन्य योजनाओं जैसे कि जलागम परियोजना के पशुपालन घटक से Convergence किया जाना चाहिए।

मत्स्य विकास

स्वरोजगार एवं आजीविका हेतु सुअवसर प्रदान करने में मत्स्य पालन की गतिविधि भी राज्य में अपना अलग ही महत्व रखता है। राज्यान्तर्गत जनपद ऊधमसिंह नगर की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन पर अंकुश लगाने में मत्स्य पालन जैसी गतिविधि द्वारा भी अपना सहयोग दिया जाता है। जनपद में लगभग 2921.349 मीट्रिक टन मछली उत्पादन हो रहा है जिसे बढ़ाये जाने की जनपद में अपार सम्भावनायें हैं। विभाग की योजनाओं हेतु जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन को कम करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए आयोग द्वारा निम्न सिफारिशें प्रस्तुत की जाती हैं :–

1. जनपद में मत्स्य प्रजनन हेतु स्थलों को चिहिन्त करते हुए केन्द्र स्थापित किये जाने चाहिए, जिससे मछलीपालकों को सरलता से हैचलिंग्स/फ्राई(पोना)/स्पान(जलांडक)/फिंगरलिंग्स (अंगुलिकाएं) उपलब्ध हो सके।
2. कार्प मछली से हैचलिंग्स/स्पान/फिंगरलिंग्स उत्पादन करने की हेचरी का प्रशिक्षण दिये जाने का प्राविधान किये जाने के साथ–साथ विकासखण्डस्तर पर मछली आहार एवं रोग नियंत्रण केन्द्रों को विकसित किया जाना चाहिए।

3. मत्स्य पालन के साथ बत्तख पालन एवं मुर्गीपालन के व्यवसाय को भी जोड़ा जाना मत्स्य पालक की आय में वृद्धि करना होगा अर्थात तालाब के मध्य भाग में मुर्गीपालन किये जाने से मछली और बत्तख के लिए मुर्गियों के बीट से आहार प्राप्त होने से मत्स्य पालक के खर्चे में कमी भी आयेगी।
4. मत्स्यपालन व्यवसाय को मजबूत करने के लिए विपणन संबंधी आधारभूत सुविधाओं हेतु कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है क्योंकि मछली जल्दी खराब होने वाला उत्पाद है। अर्थात विकासखण्ड स्तर पर मछली बाजार को विकसित करने का प्राविधान किया जाना उचित होगा।
5. मत्स्य चिप्स का विनिर्माण कर बाजार में आसानी से विपणन किया जा सकता है और मछलीपालकों के नुकसान को भी कम किया जा सकेगा अर्थात मछलीपालकों को मत्स्य चिप्स बनाये जाने का प्रशिक्षण दिया जाय।
6. मत्स्य व्यवसाय अत्यधिक संवेदनशील व्यवसाय होने के फलस्वरूप तालाब में उपयोग किये जा रहे पानी के तापमान पर निर्भर हो जाता है अर्थात तापमान को यथोचित करने की तकनीकी का प्राविधान किये जाने पर विचार किया जाय।
7. मत्स्य पालन की वैज्ञानिक तकनीकी का प्रयोग करते हुए मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि हेतु कार्ययोजना तैयार की जाय।
8. रंगीन मछलियों (एक्वेरियम फिश) का व्यवसाय वर्तमान में अधिक लोकप्रिय हो रहा है तद्क्रम में मछलीपालकों को प्रशिक्षित किया जाय।
9. जनपद में मछुआ पालकों के ग्रामों का कलस्टर विकसित किये जाने से विपणन व अन्य आधारभूत सुविधाएं सरलता से मत्स्य पालकों तक पहुँच सकेगी।
10. जनपदान्तर्गत राष्ट्रीय मछुआ कल्याण योजना के साथ अन्य मत्स्य योजनाओं का प्रचार–प्रसार किये जाने की आवश्यकता प्रतीत होती है।
11. रूद्रपुर विकासखण्ड के सापेक्ष अन्य सभी विकासखण्डों में भी मत्स्य पालन के व्यवसाय को बढ़ाये जाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है जिसके लिए विभागीय बजट में वृद्धि किया जाना अति अपेक्षित है।
12. जनपद में ''मत्स्यवेन'' व ''मत्स्य बाजार'' संचालित कर मत्स्य पालकों की आय में वेल्यू एडिसन करना होगा।
13. जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में मत्स्य पालन से सम्बन्धित छोटे–बड़े उद्यम हैं। इनमें विभिन्न क्षेत्रफल के छोटे–बड़े तालाबों में मछली पालन किया जा रहा है। मत्स्य पालन में ऊधम सिंह नगर जनपद प्रदेश के सभी जनपदों में अग्रणी है।
14. जनपद में मछली की आपूर्ति इन उद्यमों से एवं अन्य राज्यों से की जा रही हैं मुख्य प्रजातियों की मछलियों मे कटला, रोहू एवं मृगाल (Major Indian Carps) है। इनकी Hatchery मत्स्य विभाग के पास उपलब्ध है।
15. Pangasius प्रजाति की मछलियों की भी स्थानीय मांग रहती है। मछली पालकों को इन प्रजातियों के Hatchlings मत्स्य विभाग उपलब्ध करा रहा है। परन्तु Pangasius प्रजाति के लिए Hatchery जनपद में न होने के कारण इनको बाहर से मंगाना पड़ता है। अतः विभाग को शीघ्र ऐसी Hatchery बनाकर आपूर्ति स्थानीय स्तर पर करनी चाहिए।
16. जनपद में कई बड़े–बड़े जलाशय एवं तालाब है इनमें मत्स्य पालन को और सुदृढ़ करने के लिए विभाग को विभिन्न स्थानीय मांग के अनुसार विभिन्न प्रजातियों के Hatchlings बनाने होंगे।
17. मत्स्य विभाग को जनपद में मत्स्य पालन को बढ़ाने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना बनानी चाहिए।

उद्योग

जनपद ऊधमसिंह नगर राज्य में औद्योगिक विकास की दृष्टि से एक अग्रणी जनपद है। मुख्य औद्योगिक क्षेत्र पंतनगर, सितारगंज, काशीपुर एवं रूद्रपुर हैं। जनपद में 5000 से अधिक रजिस्टर्ड औद्योगिक इकाईयाँ हैं जिनमें लगभग 40 हजार से अधिक व्यक्ति रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। इन औद्योगिक इकाईयों में प्रमुख हैं ओटोमोबाइल, कागज, पैकेजिंग, चीनी, धान, बिजली उपकरण तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाईयाँ हैं। उद्योगों से जुड़े सेवा क्षेत्र में प्रमुखतः आई.टी, परिवहन, टूलरूम, जनशक्ति आपूर्तिकर्ता तथा होटल/रेस्टोरेंट हैं जिनमें हजारों लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

वर्तमान में जनपद स्तर पर लगभग 5000 उद्योगों को भूमि आवंटित की जा चुकी है जिसमें मार्च 2022–23 तक लगभग 4000 उद्योग कार्य कर रहें हैं। जनपद में उद्योगों से जहाँ काफी मात्रा में राजस्व की प्राप्ति की सम्भावना बनती है वहीं रोजगार उपलब्धता की प्रबल सम्भावनायें भी पैदा हो जाती है। विभाग की योजनाओं हेतु जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन को कम करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए आयोग द्वारा निम्न सिफारिशें प्रस्तुत की जाती हैं :–

1. सूक्ष्म व लघु उद्यम हेतु विद्युत खपत में छूट दिये जाने का प्राविधान किया जाये।
2. सूक्ष्म व लघु उद्यम स्थापति किये जाने में अन्य विभागीय योजनाओं के तहत युगपतीकरण किया जाये ताकि उद्यमी को तकनीकी ज्ञान के साथ वित्तीय संकट से भी निजात मिल सकेगी।
3. विभाग में उद्यमों को भौगोलिक स्थिति के अनुरूप श्रेणीबद्ध किया जाय।
4. विभाग उद्यमियों के उत्पाद विपणन हेतु निर्मित ग्रोथ सेन्टरों में ऑन लाइन मार्केटिंग की सुविधा उपलब्ध किये जाने हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।
5. विभाग मिश्रित उद्यमिता हेतु सूक्ष्म व लघु उद्यमों को सूचीबद्ध करते हुए बढ़ावा दिये जाने की कार्ययोजना तैयार करने पर विचार करे।
6. उद्योगों से जुड़े श्रमशक्ति का समय–समय पर कौशल विकास होना आवश्यक है क्योंकि प्रशिक्षित श्रमशक्ति की अत्यन्त आवश्यकता है।
7. छोटे उद्योगों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने से उनकी अधिक प्रगति होगी।
8. जनपद के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में टूलरूम उपलब्ध न होने से उद्योगों को कठिनाई हो रही है। अतः औद्योगिक क्षेत्रों में तथा जनपद के शहरी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के सुधार की आवश्यकता है।
9. औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण सम्बन्धी अनेक समस्याऐं हैं तथा प्रदूषण नियंत्रण के लिए सामूहिक संरचना उपलब्ध कराने से अधिक लाभ होगा।
10. जनपद में कई बड़ी इकाईयां कार्य कर रही हैं परन्तु इनके साथ छोटी इकाईयां पूर्णतः नहीं जुड़ी हैं। फलस्वरूप बड़ी इकाईयों की Ancillary इकाईयां स्थानीय स्तर पर ही होनी चाहिए।

खादी ग्रामोद्योग विकास

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों को स्थापित करते हुए रोजगार के अवसर सृजन करने के उद्‌देश्य से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी0एम0ईजी0पी0) ऋण सहबद्ध सब्सिडी कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा संचालित की गई है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है जिसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है। योजना का कार्यान्यवन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के प्रशासनिक नियन्त्रण में राष्ट्रीय स्तर पर एक मात्र नोडल एजेन्सी खादी ग्रामोद्योग आयोग करता है।

ग्रामीण क्षेत्र में समाजिक एवं आर्थिक विकास को मजबूत करने हेतु इस योजना का प्रचार–प्रसार ग्राम सभा स्तर पर न होने के कारण अधिक से अधिक ग्रामीण क्षेत्र वासियों को राज्य सरकार/केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कम पढे लिखे एवं पढाई छोड़ चुके लोगों का उद्योग लगाने के सम्बन्ध में जानकारी न होने के कारण रोजगार से वंचित रहते है जिससे वे कार्य की तलाश में ग्रामीण क्षेत्र से पलायन करते हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की बैकों तक पहुँच नहीं होना भी एक कारण है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगे उद्योगों के उत्पादित माल को बिक्री किये जाने की समस्या उत्पन्न होती है जिससे कुटीर उद्योग सफल होने के कारण बन्द हो जाते है।

सुझाव निम्नानुसार हैं–

1. ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग स्थापित एवं बेरोजगारी दूर करने हेतु ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का सम्पर्क बैकों तक नहीं हो पाता है। जिससे गांव के नजदीकी स्थान पर बैंकों की उप शाखा या बैंक सखी की व्यवस्था किये जाने का प्राविधान हो ताकि राज्य एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को प्राप्त हो सके।
2. ग्रामीण क्षेत्रों में अन्तिम ग्राम तक प्रचार–प्रसार किया जाना अनिवार्य है।
3. ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग सम्बन्धी प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था किया जाना अनिवार्य हो एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबंधित बैंक के शाखा प्रबंधक या प्रतिनिधि का उपस्थित होना भी अनिवार्य किया जाय।
4. प्रशिक्षण प्राप्त उद्यमियों का पंजीकरण अनिवार्य हो उसे अपना स्वयं का उद्योग स्थापित करने के लिए प्राथमिकता दी जाय। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर लगने वाले मेलों आदि पर ग्रामीण क्षेत्रों की ईकाइयों द्वारा प्रतिभाग किया जाना अनिवार्य है।

पर्यटन विकास

विभाग द्वारा पर्यटकों की सुविधा हेतु काशीपुर, रूद्रपुर, खटीमा, जसपुर, किच्छा, सितारगंज, बाजपुर तथा नानकमत्ता में पर्यटक आवास गृह, मार्गीय सुविधा, स्ट्रीट लाइट के साथ सड़क अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कराया गया है। क्योंकि ऊधमसिंह नगर में कुमांऊ परिक्षेत्र एवं कार्बेट नेशनल पार्क का प्रवेश स्थल होने के साथ–साथ धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं नैसर्गिक सौन्दर्य से परिपूर्ण कई पर्यटक स्थल विद्यमान है। जनपद में पर्यटकों के आकर्षण हेतु नानकमत्ता, बौर जलाशय, गूलरभोज, कृत्रिम झील, क्रोकोडाईल पार्क एवं संजय वन आदि स्थल मौजूद हैं। जनपद में काफी संख्या में देशी–विदेशी पर्यटकों का आवागमन हर वर्ष लगा रहता है। विभागीय योजनाओं हेतु जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहे पलायन को कम करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए आयोग द्वारा निम्न सिफारिशें प्रस्तुत की जाती हैं :–

1. जनपद में साहसिक खेलों को विकसित किये जाने की अपार सम्भानाएं है जिसके लिए कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए।
2. जनपद में पारगमन पर्यटकों को ठहराव हेतु जनपद में पौराणिक, धार्मिक पर्यटक स्थलों के साथ नये पर्यटक स्थलों को विकसित किया जाना अपेक्षित होगा एवं पर्यटकों की आधारभूत सुविधाओं को नई तकनीकी से युक्तकर विकसित किये जायें।
3. जनपद में ''टूर गाइड का प्रशिक्षण'' आयोजित कर युवाओं को जनपद के धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं नैसर्गिक सौन्दर्य की मूल जानकारी के साथ पर्यटकों को सेटिस्फाई किये जाने की टैकनिक मिल सकेगी ताकि पारगमन पर्यटकों को आसानी से इनके माध्यम से जानकारी मिल पायेगी।
4. जनपद में सभी उत्तराखण्डी जनपदों की धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं नैसर्गिक सौन्दर्य के मॉडल बनाकर पर्यटकों को अधिक मात्रा में आकर्षित किया जा सकता है क्योंकि जनपद पानीपत–खटीमा एवं दिल्ली–नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग का प्रमुख पारगमन केन्द्र होने के साथ–साथ अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कॉर्बेट नेशनल पार्क का प्रवेश स्थल के रूप में भी जाना जाता है।
5. जनपद के कुछ विकास खण्डो में जैसे खटीमा, सितारगंज आदि में होम स्टे को बढ़ावा देने से पर्यटन क्षेत्र का विकास होगा एवं स्थानीय स्वरोजगार भी सृजित होगा।
6. जनपद की पड़ोसी देश नेपाल के साथ सीमा लगती है तथा इन सीमावर्ती क्षेत्रों में Border Area Tourism का विकास किया जा सकता है।
7. जनपद में कई छोटे–बड़े जलाशय है जहाँ पर जलक्रीड़ा को बढ़ावा दिया जा सकता है।
8. जनपद के पर्यटन विकास के लिए एक 10 वर्षीय योजना बनाई जाए जिसमें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए प्रावधान हो। इसमें प्रचार–प्रसार एवं पर्यटन सम्बन्धित सुविधाओं का भी प्रावधान किया जाना आवश्यक है।